# शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, सोमवार 10 नवंबर 2025 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 05/06, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 210 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12


**मौसम**

| शहर | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| रांची | 25.4 | 11.8 |
| डालटनगंज | 29.8 | 11.3 |
| धनबाद | 27.0 | 15.0 |

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

**व्याख्यानमाला :** मोहन भागवत बोले- भारत के मुसलमानों-ईसाइयों के पूर्वज हिंदू थे

## हमारे देश में कोई अहिंदू नहीं, हमारी आत्मा हिंदू संस्कृति है

एजेंसियां। बेंगलुरु

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत की राष्ट्रीयता किसी राजनीतिक संरचना की उपज नहीं, बल्कि एक शाश्वत सभ्यतागत भावना है, जो धर्म और संस्कृति पर आधारित है. उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रत्व 1947 में शुरू नहीं हुआ, यह सनातन है और सीमाओं से परे अस्तित्व में है.

उन्होंने कहा कि भारत में कोई अहिंदू नहीं है क्योंकि सभी एक ही पूर्वजों के वंशज हैं और इस देश की मूल संस्कृति हिंदू है. हम एक प्राचीन राष्ट्र हैं. भारत की संस्कृति क्या है? जो भी वर्णन करें, वह हमें हिंदू शब्द की ओर ले जाता है. सनातन इसकी व्यवस्था है और हिंदुत्व उसकी आत्मा का प्रतिनिधि है.

**हम किसी सरकार या दानदाता पर निर्भर नहीं :** उन्होंने कहा, हम किसी सरकार या दानदाता पर निर्भर नहीं हैं. स्वयंसेवकों की वर्ष में एक बार दी जाने वाली गुरु दक्षिणा से ही संघ चलता है. यही हमें स्वतंत्र और निडर रखता है. हमारे कार्यकर्ताओं की हत्या हुई, बैन लगे, हमें बदनाम किया गया, लेकिन संघ बढ़ता रहा क्योंकि हम केवल खुद पर निर्भर हैं.

**कोई भी संघ की शाखा में भाग ले सकता है:** अल्पसंख्यकों से जुड़े एक प्रश्न पर भागवत ने कहा कि संघ जाति, धर्म या संप्रदाय के आधार पर किसी के लिए अपने दरवाजे बंद नहीं करता. हर कोई भारत माता का पुत्र होने की भावना के साथ शाखा में भाग ले सकता है. संघ किसी को विशेष लाभ नहीं देता, न ही किसी के लिए कोई अन्य स्कूल या संस्थान शुरू करता है. संघ का काम शाखा और मानव विकास है. विद्या भारती जैसी स्वतंत्र संस्थाएं अन्य कार्य कर रही हैं.

### संगठित हिंदू समाज धार्मिक ज्ञान से दुनिया को शांति और खुशी दे, यही एकमात्र विजन

भागवत ने कहा कि संगठन का ध्येय सुस्पष्ट है, संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित कर अच्छे इरादों वाला मजबूत समाज बनाना. यह संगठित हिंदू समाज धार्मिक ज्ञान के माध्यम से दुनिया को शांति और खुशी दे, यही हमारा एकमात्र विजन है. इसे प्राप्त करने के बाद संघ को किसी अन्य लक्ष्य की आवश्यकता नहीं है. संगठित समाज बाकी काम कर देगा. प्रश्नों का उत्तर देते हुए डॉ. मोहन भागवत ने कहा, संगठन के अस्तित्व और कानूनी वैधता पर सवाल उठाने की जरूरत नहीं है. अदालत, सरकार और कर विभाग, सभी ने संगठन को मान्यता दी है. अगले 20 वर्षों के विजन के बारे में बोलते हुए भागवत ने कहा, हमारा मिशन स्पष्ट है, संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना, अच्छे इरादों वाला एक मजबूत समाज बनाना. यह संगठित हिंदू समाज धार्मिक ज्ञान के माध्यम से दुनिया को शांति और खुशी दे. यही हमारा एकमात्र विजन है. इसे प्राप्त करने के बाद संघ को किसी अन्य लक्ष्य की आवश्यकता नहीं है. संगठित समाज बाकी काम कर देगा.

मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर मौलाना कारी इसहाक गोरा का अजीबोगरीब बयान

## औरतें मोबाइल पर घंटों बातें करती हैं, इससे बिगड़ रहे रिश्ते

एजेंसियां। देवबंद

देवबंद के प्रसिद्ध आलिम-ए-दीन और जमीयत दावतुल मुस्लिमीन के संरक्षक मौलाना कारी इसहाक गोरा का एक नया वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है. इस वीडियो में कारी इसहाक गोरा ने महिलाओं के मोबाइल फोन के गलत इस्तेमाल को लेकर नसीहत दी है. उन्होंने कहा कि मोबाइल एक जरूरत और आसानी का जरिया है, लेकिन जब इसका इस्तेमाल गलत दिशा में होता है, तो यही चीज इंसान को गफलत और गुनाह में डाल देती है.

**मोबाइल अच्छाई भी फैला सकता है:** कारी ने सवाल उठाया, क्या मोबाइल सिर्फ बुराइयों के लिए दिया गया है? क्यों न इसी मोबाइल का इस्तेमाल हम दीनी बातें सीखने, भलाई फैलाने और इल्म बढ़ाने के लिए करें? उन्होंने कहा कि मोबाइल अपने आप में बुरा नहीं, बल्कि इसका इस्तेमाल इंसान को अच्छा या बुरा बनाता है. वीडियो के आखिर में कारी इसहाक गोरा ने कहा, हमारी जुबान से निकली हर बात फ़रिश्तों के नामे-आमाल में लिखी जाती है, इसलिए सोचिए कि हम क्या लिखवा रहे हैं- नेकी या गीबत? उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल को शिकायत, बुराई और नकारात्मक बातें फैलाने का जरिया न बनाएं, बल्कि उसे रिश्तों में मिठास, इल्म और अच्छाई फैलाने के लिए इस्तेमाल करें.

**पहले भी बयान रहे चर्चा में:** कारी इसहाक गोरा देवबंद के उलेमा हैं, जो समाज में नैतिकता और सुधार की बातें खुलकर करते हैं. इससे पहले भी उनके कई बयान सोशल मीडिया पर चर्चा में रहे हैं. उनका यह नया वीडियो लोगों को सोचने पर मजबूर कर रहा है कि आधुनिक दौर की यह छोटी सी डिवाइस कैसे हमारे घरों के सुकून और बरकत पर असर डाल रही है.

### सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

यह वीडियो इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें कारी इसहाक गोरा कहते हैं कि दुनिया में जो भी चीजें इंसान की सहूलियत के लिए आईं, उनका इस्तेमाल हमेशा दो तरह से हुआ- एक सही और दूसरा गलत. मोबाइल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है.

### मोबाइल घरों से बरकत और सुकून छीन रहा

कारी इसहाक गोरा ने बताया कि आजकल घर-घर में मोबाइल फोन ने बरकत और सुकून छीन लिया है. उन्होंने कहा, आज बहुत-सी औरतें मोबाइल में वक्त जाया करती हैं- कभी मां से, कभी बहन या खाला से, या फिर दोस्तों से घंटों बातें करती रहती हैं. इन बातों में ज्यादातर हिस्से में गीबत यानी दूसरों की बुराई होती है. यह गुनाह न सिर्फ जुबान का है बल्कि घर के माहौल और रिश्तों को भी बर्बाद कर देता है.

## ब्रीफ न्यूज

### तेज भूकंप से कांपा जापान सुनामी का भी अलर्ट

**टोकियो।** जापान में रविवार तो एक बार फिर भूकंप से धरती कांप उठी. यह भूकंप यामाडा से 126 किमी ईस्ट में आया और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 रही. भारतीय समयानुसार जापान में भूकंप दोपहर 1.33 बजे आया. जापान की जियोफिज़िक्स एजेंसी ने भी भूकंप की पुष्टि की. भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर रही. 6.8 तीव्रता के भूकंप के बाद जापान में 6 आफ्टरशॉक्स भी आए.

### भारत के दो वॉन्टेड विदेश में गिरफ्तार

**नयी दिल्ली।** भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी कामयाबी मिली है. देश के दो वॉन्टेड वेंकटेश गर्ग और भानु राणा को विदेश में गिरफ्तार कर लिया गया है. गर्ग को जॉर्जिया में गिरफ्तार किया गया, जबकि राणा को अमेरिका में पकड़ा गया. दोनों ही भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं और देश में इनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं.

### अब बिना बैंक अकाउंट के भी चलेगा यूपीआई!

**नयी दिल्ली।** आरबीआई ने बदलते टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए जूनियो पेमेंट्स प्राइवेट लि. को डिजिटल वॉलेट सेवाएं शुरू करने की अनुमति दे दी है. भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करने वाले देशों में शामिल हैं. छोटी-छोटी दुकानों से लेकर बड़े-बड़े मॉल तक लोग ऑनलाइन पेमेंट का इस्तेमाल करने लगे हैं. लगभग हर दुकान में डिजिटल पेमेंट की सुविधा मौजूद है.

### स्टेशन पर मालगाड़ी ने प्लेटफार्म से टक्कर मारी

**खड़गपुर।** खड़गपुर रेल मंडल के अंतर्गत बालिचक स्टेशन पर रविवार को मालगाड़ी के इंजन ने प्लेटफार्म से टक्कर मार दी, जिससे अफरा-तफरी मच गई. सुबह डाउन लाइन के 5 नंबर लूप लाइन पर प्रवेश करते समय मालगाड़ी का इंजन और दो डिब्बे प्लेटफार्म से टकरा गए और आगे की ओर बढ़ गए.

**बिहार** में थमा प्रचार का शोर, दूसरे चरण का मतदान कल

## 122 सीटों के लिए 1302 प्रत्याशी आजमा रहे किस्मत

शुभम संदेश। पटना

बिहार चुनाव के दूसरे फेज की 20 जिलों की 122 सीटों पर रविवार शाम को प्रचार का शोर थम गया. इन सीटों पर वोटिंग मंगलवार को होगी. सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है या फिर अंतिम चरण में हैं. चुनाव आयोग ने 14 नवंबर को मतगणना की तारीख तय की है. दूसरे चरण के मतदान से पहले भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी बढ़ा दी गई है. भारत-नेपाल सीमा 11 नवंबर तक सील कर दी गई है. इस दौरान लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई है.

मतदान के लिए 45339 बूथ बनाए गए हैं. इनमें से 4109 बूथों को संवेदनशील व 4003 अतिसंविदनशील बूथ घोषित हैं. जिन बूथों पर चार बजे तक मतदान होगा, उनमें कटोरिया, बेलहर, चैनपुर, चेनारी, गोह, नवीनगर, कुटुंबा, औरंगाबाद, रफीगंज, गुरुआ, शेरघाटी, इमामगंज, बाराचट्टी के (36 बूथ), बोधगया (200 बूथ), रजौली, गोविंदपुर, सिकंदरा, जमुई, झाझा, चकाई सीटें शामिल हैं. वहीं बोधगया में 106 बूथों पर शाम पांच बजे तक मतदान होगा. इन बूथों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात रहने का निर्देश दिया गया है.

इस चरण में तिरहुत की 40, सीमांचल की 24 और मगध की 26 सीटों के नतीजे तय करेंगे कि बिहार में एनडीए व महागठबंधन में से किसकी सरकार बनेगी. दूसरे चरण में 122 सीटों ये 90 सीटें महत्वपूर्ण है. 2020 के चुनाव में तिरहुत में एनडीए का दबदबा था, तो मगध में महागठबंधन ने एकक्षत्र राज्य कायम किया था. सीमांचल में ओवैसी की एआईएमआईएम के चलते महागठबंधन का खेल बिगड़ गया था. 24 सीटों में से 2020 के चुनाव में मात्र सात सीटों पर जीत मिली थी.

**1302 प्रत्याशियों को चुनेंगे 3.70 करोड़ वोटर :** दूसरे चरण के मतदान में 1302 प्रत्याशी चुनावी मैदान हैं. इनमें 1165 पुरुष उम्मीदवार, 136 महिला उम्मीदवार और एक थर्ड जेंडर हैं. वहीं 3 करोड़ 70 लाख मतदाता दूसरे चरण में मतदान करेंगे. एक करोड़ 95 लाख पुरुष वोटर हैं. एक करोड़ 74 लाख महिला वोटर हैं. 4 लाख 4 हजार दिव्यांग वोटर हैं. 63,373 सर्विस वोटर हैं. 943 थर्ड जेंडर हैं. 43 एनआरआई हैं. वहीं 18 से 19 साल के मतदाताओं की संख्या सात लाख 69 हजार 356 है.

**सीमांचल में त्रिकोणीय संघर्ष :** सीमांचल की 24 सीटें सरकार बनने की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण है. पिछले चुनाव में सीमांचल की 24 सीटों में से बीजेपी ने आठ, जदयू ने चार, कांग्रेस ने पांच, राजद और भाकपा (माले) ने एक-एक, जबकि एआइएमआइएम ने पांच सीटों पर अपनी जीत दर्ज किया था. इस जीत ने कांग्रेस और आरजेडी दोनों की बेचैनी बढ़ा दी थी. क्योंकि सीमांचल के मुसलमान वोटरों ने आरजेडी और कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था. इसकी वजह से सीमांचल के 24 में से 12 सीटों पर एनडीए को जीत मिली थी. महागठबंधन सीमांचल के अपने कोर वोटरों को गोलबंद करने के लिए प्रयास कर रहा है. वहीं एनडीए यहां पर अपनी जमीन को एक बार और मजबूत करने में लगा है. एआइएमआइएम और जनसुराज की उपस्थिति ने चुनाव को त्रिकोणीय बना दिया है.

### तिरहुत में एनडीए का दबदबा

2020 में तिरहुत की पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर और मधुबनी की 40 सीटों में से 31 पर एनडीए ने जीत अपने नाम किया था. एनडीए को सत्ता तक पहुंचाने में तिरहुत ने कंधा लगाया था. महागठबंधन को महज नौ सीटों पर जीत मिली थी. इस क्षेत्र में मिली करारी हार की वजह से महागठबंधन सत्ता से दूर हो गया था. एनडीए अगर तिरहुत के गढ़ को बचाए रखते हुए मगध में महागठबंधन के गढ़ को तोड़ने में सफल होता है या फिर महागठबंधन मगध के किले को बचाते हुए तिरहुत में एनडीए के गढ़ में सेंधमारी करने में सफल होता है, तो सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने के कई समीकरण बदल जाएंगे.

### मगध में महागठबंधन का रहा है दबदबा

मगध में गया, औरंगाबाद, नवादा, जहानाबाद और अरवल जिले शामिल हैं. गया जिला की इमामगंज, टिकारी और बाराचट्टी सीट पर जीतन राम मांझी की पार्टी हम का 2020 में कब्जा था. 2025 में तीनों सीटों पर हम पार्टी के प्रत्याशी को कड़ी टक्कर मिल रही है. गया शहर से बीजेपी, बेलागंज से जदयू, वजीरगंज से कांग्रेस, और शेरघाटी में लोजपा-आर मैदान में हैं. इसी प्रकार औरंगाबाद के कुटुंबा से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की प्रतिष्ठा दांव पर है.

## घाटशिला में भी आखिरी दिन सबने लगाया जोर, वोट कल

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के घाटशिला उपचुनाव के लिए रविवार शाम 5 बजे प्रचार का शोर थम गया. चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सत्ता पक्ष की तरफ से विधायक कल्पना सोरेन ने झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में रोड शो किया. इस रोड शो में जनसैलाब उमड़ पड़ा. कल्पना सोरेन ने सभी लोगों से सोमेश सोरेन को भारी मतों से जिताने की अपील की. उन्होंने कहा, स्वर्गीय रामदास सोरेन और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सपने को पूरा करने के लिए तीर-धनुष पर का बटन दबा कर झामुमो प्रत्याशी को भारी मतों से जिताएं. इसके अलावा झामुमो के अन्य नेताओं ने भी आखिरी दिन पूरी ताकत झोंक दी. वहीं, विपक्षी भाजपा की तरफ से भी बाबूलाल सोरेन के पक्ष में जम कर प्रचार किया गया. पूर्व सीएम मधु कोड़ा ने मोटरसाइकिल रैली निकाल कर लोगों से भाजपा के लिए समर्थन मांगा. भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल के पिता चंपाई सोरेन ने भी की नुक्कड़ सभाएं करने के बाद प्रेस कांफ्रेंस भी की. उन्होंने कहा कि भाजपा के पक्ष में लहर है. इस बार लोग हमारा समर्थन कर रहे हैं. उधर, जेएलकेएम के सुप्रीमो जयराम महतो ने भी अपने प्रत्याशी के पक्ष में लोगों से मतदान करने की अपील की. इस बीच, चुनाव आयोग की तरफ से घाटशिला में मतदान के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. कड़ी सुरक्षा में मतदान के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है.

कांग्रेस सांसद शशि थरूर का चौंकाने वाला बयान, कांग्रेस भड़की

## जवाहरलाल नेहरू को केवल चीन युद्ध आडवाणी को रथ यात्रा से न आंकें

एजेंसियां। नयी दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक लाल कृष्ण आडवाणी की विरासत का बचाव किया है. उन्होंने कहा कि जैसे भारत के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू को सिर्फ चीन युद्ध की हार से नहीं आंका जा सकता या इंदिरा गांधी को केवल आपातकाल से नहीं, वैसे ही आडवाणी के राजनीतिक जीवन को भी एक घटना तक सीमित कर देना अनुचित है.

थरूर ने एक्स पर यह बयान आडवाणी के 98वें जन्मदिन (8 नवंबर) पर बधाई देते हुए दिया. थरूर ने आडवाणी को एक सच्चा राजनेता बताते हुए कहा कि उनका लोकसेवा के प्रति समर्पण, विनम्रता और ईमानदारी देश के लिए प्रेरणा है. हालांकि, थरूर के इस ट्वीट पर विवाद भी खड़ा हो गया है. सुप्रीम कोर्ट के वकील संजय हेगड़े ने थरूर की आलोचना करते हुए लिखा, माफ कीजिए थरूर साहब, लेकिन देश में नफरत के बीज बोना लोकसेवा नहीं है. जवाब ने थरूर ने लिखा- नेहरूजी के करियर को चीन की हार से नहीं आंका जा सकता, न ही इंदिरा गांधी को सिर्फ आपातकाल से. हमें यही दृष्टिकोण आडवाणी के साथ भी अपनाना चाहिए. उनके लंबे सार्वजनिक जीवन को सिर्फ एक घटना से आंकना गलत है.

**थरूर की राय व्यक्तिगत:** कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि शशि थरूर हमेशा अपनी राय खुद रखते हैं और कांग्रेस उनके बयान से असहमत है. उन्होंने कहा, थरूर अपनी निजी राय रखते हैं. कांग्रेस सांसद होने के बावजूद उनकी ये स्वतंत्रता ही कांग्रेस की विशिष्ट लोकतांत्रिक और उदार भावना को दर्शाती है.

### फीस वापसी नियम का पालन न करने पर कॉलेजों की मान्यता रद्द की जाएगी

**नयी दिल्ली।** छात्रों और अभिभावकों के लिए राहत की खबर है. अगर कोई छात्र किसी भी कारण से दाखिला लेने के बाद कालेज छोड़ता है तो कॉलेज प्रबंधन को उसकी फीस वापस करनी अनिवार्य है. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा है. पत्र में कहा गया कि कोई उच्च शिक्षण संस्थान किसी छात्र की फीस और उसके अकादमिक सर्टिफिकेट को नहीं रख सकता है. नियम न मानने पर मान्यता रदद, सभी प्रकार की ग्रांट रोकने, किसी प्रोग्राम में एक साल या उससे अधिक समय तक दाखिले पर रोक, जुर्माना से लेकर राज्य सरकारों के संस्थानों के खिलाफ स्टेट एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी. यूजीसी के सचिव प्रो. मनीष जोशी ने इस संबंध में सभी राज्य सरकारों और विश्वविद्यालय प्रशासन को पत्र लिखा है. इसमें कहा गया कि यूजीसी के बार-बार निर्देशों के बाद कई शिक्षण संस्थान छात्र के कॉलेज छोड़ने पर फीस वापस नहीं कर रहे हैं. इसके अलावा दाखिले के बाद मूल सर्टिफिकेट तक वापस नहीं किए जा रहे हैं.

बोझ का पहाड़ है या विकास का इंजन?

## रूस की आबादी के बराबर हो गए हैं भारत में बुजुर्ग

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत में बुजुर्गों की बढ़ती आबादी गंभीर सामाजिक और आर्थिक हकीकत है. देश में 60 साल और उससे ज्यादा उम्र के करीब 15 करोड़ लोग हैं. यह संख्या रूस की पूरी आबादी के बराबर है. भारत की कुल आबादी का यह एक बड़ा हिस्सा है. आने वाले सालों में यह और बढ़ेगा. 2036 तक इसी आंकड़े के 23 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है. स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अध्ययन के अनुसार, 2050 तक भारत की आबादी में बुजुर्गों का हिस्सा बढ़कर 19.5% हो जाएगा यानी करीब 31.9 करोड़ लोग. अगर 45 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों को भी इसमें शामिल कर लें, तो 2050 तक वे आबादी का लगभग 40% यानी करीब 65.5 करोड़ लोग होंगे. यह एक बहुत बड़ा जनसांख्यिकीय बदलाव है.

इस बढ़ती बुजुर्ग आबादी के साथ कई चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं. सबसे बड़ी चिंता स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर है. भारत में केवल पांच में से एक बुजुर्ग के पास स्वास्थ्य बीमा है. इसका मतलब है कि ज्यादातर बुजुर्ग अपनी स्वास्थ्य जरूरतों के लिए खुद पैसे का इंतजाम करते हैं या दूसरों पर निर्भर रहते हैं. आर्थिक रूप से भी लगभग 70% बुजुर्ग अपने रोजमर्रा के खर्चों के लिए परिवार के सदस्यों या अपनी मामूली पेंशन पर निर्भर हैं. यह उनकी आर्थिक असुरक्षा को दर्शाता है.

### स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च सबसे बड़ा टेंशन

बुजुर्गों में स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला खर्च वित्तीय तनाव का प्रमुख स्रोत बना हुआ है. यह शहरी क्षेत्रों में बुजुर्गों के बीच कर्ज का 26% है. कम से कम एक बुजुर्ग सदस्य वाले परिवारों की प्रति व्यक्ति मासिक आय उन परिवारों की तुलना में कम है जिनमें कोई बुजुर्ग सदस्य नहीं है (3,568 रुपये बनाम 4,098 रुपये), जो उम्रदराज परिवारों के आर्थिक खतरे को दिखाता है. यह स्थिति एक साफ तस्वीर पेश करती है. जहां बढ़ती बुजुर्ग आबादी में नए बाजारों और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की क्षमता है. वहीं, अगर सहायक ढांचे तालमेल बैठाने में विफल रहते हैं तो यह परिवारों और सामाजिक कल्याण प्रणाली पर भारी बोझ भी बन सकती है.

**बातचीत :** पाकिस्तान ने किया परमाणु परीक्षण तो क्या करेगा भारत, राजनाथ सिंह ने दे दिया जवाब

## अगर पड़ोसी ऐसा करता है, तो करने दें, हम हर स्थिति के लिए तैयार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही परमाणु परीक्षण को लेकर चौंकाने वाला दावा किया. उन्होंने चीन, रूस के साथ-साथ पाकिस्तान का भी जिक्र किया. जैसे ही ट्रंप ने न्यूक्लियर टेस्ट को लेकर कमेंट किया, दुनियाभर में इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी रविवार को इस पर दो टूक कमेंट किया. उन्होंने कहा कि भारत किसी भी स्थिति के लिए तैयार है.

उन्होंने यह बात तब कही जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे के बाद चिंताएं फिर से बढ़ गईं कि पाकिस्तान गुप्त रूप से परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहा है. एक खास बातचीत में राजनाथ सिंह ने ट्रंप के हालिया बयानों पर रिएक्ट किया. जब उनसे पाकिस्तान में कथित परमाणु विकास के बारे में पूछा गया, तो दिग्गज बीजेपी नेता ने कहा कि भारत ऐसी खबरों से घबराता नहीं है. राजनाथ सिंह ने कहा कि जो परीक्षण करना चाहते हैं, उन्हें करने दें. हम उन्हें कैसे रोक सकते हैं? हालांकि, उन्होंने भारत के संबंध में दो टूक कहा कि जो भी हो, हम किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं.

जब राजनाथ सिंह से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान न्यूक्लियर टेस्ट करता है तो भारत भी ऐसा ही करेगा. रक्षा मंत्री ने जवाब में कहा कि पहले देखते हैं कि वे ऐसा करते हैं या नहीं. राजनाथ सिंह का यह कमेंट राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका 30 से अधिक वर्षों के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करेगा. उन्होंने इसका कारण अन्य देशों की ओर से हाल ही में किए गए परीक्षणों को बताया.

### ट्रंप के दावे से कई देशों में तेज हुआ घमासान

ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिका को अकेले परीक्षण से नहीं रुकना चाहिए, वो भी ऐसे वक्त में जब दूसरे देश भूमिगत परीक्षण जारी रखे हुए हैं. ट्रंप ने विशेष रूप से पाकिस्तान का उदाहरण दिया. आरोप लगाया कि इस्लामाबाद परमाणु परीक्षण कर रहा है. इससे पहले, भारतीय विदेश मंत्रालय ने यूएस राष्ट्रपति के बयान पर संज्ञान लेते हुए कहा था कि पाकिस्तान का परमाणु रिकॉर्ड गुप्त और अवैध है.

### विदेश मंत्रालय ने पूरे मामले पर यूं किया था रिएक्ट

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गुप्त और अवैध परमाणु गतिविधियां पाकिस्तानी इतिहास के अनुरूप हैं. वो दशकों की तस्करी, निर्यात नियंत्रण उल्लंघन, गुप्त साझेदारी, एक्यू खान नेटवर्क और आगे प्रसार पर केंद्रित है. वहीं, पाकिस्तान ने ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देश परमाणु परीक्षण पर एकतरफा रोक बनाए हुए है.

चीन से एमबीबीएस की पढ़ाई, भारत में 'रासायनिक जहर' से था तबाही का प्लान

## गुजरात एटीएस ने तीन संदिग्ध आतंकियों को किया गिरफ्तार

एजेंसियां। अहमदाबाद

गुजरात एटीएस ने भारत में बड़े आतंकी हमले को टालने का दावा किया है. एटीएस ने तीन संदिग्धों को दबोचा है. मुख्य आरोपी के पास से दो ग्लॉक पिस्तौल, एक बेरेटा पिस्तौल, 30 गोली व 4 लीटर अरंडी का तेल बरामद किया गया है. एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि सूचना मिली थी कि हैदराबाद का एक व्यक्ति सैयद अहमद मोहिउद्दीन आतंकी गतिविधियों में शामिल है और अहमदाबाद आने वाला है. उसे अडालज के पास टोल प्लाजा पर गिरफ्तार किया गया.

**रसायनिक जहर से तबाही का प्लान** जोशी ने बताया कि सैयद अहमद ने चीन से एमबीबीएस किया है. वह भारत ऐसी आतंकी गतिविधि को अंजाम देना चाहता था जिससे भारी नुकसान हो. वह कई विदेशियों के संपर्क में था. वह अबू खदीजा नाम की टेलीग्राम के संपर्क में था, जो कथित तौर पर आईएसकेपी (इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत) से जुड़ा था. उसने रिसिन रासायनिक जहर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की, जो अरंडी के बीजों के प्रसंस्करण से बचे अपशिष्ट से बनाया जा सकता है. वह हथियार की डिलीवरी लेने यहां आया था. यह डिलीवरी उसे कलोल से मिली थी. डीआईजी ने बताया कि यूपी के अन्य दोनों संदिग्ध बनासकांठा में थे. इनमें एक लखीमपुर दूसरा शामली का है. इनकी पहचान सुलेमान शेख और मो. सुहेल सलीम खान के तौर पर हुई है. दोनों ने दीनी शिक्षा प्राप्त की है और कट्टरपंथी हैं. जोशी ने बताया कि ये विदेशों में लोगों के संपर्क में हैं.

### घाटशिला में कल्पना सोरेन के रोड शो में उमड़ी भीड़, जगह-जगह लोगों ने किया जोरदार स्वागत

# कल्पना सोरेन बोलीं- सोमेश को जिताइए, यही रामदास सोरेन जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी

**शुभम संदेश। घाटशिला/रांची**

घाटशिला उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्टार प्रचारक सह विधायक कल्पना सोरेन ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन रविवार को पार्टी प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में जोरदार रोड शो किया. रोड शो के दौरान कल्पना सोरेन का जगह-जगह लोगों ने फूल-मालाओं से गर्मजोशी से स्वागत किया. सड़क किनारे खड़े समर्थक झामुमो के झंडे लहराते नजर आये. "झामुमो जिंदाबाद" के नारे गूंजते रहे. कल्पान के रोड शो से पूरा माहौल जोश और उत्साह से भर गया. मौके पर कल्पना सोरेन ने जनता से अपील की कि वे झारखंड की अस्मिता और विकास को बनाए रखने के लिए झामुमो उम्मीदवार सोमेश सोरेन को भारी मतों से विजयी बनाएं. उन्होंने कहा कि यह जीत स्वर्गीय रामदास सोरेन जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए अपना जीवन समर्पित किया था. रोड शो और जनसभा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, कार्यकर्ता और महिला समर्थक मौजूद रहे, जिन्होंने झामुमो के समर्थन में एकजुटता दिखाई.

## एक नजर

### रनिया में कांग्रेस के नव नियुक्त पदाधिकारियों को प्रमाणपत्र वितरित, संगठन सशक्त करने का लिया संकल्प

**रांची/खूंटी।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा संचालित संगठन सृजन अभियान के तहत रविवार को रनिया प्रखंड की डाहू और तांबा पंचायत में नवगठित पंचायत कमेटी के पदाधिकारियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा ने की, जबकि प्रखंड अध्यक्ष जोन कंडुलना विशेष रूप से उपस्थित रहे. इस दौरान जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पार्टी का पट्टा पहनाकर सम्मानित किया और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर बल दिया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियों, सिद्धांतों और जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना सभी कार्यकर्ताओं की पहली जिम्मेदारी है. मिश्रा ने दोनों पंचायतों के लोगों से जन समस्याओं को पार्टी तक पहुंचाने की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि स्थानीय समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा. नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने तथा क्षेत्र में पार्टी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया. कार्यक्रम में आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, अनमोल होरो, नुमा खान सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

### झारखंड स्थापना दिवस पर राज्य के उत्कृष्ट स्टार्टअप्स को सम्मानित किया जाए : रथिन भद्र

**रांची।** इंडियन स्टार्टअप एसोसिएशन द्वारा रांची के उपायुक्त को पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है कि झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के ऐसे उल्लेखनीय स्टार्टअप्स को सम्मानित किया जाए, जो अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन कर रहे हैं. पत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष रथिन भद्र ने बताया कि झारखंड राज्य कई नवाचारपूर्ण और संभावनाओं से भरे स्टार्टअप्स का घर रहा है, जो राज्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं.एसोसिएशन ने कहा है कि इन स्टार्टअप्स के योगदान को सम्मानित करना न केवल उनके प्रयासों की सराहना होगी, बल्कि यह राज्य के अन्य युवा उद्यमियों को भी प्रेरित करेगा.इंडियन स्टार्ट-अप एसोसिएशन ने उपायुक्त से यह भी अनुरोध किया है कि यदि अनुमति दी जाए, तो एसोसिएशन झारखंड के ऐसे उल्लेखनीय स्टार्टअप्स की विस्तृत जानकारी और अनुशंसाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है. रथिन भद्र ने कहा कि ऐसी पहल झारखंड के उभरते हुए उद्यमियों को प्रेरित करेगी और राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम को और भी सशक्त बनाएगी.

### कोटपा अधिनियम 2021 का उल्लंघन करने पर लगा 63 हजार रुपये का जुर्माना

**रांची।** सदर अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार के निर्देश पर बीती रात जिला प्रशासन द्वारा चुटिया थाना अंतर्गत कई बार एवं लॉन्ज में कोटपा अमेंडमेंट अधिनियम 2021 के तहत सघन छापेमारी की गई. स्टेशन रोड स्थित हूच्च बार एंड लॉउंज में अधिसूचना जारी होने के उपरांत भी धड़ल्ले से नियम को ताक पर रखते हुए लोगों को समूह में हुक्का, समूह में धूम्रपान एवं नर्सिंगल पदार्थ का सेवन करते पाया गया. बार में मौजूद उल्लंघन करताओं एवं संचालक पर कुल 63000 का जुर्माना लगाया गया. बार संचालक को हिदायत दी गई की भविष्य में इस तरह का कृत्य दोहराने पर नियम संगत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और उनके प्रतिष्ठान का लाइसेंस भी रद्द किया जाएगा. ज्ञात हो रांची जिला में सदर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा विशेष जांच टीम का गठन किया गया है, जो औचक निरीक्षण करते हुए ऐसे प्रतिष्ठान एवं लोगों पर कार्रवाई कर रही है.

### झारखंड कक्षपाल प्रतियोगिता परीक्षा की आवेदन प्रक्रिया स्थगित

**रांची।** झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने शनिवार को झारखंड कक्षपाल प्रतियोगिता परीक्षा-2025 का आवेदन स्थगित कर दिया है. आवेदन करने की तिथि 7 नवंबर से 8 दिसंबर तक तय की गयी थी. आयोग ने यह घोषणा की है कि अपरिहार्य कारणों से आवेदन प्रक्रिया को फिलहाल स्थगित किया जा रहा है. आवेदन करने की नई तिथि शीघ्र जारी की जाएगी. आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे आधिकारिक वेबसाइट व आयोग की अधिसूचनाओं पर नियमित नजर बनाए रखें, ताकि नई तिथि जारी होने पर तुरंत जानकारी मिल सके.

# बिहार की जनता बदलाव के मूड में, इस बार इंडिया गठबंधन की ही सरकार बनेगी : डॉ इरफान अंसारी

**सुबोध सिंह। साहिबगंज/रांची**

बिहार में चुनाव प्रचार कर लौटते वक्त झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी शनिवार की देर शाम लगभग 7:30 बजे अचानक साहिबगंज पहुंचे. मंत्री डॉ. अंसारी स्टेडियम के ऊपर स्थित करमपहाड़ पर संचालित ग्वाला रेस्टोरेंट पहुंचे, जहां उन्होंने जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना. करीब 20 मिनट तक रेस्टोरेंट में रुके मंत्री ने चाय की चुस्की के साथ स्थानीय मसलों पर चर्चा की. मंत्री इरफान बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार अभियान के लिए सीमावर्ती कटिहार जिले के मनिहारी और अन्य इलाकों में गए थे. रांची लौटते समय वे साहिबगंज होकर गुजरे और अपने पुराने मित्र सुनील यादव से मिलने का वादा निभाने के लिए ग्वाला रेस्टोरेंट पहुंच गए. मंत्री डॉ. अंसारी ने कहा कि बिहार में इस बार इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है, क्योंकि जनता बदलाव के मूड में है. उन्होंने बताया कि झारखंड के कई कांग्रेसी नेता बिहार के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार में जुटे हैं. गौरतलब है कि करीब दो माह पूर्व सुनील यादव ने ग्वाला रेस्टोरेंट का शुभारंभ किया था, जिसका सुंदर लोकेशन इन दिनों साहिबगंज और आसपास के इलाकों में चर्चा का विषय बना हुआ है. मंत्री ने रेस्टोरेंट की सराहना करते हुए कहा कि "यह जगह किसी हिल स्टेशन की वादियों से कम नहीं है, यहां आकर बहुत अच्छा लगा."

# घाटशिला में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन झामुमो, भाजपा, कांग्रेस, राजद ने झोंकी ताकत, सबने किया जीत का दावा

**शुभम संदेश। रांची**

घाटशिला विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपच 11 नवंबर को मतदान होना है. रविवार को चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में जहां झामुमो की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन ने रोड शो कर लोगों से समर्थना मांगा, वहीं भाजपा ने भी जोरदार जनसंपर्क अभियान चलाया. भाजपा नेताओं ने दावा किया इस उपचुनाव में इस बार भाजपा की जीत होगी. वहीं झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में झामुमो के अलावा महागंठबंधन के घटक दलों कांग्रेस, राजद ने भी जोरदार जनसंपर्क भियान चलाया और दावा किया कि सोमेश सोरेन की जाती सुनिश्चित है.

### 11 नवंबर तक ड्राई डे घोषित, शराब की बिक्री व वितरण पर पूर्ण पाबंदी

**जमशेदपुर/रांची।** पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने घाटशिला (अनुसूचित जनजाति) विधानसभा उपचुनाव को लेकर क्षेत्र में ड्राई डे लागू करने का आदेश जारी किया है. भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस सीट पर मतदान 11 नवंबर 2025 को होना है. जारी आदेश के मुताबिक, 9 नवंबर 2025 की शाम 5 बजे से लेकर 11 नवंबर 2025 की शाम 5 बजे तक घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में शराब की बिक्री, वितरण और आपूर्ति पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी. निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि इस अवधि के दौरान किसी भी होटल, दुकान, भोजनालय या सार्वजनिक एवं निजी स्थल पर शराब या अन्य मादक पदार्थों का विक्रय या परोसना दंडनीय अपराध होगा.

### भाजपा के स्टार प्रचारक घाटशिला से गायब रहे : झामुमो

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा पर तंज कसा है कि इस बार कई भाजपा के स्टार प्रचारक घाटशिला की चुनावी रैलियों में शामिल ही नहीं हुए. पार्टी के प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि उपचुनाव में हार का ठीकरा अपने ऊपर न फूटे, इसलिए भाजपा के स्टार प्रचारक घाटशिला नहीं पहुंचे. उन्होंने ओडिशा के मुख्यमंत्री का नाम लिए बगैर कहा कि एक दो-लोग दूसरे राज्यों से आये थे, जिन्हें उनके अपने राज्य में कोई नहीं जानता. कहा कि इस बार झामुमो उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन की जीत 2024 में झामुमो को मिली जीत से भी ज्यादा शानदार होगी. उन्होंने कहा कि 2025 में हम 2024 से दोगुने वोटों से जीतेंगे और यह हार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की होगी.

### भाजपा ने घाटशिला में हार मान ली है : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि घाटशिला में महागठबंधन के उम्मीदवार के रूप में झामुमो उम्मीदवार सोमेश सोरेन की जीत तय है. सिन्हा ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पार्टी के विधायक, मंत्री और कार्यकर्ता झामुमो उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने खुद को अलग कर लिया है, उससे साफ है कि भाजपा ने घाटशिला में हार मान ली है.₹ सिन्हा ने कहा कि घाटशिला की जनता समझ गई है कि जो अपनी जननी पार्टी का नहीं हुआ, वह किसी और का क्या होगा.

### भाजपा की जीत तय, हम तो सिर्फ मार्जिन बढ़ाने आये हैं : ढुल्लू महतो

भाजपा नेता सह धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने भी जनसंपर्क अभियान चलाया. कहा कि भाजपा प्रत्याशी की जीत निश्चित है. हमलोग सिर्फ जीत का मार्जिन बढ़ाने आएं हैं. उन्होंने कहा कि इस सरकार के कार्यकाल को जनता देख चुकी है. राज्य में कई बड़े-बड़े हादसे हुए, जिसमें आदिवासियों के साथ सबसे ज्यादा हादसा हुआ है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है.

### भाजपा जीतेगी, बाबूलाल मरांडी या चंपाई सोरेन नहीं : सीपी सिंह

घाटशिला उपचुनाव में असम के मुख्यमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री और अन्य प्रमुख नेताओं की चुनावी रैलियों में अनुपस्थिति पर झामुमो-कांग्रेस द्वारा किए जा रहे कटाक्षों पर भाजपा की ओर से जवाब दिया गया. भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कहा कि झारखंड में पहले से ही इतने स्टार प्रचारक हैं कि झामुमो-कांग्रेस के नेता उनसे डरते हैं. उन्होंने कहा कि यह सच है कि किसी भी चुनाव में उम्मीदवार नहीं, बल्कि पार्टी या संगठन हारता है. घाटशिला उपचुनाव भाजपा जीतेगी, बाबूलाल मरांडी या चंपाई सोरेन नहीं.

### सांसद बकवास कर रहे, जनता ने मन बना लिया है: कुणाल षाड़ंगी

जेएमएम ने भाजपा सांसद के बयान को निराधार बताया है. पूर्व विधायक सह जेएमएम के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि यह चुनाव एक परिवार लड़ रहा है. इस बार घाटशिला की जनता ने मन बना लिया है. मतदान के दिन सिर्फ औपचारिकता पूरी करनी है. वहीं विकास के मुद्दों पर षाड़ंगी ने कहा कि इस सरकार में बेहतर विकास हुआ है. महिलाएं स्वावलंबी हुई हैं और उन्हें सम्मान मिला है. लाखों लोगों का बिजली बिल माफ हुआ है. क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछा है. योजनाएं धरातल पर चल रही हैं.

## प्रदेश राजद ने झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में चलाया जनसंपर्क अभियान

**घाटशिला।** प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव के नेतृत्व में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन घाटशिला में महागठबंधन से जेएमएम प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में जोरदार जनसंपर्क अभियान चलाया गया. इस दौरान यादव के साथ कांके से कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा, राजद की प्रदेश उपाध्यक्ष शारदा देवी महासचिव, सुनीता चौधरी, सुरेश यादव सहित कई लोग थे. यादव ने लोगों से कहा कि घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ कोई एंटी इनकंबेंसी नहीं है. हेमंत के नेतृत्व में राज्य में जनप्रिय सरकार चल रही है. तत्कालीन शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाउनका द इंडिया गठबंधन का उम्मीदवार बेटा सोमेश सोरेन मजबूत उम्मीदवार है. उनके सामने भाजपा का डमी उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन है, इसलिए लड़ाई काफी कमजोर है. यादव ने कहा कि घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में जेएमएम प्रत्याशी सोमेश सोरेन की भारी मतों से एकतरफा जीत होगी.

# गैंगस्टर राहुल सिंह से पिता ने तोड़ा रिश्ता शपथ पत्र में कहा- अब बेटे से कोई संबंध नहीं

**शुभम संदेश। रांची/लातेहार**

चंदवा प्रखंड के निवासी 54 वर्षीय कलेश्वर सिंह ने अपने बेटे, कुख्यात गैंगस्टर राहुल सिंह से सार्वजनिक रूप से संबंध तोड़ लिए हैं. उन्होंने नोटरी के समक्ष शपथ पत्र देकर घोषणा की है कि अब उनके पुत्र राहुल सिंह का उनसे या उनकी किसी चल-अचल संपत्ति से कोई संबंध या अधिकार नहीं रहेगा. कलेश्वर सिंह ने स्पष्ट किया कि भविष्य में राहुल द्वारा किए जाने वाले किसी भी अपराध या विवाद के लिए उनका परिवार जिम्मेदार नहीं होगा. कलेश्वर सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी का नाम आरमी देवी है. उनके कुल चार संतान हैं, दो बेटे और दो बेटियां. बड़ी बेटियां प्रतिमा देवी और होलिका देवी की शादी हो चुकी है और वे अपने-अपने परिवारों के साथ सुखी जीवन व्यतीत कर रही हैं. छोटा बेटा मनोहर सिंह मजदूरी कर परिवार के भरण-पोषण में मदद करता है.उन्होंने बताया कि उनका बड़ा बेटा राहुल सिंह करीब दो वर्ष पहले परिवार से विवाद के बाद घर छोड़कर चला गया था. परिवार के सदस्यों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चला. बाद में चंदवा थाना से जानकारी मिली कि राहुल असामाजिक तत्वों के संपर्क में आकर आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया है और अब एक कुख्यात गैंगस्टर के रूप में पुलिस की नजर में है.

राहुल के आपराधिक रास्ते पर जाने की खबर से परिवार बेहद आहत हुआ. इसके बाद कलेश्वर सिंह ने समाज और कानून के सामने स्पष्ट घोषणा करते हुए कहा कि अब वे राहुल को अपना बेटा नहीं मानते. उन्होंने कहा कि परिवार और समाज में किसी तरह की गलतफहमी न रहे, इसलिए उन्होंने यह शपथ पत्र जारी किया है, जिससे भविष्य में कोई विवाद या दावा उत्पन्न न हो सके.

### राज्य स्थापना दिवस से पहले रांची में ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव

# 11 नवंबर को 'रन फॉर झारखंड' का आयोजन

**शुभम संदेश। रांची**

झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह 2025 के मद्देनजर राजधानी रांची में ट्रैफिक व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किए गए हैं. ट्रैफिक एसपी कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, 11 नवंबर की सुबह 6:30 बजे "रन फॉर झारखंड" कार्यक्रम का आयोजन मोरहाबादी स्टेडियम से सैनिक मार्केट तक किया जाएगा. इस दौरान यातायात को नियंत्रित रखने के लिए कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों के प्रवेश और परिचालन पर प्रतिबंध रहेगा.

प्रतिबंधित क्षेत्रों में मोरहाबादी स्टेडियम परिसर, वरीय पुलिस अधीक्षक आवास मार्ग, रेडियम चौक, शहीद चौक, फिरायालाल चौक, सरजना चौक, काली मंदिर, उल हाउस, रतन पीपी और सुजाता चौक शामिल हैं. इन क्षेत्रों में छोटे-बड़े मालवाहक वाहनों, ऑटो, टोटो और चारपहिया वाहनों की आवाजाही 11 नवंबर की सुबह 4:30 बजे से लेकर कार्यक्रम समाप्ति तक पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी.

ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर अन्य मार्गों को भी कुछ समय के लिए डायवर्ट या अस्थायी रूप से बंद किया जा सकता है. विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन प्रतिबंधित मार्गों से बचें और वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा या जाम की स्थिति उत्पन्न न हो. "रन फॉर झारखंड" कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं.

### झारखंड में 15 नवंबर से शुरू होगा घर-घर हाउसहोल्ड सर्वे

# ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर स्कूल से जोड़ा जाएगा

**रांची।** झारखंड सरकार राज्य स्थापना दिवस से शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है. 15 नवंबर से शिक्षा विभाग के कर्मचारी और शिक्षक पूरे राज्य में घर-घर जाकर बच्चों की पढ़ाई की स्थिति का सर्वेक्षण करेंगे. इस हाउसहोल्ड सर्वे का मकसद उन बच्चों की पहचान करना है, जो स्कूल नहीं जा रहे हैं या बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं.सर्वे की प्रक्रिया 10 जनवरी 2026 तक चलेगी, और हर जिले में स्कूलवार डेटा तैयार किया जाएगा ताकि अगले सत्र में किसी भी बच्चे को स्कूल से बाहर न रखा जा सके. शिक्षकों के लिए एक मोबाइल ऐप भी तैयार किया गया है, जिससे फील्ड से तुरंत जानकारी अपलोड की जा सकेगी. शिक्षकों को अपने निर्धारित क्षेत्रों में जाकर प्रत्येक घर की स्थिति दर्ज करनी होगी. स्थानीय पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्कूल प्रबंधन समितियों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है. सर्वे से मिले आंकड़ों के आधार पर बच्चों का तुरंत पुनः नामांकन शुरू किया जाएगा. पिछले साल हुए सर्वे में झारखंड में करीब 59 हजार बच्चे स्कूल से बाहर पाए गए थे. इस बार शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि किसी भी गांव या वार्ड में ड्रॉपआउट बच्चों की संख्या शून्य हो.

**डेटा मॉनिटरिंग होगी सख्त :** सर्वे रिपोर्ट सीधे राज्य स्तर के पोर्टल पर भेजी जाएगी, जहां रोजाना अपडेट की निगरानी की जाएगी. प्रधानाध्यापकों को अपने क्षेत्र का डेटा समय पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं.

**सम्मेलन** झारखंड पंचायत सहायक संघ का प्रथम राज्य सम्मेलन संपन्न, 11 सूत्री मांगों पर सरकार को दी चेतावनी

# पंचायत सहायकों को न्यूनतम 20 हजार रुपए मानदेय देने के साथ स्थायी समायोजन की मांग रखी

**शुभम संदेश। रांची**

**रांची में हुए सम्मेलन में महासंघ से संबद्धता की घोषणा, 15 दिसंबर तक मांगें पूरी न हुई तो होगा आंदोलन**

झारखंड राज्य पंचायत सहायक संघ का पहला राज्य स्तरीय सम्मेलन रांची के छगन लाल धर्मशाला में संपन्न हुआ. इस सम्मेलन में संघ ने झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ से संबद्धता प्राप्त की. राज्य में वर्तमान में पंचायत सहायकों की स्वीकृत कार्यरत संख्या 17,300 बताई गई.महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायत सहायकों को आज तक नियमित मानदेय नहीं मिल रहा है, बल्कि उन्हें केवल ₹2,500 प्रोत्साहन भत्ता दिया जाता है. उन्होंने कहा कि विगत दस वर्षों से कार्यरत इस संवर्ग को न्यूनतम ₹20,000 मासिक मानदेय देने के साथ स्थायी समायोजन किया जाए.

महामंत्री साह ने यह भी कहा कि पंचायत सहायकों के सेवा विस्तार के लिए प्रतिवर्ष ग्राम सभा से अनुमोदन की प्रक्रिया अनुचित है. इसे अविलंब रद्द किया जाना चाहिए. उन्होंने मांग की कि पंचायत सहायकों से पूर्व स्वीकृत कैबिनेट मार्गदर्शिका के अनुरूप कार्य लिया जाए, उन्हें राज्यकर्मियों जैसी सभी सुविधाएं और स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जाए.

**8 घंटे से अधिक कार्य कराया जाता है, गणना 4 घंटे की होती है :** सभा में यह भी उठाया गया कि पंचायत सहायकों से 8 घंटे से अधिक कार्य कराया जाता है, जबकि उनकी कार्य गणना केवल 4 घंटे मानी जाती है. संघ ने सभी को 8 घंटे की सेवा की गारंटी, स्थानीय निवासियों की नियुक्ति, महिला कर्मचारियों को विशेष अवकाश और सभी सहायकों को नियमित अवकाश की सुविधा की मांग की.

### मंत्री व मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का निर्णय

सभा में यह निर्णय लिया गया कि यदि 15 दिसंबर तक सभी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो 16 दिसंबर को ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के आवास के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा..वहीं, यदि तब भी मांगें नहीं मानी गईं, तो 26 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास का घेराव किया जाएगा. सभा का संचालन कोषाध्यक्ष बालदेव करमाली ने किया.

**11 सूत्री मांगों को लेकर नई राज्य कमेटी का गठन :** सम्मेलन में 11 सूत्री मांगों को लेकर नई राज्य कमेटी का गठन सर्वसम्मति से किया गया. नई कमेटी में मुख्य संरक्षक सुनील कुमार साह, राज्यध्यक्ष मिथुन कुमार यादव, उपाध्यक्ष अजय बास्के, दीपक कुमार सिंह, महासचिव अकबर खान, मुख्यालय सचिव कार्तिक महतो, राज्य सचिव टीपू सुल्तान, दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष बालदेव करमाली,कार्यालय सचिव राम जीवन साहू, संगठन सचिव राम निवास तिवारी, प्रचार सचिव विनोद कुमार, संगठन सचिव पंकज पांडेय, अध्यक्ष संघर्ष कोष पर्षद देवेंद्र नाथ महतो, सचिव दिलीप कुमार, नौशीन समा, कोषाध्यक्ष संतोष सिंह, उपाध्यक्ष गजेंद्र कुमार, अशोक कुमार, रीना करमाली, अनिल ठाकुर को चुना गया. चौबीस जिलों से राज्य कमेटी के पदाधिकारियों को चयनित किया गया है.

# शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 10 नवंबर 2025 I मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 05/06, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 210 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

देश-विदेश

शुभम संदेश

डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में होगी ऐतिहासिक मुलाकात

# होशियार! देसी और थाई मांगुर को मिक्स कर बेच रहे तस्कर

कैंसर के कारोबारी

- थाई मांगुर को छोटे साइज में देसी बताकर खुले बाजार में हो रही बिक्री
- दोनों प्रजाति की मछलियों को मिक्स कर ट्रक से ले जाते हैं तस्कर
- जांच में पकड़ पाना होता है मुश्किल पुलिस को नहीं देनी पड़ती है सलामी

रिजवान शम्स

**धनबाद (शुभम संदेश)।** पूरे देश में प्रतिबंधित मांगुर मछली की तस्करी के खिलाफ शुभम संदेश की मुहिम जारी है. अब तक हमने इस अवैध और जानलेवा कारोबार की कई परतों को खोला है. इस काले कारोबार के साम्राज्य के कई पहलुओं को उजागर किया है. कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को बांटने वाली इस खतरनाक मछली के कारोबारियों को बेनकाब किया है. इस कारोबार को उधेड़ती एक और सनसनीखेज रिर्पोट पेश है, तो फिर चलिए.

वैसे तो हर दिन धनबाद एनएच से कम से कम 60 मांगुर मछली लदे ट्रक बंगाल से निकल कर झारखंड, बिहार और यूपी को जाते हैं. यह आंकड़ा विशुद्ध रूप से बड़ी थाई मांगुर मछलियों का है, जिन्हें तस्कर कानून के रखवालों की जेब गर्म कर एनएच पर सीना तानकर दनदनाते हुए लेकर गुजरते हैं. लेकिन एक गिरोह ऐसा भी है जो काम थोड़ा अलग तरीके से करता है. इस गिरोह में शामिल शातिर चकमाबाज होते हैं, जो पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर अपने मछली ट्रकों को यहां से लेकर उड़ जाते हैं. इस खेल में देशी मांगुर और थाई मांगुर, जो छोटे साइज के होते हैं, इन्हें मिक्स कर दिया जाता है और फिर इन्हें खुले बाजारों में बेच दिया जाता है. जानकारों की मानें तो ऐसा करने से उम्र और साइज के कारण देशी और थाई मांगुर में फर्क करना मुश्किल होता है. इसी बात का फायदा यह तस्कर उठाते हैं. इस बात को ऐसे समझते हैं कि देशी मांगुर मछली की कीमत 300-400 प्रति किलो है, जबकि थाई मांगुर इससे काफी सस्ता है, बंगाल में 100 रुपये किलो तक मिल जाता है.

अब दोनों प्रजातियों को मिलाकर बेचा जाता है. इसका लाभ यह होता है कि कानून के रखवालों को तस्करी के एवज में दी जाने वाली मोटी सलामी नहीं देनी पड़ती और बाजार में आसानी से देशी मांगुर बता उसी कीमत पर बेचकर मुनाफा कमाया जाता है. इसके लिए मेहनत और चालाकी यह करनी पड़ती है कि थाई मांगुर को छोटे साइज में ही बेच देना पड़ता है. क्योंकि छोटे साइज होने के कारण इनमें फर्क करना थोड़ा मुश्किल होता है.

## झारखंड-बंगाल के तस्कर

किस्त-09

इस खेल में झारखंड और बंगाल के तस्करों की एक पूरी टीम भी है, जो मिलकर सीमावर्ती राज्यों में थाई मांगुर मछलियों की तस्करी कर रही है. इस टीम में सुनील, विक्की, विपुल, शेरू, महेंद्र सहानी, विनोद महतो, राजू महतो जैसे कई नाम हैं.

## सिर्फ बंगाल में 90 प्रतिशत थाई मांगुर की पैदावार

पूरे देश में मछली की पैदावार में पश्चिम बंगाल टॉप थ्री की सूची में शामिल है. यहां का पर्यावरण और नदियों की बहुतता इस कारोबार के लिए काफी मुफीद साबित होती है. गंगा की मुख्य शाखा हुगली, दामोदर, मयूराक्षी, स्वर्णरेखा, महानंदा समेत करीब एक दर्जन से अधिक बड़ी नदियां और लगभग एक सौ छोटी नदियां बंगाल से होकर गुजरती हैं. इस का सीधा लाभ मछली पालकों को मिलता है. यहां की मछलियां पूरे देश भर बेची जाती हैं. यही बातें मांगुर मछली के अवैध कारोबारियों के लिए भी सबसे अहम हो जाती हैं. तभी बंगाल में थाई मांगुर का पालन और इन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाना भी आसान हो जाता है. परिवहन से लेकर पालन तक सब आसान हो जाता है. चार राज्यों में थाई मांगुर की आपूर्ति सिर्फ बंगाल पर ही निर्भर है, तस्करी का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा बंगाल से ही उपलब्ध हो जाता है. जबकि झारखंड के कई अन्य इलाकों में भी चोरी-छिपे थाई मांगुर का पालन किया जा रहा है.

## यह हैं बंगाल के प्रमुख तस्कर

**मालदा का गिरोह :** मालदा का गिरोह बांग्लादेश के रास्ते थाई मांगुर और इसके बीज को मंगवाता है और फिर पालन के अलावा सप्लाई का भी काम करता है. बंगाल पुलिस ने इस गिरोह के खिलाफ कई बार कार्रवाई भी है, बावजूद इस गिरोह का धंधा जारी है. इनकी भी मछली झारखंड के सीमावर्ती इलाके आसनसोल और मैथन तक आने की बात कही जा रही है.

**राहुल दास एंड ग्रुप :** यह ग्रुप कोलकाता, हावड़ा और आसपास के शहरी क्षेत्रों में तस्करी करता है. हावड़ा फिश मार्केट में इस गिरोह को पकड़ा गया. यह गिरोह न सिर्फ बड़ी थाई मांगुर बल्कि इनके बीजों की भी खरीदफरोख्त करता है.

**अमित एंड ग्रुप :** दक्षिण 24 परगना में अमित कुमार सिंह और इसके गिरोह का कब्जा है. यह गिरोह स्थानीय तालाबों में बड़े पैमाने पर मछलियों का पालन करता है. बंगाल पुलिस ने इसके नेटवर्क को एक दर्जन से अधिक लोगों को दबोच कर जेल भी भेजा है. बावजूद यहां पालन जारी है.

# 50 लाख रुपये के गबन केस में नया मोड़

## पूर्व विधायक अंबा प्रसाद को क्लीन चिट देने वाले अफसरों पर भी चलेगा केस

शुभम संदेश। हजारीबाग

कर्णपुरा कॉलेज, बड़कागांव में 50 लाख रुपये के गबन के मामले में अब बड़ा ट्विस्ट आया है. इस केस में पूर्व विधायक अंबा प्रसाद समेत अन्य आरोपितों को क्लीन चिट देने वाले तत्कालीन अनुसंधानकर्ता दारोगा अमित कुमार और तत्कालीन पर्यवेक्षण पदाधिकारी एसडीपीओ कुलदीप कुमार के खिलाफ भी अब मुकदमा चलेगा. दरअसल, इन दोनों पुलिस अधिकारियों ने आरोपितों को निर्दोष करार देते हुए केस को सत्य सूत्रहीन (एफआरटी नो क्लू) बताकर कोर्ट में अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी. लेकिन शिकायतकर्ता ने इस रिपोर्ट को चुनौती देते हुए हजारीबाग के सीजेएम कोर्ट में प्रोटेस्ट पिटिशन दायर किया.

अधिवक्ता अनिरुद्ध कुमार और पवन कुमार यादव की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने इस शिकायत को स्वीकार कर लिया है. इसके साथ ही अब दोनों तत्कालीन पुलिस अधिकारियों की

भूमिका की भी जांच होगी और उनके विरुद्ध मुकदमा चलेगा.

**मामला क्या है :** शिकायतकर्ता राम सेवक, जो बड़कागांव स्थित प्रोफेसर कॉलोनी के निवासी हैं, ने 2021 में सीजेएम कोर्ट में शिकायतवाद संख्या 835/21 दाखिल किया था. कोर्ट के आदेश के बाद बड़कागांव थाने में कांड संख्या 113/21 दर्ज हुआ. शिकायतकर्ता कर्णपुरा कॉलेज, बड़कागांव के संस्थापक और दानदाता हैं. उन्होंने 1989 में इस कॉलेज की स्थापना एक गैर-सहायताप्राप्त डिग्री कॉलेज के रूप में की थी और जून 1988 से लेकर 30 अप्रैल 2020 तक इसके प्राचार्य रहे. बाद में, 2009 में यह कॉलेज विनोबा भावे विश्वविद्यालय से संबद्ध हो गया.

**विवाद की जड़ :** 22 फरवरी 2021 को कर्णपुरा कॉलेज के तथाकथित "शासी निकाय" की बैठक हुई थी, जिसकी अध्यक्षता तत्कालीन विधायक अंबा प्रसाद ने की थी. शिकायतकर्ता का कहना है कि उस समय कोई वैध शासी निकाय अस्तित्व में ही नहीं था, इसलिए यह बैठक और इसमें लिए गए सभी निर्णय अवैध थे. राम सेवक का आरोप है कि पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अन्य आरोपितों के साथ मिलकर कॉलेज की निधियों में से भारी गबन किया और इसके लिए आपराधिक साजिश रची.

**जांच पर सवाल :** इस मामले की जांच के दौरान तत्कालीन एसडीपीओ कुलदीप कुमार ने अनुसंधानकर्ता को 28 बिंदुओं पर जांच करने का निर्देश दिया था. अनुसंधानकर्ता ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति और कॉलेज के नव-नियुक्त प्राचार्य से पत्राचार किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. इसके बावजूद उन्होंने बिना गवाहों के बयान और बिना गहन जांच किए साक्ष्य के अभाव का हवाला देकर कोर्ट में अंतिम रिपोर्ट जमा कर दी.

### किन-किन पर लगे हैं आरोप

इस मामले में निम्नलिखित लोगों पर गबन और साजिश का आरोप है :

- बड़कागांव की तत्कालीन विधायक अंबा प्रसाद
- विनोबा भावे विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति डा. मुकुल नारायण देव
- तत्कालीन रजिस्ट्रार डा. वंशीधर प्रसाद रुखैयार
- रसायन विभाग के प्रोफेसर डा. इंद्रजीत कुमार
- कर्णपुरा कॉलेज के कीर्तिनाथ महतो
- कॉलेज के सचिव टुकेश्वर प्रसाद
- इतिहास विभाग के प्रोफेसर सुरेश महतो
- ज्योति जलधर
- विवि के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डा. कौशलेंद्र कुमार
- हजारीबाग के तत्कालीन जिला आपूर्ति पदाधिकारी अरविंद कुमार
- भोगेश्वर महतो
- बड़कागांव के तत्कालीन एसडीपीओ कुलदीप कुमार
- बड़कागांव थाने के तत्कालीन दारोगा अमित कुमार
- और अन्य अज्ञात व्यक्ति.

अब कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले में उन पुलिस अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होगी जिन्होंने पहले आरोपितों को क्लीन चिट दी थी.

# अब जनता ही तय करेगी झारखंड की दशा और दिशा: जयराम महतो

शुभम संदेश। जमशेदपुर

जेएलकेएम सुप्रीमो और विधायक जयराम महतो ने रविवार को गुड़ाबांदा में जनसंपर्क अभियान चला कर घाटशिला उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी रामदास मुर्मू के समर्थन में वोट देने की अपील की. उन्होंने नुक्कड़ सभाओं में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड आंदोलन में हर परिवार का बलिदान शामिल है, लेकिन झारखंड की राजनीति कुछ परिवारों के हाथों में सिमटकर रह गई है.

जयराम ने कहा कि झारखंड की माटी ने शहीदों का खून देखा है, इसलिए अब समय आ गया है कि झारखंडियों को उनका अधिकार और सम्मान मिले. उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों को झारखंड में नौकरियां और यूपी-बिहार के लोगों को ठेकेदारी मिल रही है, जबकि झारखंड के युवा मामूली नौकरियों के लिए दूसरे राज्यों में भटक रहे हैं. महतो ने कटाक्ष करते हुए कहा, हमने झारखंड झाल बजाने के लिए नहीं लिया, बल्कि झारखंडियों के अधिकार की लड़ाई लड़ने के लिए लिया है.

उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे स्वच्छ, ईमानदार और काम करने वाले युवा प्रतिनिधि को चुनें ताकि सदन में झारखंड की असली आवाज गूंज सके. अपने बेबाक अंदाज में जयराम महतो ने कहा, अब वह दौर खत्म हो चुका है जब राजमाता पुत्र को राजा घोषित करती थी और जनता ताली बजाती थी. आज जनता राजा है, और वोट उसका सबसे बड़ा हथियार है.उन्होंने कहा कि जब वे सदन में जनता की समस्याएं उठाते हैं तो दो-दो मंत्रियों को जवाब देने में पसीना आ जाता है-यही लोकतंत्र की ताकत है.इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो, निखिल, तापस सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे. लोगों ने जयराम महतो के विचारों का समर्थन करते हुए जेएलकेएम प्रत्याशी रामदास मुर्मू के पक्ष में मतदान का संकल्प लिया.

# बाइक सवार युवक ने युवती को मारी गोली, हालत गंभीर

**रांची।** राजधानी रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र के एडचोरो स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास शनिवार रात अपराधियों ने एक स्कूटी सवार युवती को पीठ में गोली मार दी. गोली लगने के बाद पतराचौली निवासी मनीषा तिर्की सड़क पर गिर गई. वह गंभीर रूप से घायल हो गई. मनीषा कटहल मोड़ स्थित एक दवा दुकान में काम करती है. मनीषा के भाई बबलू तिर्की ने बताया कि वह ड्यूटी खत्म कर अपनी एक सहेली के साथ स्कूटी से वापस घर लौट रही थी. सहेली को लादा चौक के पास उतारने के बाद एडचोरो से अपने घर की ओर आगे बढ़ी. तभी पीछे से बाइक पर सवार एक युवक पहुंचा और उसे गोली मारकर फरार हो गया. भाई ने यह भी बताया कि कुछ दिन पहले ही मनीषा का लोधमा स्थित बरटोला गांव में शादी सेट हुई थी. परिवार वाले आज ही मेहमानी गए थे. वहां से वापस लौटा तो मनीषा को गोली मारे जाने की जानकारी मिली. फिलहाल मनीषा को गंभीर हालत में रिम्स में भर्ती कराया गया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने रविवार को बताया कि शनिवार रात में फायरिंग की घटना में एक युवती को गोली मारी गई है. घटना को तीन बाइक सवार अपराधियों ने अंजाम दिया है. पूरे मामले की जांच की जा रही है.

# रांची में बंगाली डॉक्टर की गला रेत कर हत्या, एक हिरासत में

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र के मतवे गांव में शनिवार देर रात एक ग्रामीण चिकित्सक की हत्या का मामला प्रकाश में आया है. गांव में लंबे समय से लोगों का इलाज कर रहे एक ग्रामीण चिकित्सक (बंगाली डॉक्टर) सपन दास की गला रेतकर हत्या कर दी गई. इस घटना को दो अज्ञात लोगों ने अंजाम दिया और वारदात के बाद मौके से फरार हो गए. बुढ़मू थाना प्रभारी नवीन ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई. बताया जा रहा है कि मृतक बंगाली डॉक्टर गांव में कई वर्षों से चिकित्सकीय सेवा दे रहा था और उसकी किसी से कोई पुरानी दुश्मनी नहीं थी. वह रोज की तरह अपने क्लिनिक से लौट रहा था, तभी रास्ते में हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया. आसपास के लोगों ने जब शोर सुना तो मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक डॉक्टर की मौत हो चुकी थी.

**पुलिस ने एक आरोपित को किया गिरफ्तार :** सूचना मिलते ही रविवार को बुढ़मू थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को हिरासत में लिया है.

# झारखंड में ठंड का कहर शुरू, तेजी से पारा गिरने की संभावना, रहें सतर्क

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में ठंड का कहर शुरू हो गया है. बीते दो दिनों से राजधानी सहित राज्य भर के मौसम में बदलाव महसूस किया जा रहा है. ठंड बढ़ने के कारण अब अलाव की भी व्यवस्था करनी पड़ रही है. इसी बीच मौसम विभाग की ताजा अपडेट के अनुसार झारखंड में तापमान और गिरने वाला है.

मौसम विज्ञान केंद्र रांची के द्वारा जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि राज्य में 10 से 14 नवंबर तक सुबह में कोहरा या धुंध और बाद में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा. इस दौरान राज्य में अगले तीन दिनों तक यानी 9, 10 और 11 नवंबर तक न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी. इसके बाद अगले दो दिनों तक यानी 12 और 13 नवंबर तक तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है.

**तापमान गिरने से बढ़ेगी ठंड :** मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि तापमान गिरने से ठंड का असर बढ़ने लगेगा. इस वर्ष अधिक वर्षापात होने के कारण पर्यावरण में पर्याप्त नमी मौजूद है और ठंड बढ़ने से इसका सीधा असर सेहत पर भी पड़ेगा.

# पहले हथौड़े से वार, फिर चाकू से काट कर उतारा मौत के घाट

**बोकारो।** बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के नया बस्ती गांव में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई जहां एक घरेलू झगड़े ने ऐसा रूप लिया कि एक सनकी पति ने अपनी ही पत्नी की बेरहमी से जान ले ली. मृतक की पहचान झालो देवी के रुप में हुई है. आरोपी रूपेश यादव ने गुस्से में पहले झालो देवी पर हथौड़े से वार किया और फिर चाकू से हमला कर मौत के घाट उतार दिया. घटना उस समय हुई जब उनके बच्चे भी घर में मौजूद थे. अपने सामने हुए इस खौफनाक मंजर को देखकर तीनों बच्चे सदमे में हैं. स्थानीय लोगों माने तो दंपती के बीच अक्सर विवाद होता रहता था. बीती रात झगड़ा किस बात पर हुआ, यह साफ नहीं हो पाया है. ग्रामीणों ने बताया कि रुपेश को गुस्सा आने पर वह अपना आपा खो देता था और किसी की नहीं सुनता था. पुलिस के अनुसार, वह पहले भी अपनी पत्नी पर हमला कर चुका था, लेकिन पंचायत स्तर पर मामला शांत करा दिया गया था.

**ग्रामीणों ने आरोपी को रस्सी से बांधकर किया काबू :** घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया. पत्नी की हत्या के बाद आरोपी बेकाबू हो गया था. लोगों ने उसे काबू में करने के लिए रस्सी से हाथ-पैर बांध दिए थे.

# पलामू में बच्ची का शव कुएं से बरामद, हत्या की आशंका

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के कोसिआरा गांव में दो दिन से लापता 10 वर्षीय बच्ची ऋतु कुमारी का शव एक कुएं से बरामद किया गया है. बच्ची राम विनय चौरसिया की पुत्री थी. परिजनों के अनुसार, ऋतु कुमारी शुक्रवार शाम से अपने घर से लापता थी. वह अपनी बहन के लिए खेत पर खाना लेकर गई थी, जिसके बाद वह घर नहीं लौटी. परिजनों ने उसकी तलाश की थी और चैनपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी. खोजबीन के क्रम में बच्ची का शव कुएं में देखा गया.

इस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने पुलिस प्रशासन को सूचित किया,

जिसके बाद पुलिस की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया. प्रथम दृष्टया, पुलिस इसे आपराधिक तत्वों द्वारा हत्या कर शव को कुएं में फेंकने का मामला मान रही है.

विधायक आलोक चौरसिया ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की है. उन्होंने दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाने की बात कही. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. इस जघन्य अपराध से पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

### पाकुड़ : आरपीएफ और सीआईबी की बड़ी कार्रवाई

# चोरी के सिग्नल केबल के साथ 5 गिरफ्तार

शुभम संदेश। पाकुड़

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और केंद्रीय खुफिया शाखा (सीआईबी) की बर्दवान संयुक्त टीम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकुड़ रेलवे स्टेशन क्षेत्र से चोरी किए गए रेलवे सिग्नल कॉपर केबल के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों में चार मजदूर और एक कबाड़ी शामिल है. मजदूरों में पश्चिम बंगाल के बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिले के निवासी अलोक लेट, दिव्येंदु लेट, देवेन्द्र लेट और मनोज दास शामिल हैं. वहीं, कबाड़ी की पहचान पाकुड़ के कालिकापुर निवासी अब्दुल शेख के रूप में हुई है.

टीम को सूचना मिली थी कि

सिग्नलिंग कार्य में लगे कुछ मजदूर रेलवे के सिग्नल केबल चोरी कर कबाड़ी को बेचते हैं. सूचना के बाद आरपीएफ और सीआईबी की टीम ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास निगरानी शुरू की. इसी दौरान संदिग्ध गतिविधि करते चार मजदूरों को मौके पर पकड़ लिया गया. पकड़े गए मजदूरों ने पूछताछ में चोरी की बात स्वीकार की और बताया कि वे केबल काटकर कबाड़ी अब्दुल शेख को तीन सौ रुपये प्रति किलो की दर से बेचते थे. मौके से दो टुकड़े काले प्लास्टिक इंसुलेशन वाले कॉपर केबल, एक टुकड़ा सफेद इंसुलेशन वाला केबल और कई प्लास्टिक इंसुलेशन के टुकड़े बरामद किए गए. मजदूरों की निशानदेही पर टीम ने बाद में कबाड़ी अब्दुल शेख के कालिकापुर स्थित दुकान पर छापा मारा, जहां से लगभग आठ किलो जला हुआ तांबे का तार बरामद हुआ. पूछताछ में कबाड़ी ने भी चोरी के केबल खरीदने की बात स्वीकार की. सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर आरपीएफ पोस्ट पाकुड़ लाया गया और रेलवे संपत्ति अनाधिकृत कब्जा अधिनियम की धारा 3(ए) तथा रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत मामला दर्ज किया गया है. जांच एसआई संतोष कुमार को सौंपी गई है. आरपीएफ ने बताया कि पूरी कार्रवाई का वीडियो रिकॉर्ड रखा गया है और साक्ष्य सुरक्षित किए गए हैं.

# विनोबा भावे विश्वविद्यालय में प्रेम प्रसंग ने मचाई सनसनी

- 4 साल का प्यार, 4 महीने पहले ब्रेकअप, कैंपस में सिंदूर और तालाब में छलांग

**हजारीबाग।** विनोबा भावे विश्वविद्यालय कैंपस से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने न सिर्फ़ परिसर बल्कि पूरे शहर में चर्चा का बाज़ार गर्म कर दिया है. रांची निवासी एक युवक और विश्वविद्यालय की एक छात्रा के बीच पिछले चार सालों से प्रेम संबंध था, लेकिन चार महीने पहले दोनों के बीच ब्रेकअप हो गया था. कहते हैं, दिल तोड़ना आसान होता है लेकिन भुलाना मुश्किल. शायद यही वजह थी कि युवक शनिवार को हजारीबाग पहुंच गया. कैंपस में अचानक उसने छात्रा को रोका और ज़बरदस्ती उसकी मांग में सिंदूर भर दिया.

इस हरकत से नाराज़ छात्रा ने आवेश में आकर वहीं स्थित तालाब में छलांग लगा दी. लड़का भी पीछे-पीछे तालाब में कूद गया. हालांकि, दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन यह नज़ारा देख कर वहाँ मौजूद छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के होश उड़ गए. घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन और स्थानीय प्रशासन हरकत में आया, और लड़के को पुलिस ने हिरासत में लेकर थाने भेज दिया. फ़िलहाल, लड़की की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, जिसके कारण प्रशासन कानूनी कार्रवाई को लेकर इंतज़ार की मुद्रा में है. कैंपस में अब भी इस घटना को लेकर गहमागहमी का माहौल है. छात्रों और अभिभावकों में गुस्से की भावना है. लोगों का कहना है कि यह सिर्फ़ एक प्रेम प्रसंग नहीं, बल्कि शिक्षा के मंदिर का अपमान है.

### पूर्व विधायक संजीव सिंह ने भाई की हत्या मामले में अपना दर्द साझा किया

# नीरज सिंह हत्या मामले में नाम जुड़ने से हुई पीड़ा, सीबीआई जांच की मांग की

शुभम संदेश। धनबाद/रांची

पूर्व विधायक संजीव सिंह ने रविवार को लंबे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ते हुए अपने जीवन की सबसे बड़ी पीड़ा सार्वजनिक रूप से साझा की. उन्होंने कहा कि उनके जीवन का सबसे बड़ा दुख यह रहा कि उनके ही भाई, पूर्व डिप्टी मेयर और कांग्रेस नेता नीरज सिंह की हत्या के मामले में उनका नाम भी जुड़ गया. संजीव ने बताया कि दोनों भाई बचपन से अत्यंत करीब थे, साथ खेलते-कूदते बड़े हुए और इस दुखद घटना में उनके नाम का जुड़ना उनके लिए अप्रत्याशित और बेहद दर्दनाक था. संजीव सिंह ने इस मामले को अत्यंत दुखद और चिंताजनक बताया. उन्होंने कहा कि मैंने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी, ताकि सच्चाई सामने आ सके. उन्होंने यह भी बताया कि राजनीति में सक्रिय होने के बाद परिवार और परिचितों से दूरी बढ़ गई थी, जिसे अब धीरे-धीरे कम करने का प्रयास कर रहे हैं. इसके साथ ही उन्होंने पत्रकारों से दूरी भी खत्म करने की कोशिश की है. उन्होंने कहा कि वे 2017 में जेल गए थे और 2019 में अपनी पत्नी और झरिया की पूर्व विधायक रागिनी सिंह के माध्यम से लोगों तक संदेश भेजा कि जनता के बीच रहकर उनके विचार समझें और जनसेवा करें. संजीव ने रागिनी सिंह की सक्रियता की तारीफ करते हुए कहा कि उनका परिवार केवल चुनाव जीतने या लड़ने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक कार्यों और जनसेवा के माध्यम से लोगों की सेवा करना उनकी राजनीतिक परंपरा रही है.

#### परिवार में ऐसा आरोप लगना मुझे तोड़ गया

संजीव सिंह ने इस पीड़ादायक समय के बारे में कहा कि हत्या के आरोप के बाद परिवार के लिए यह समय अत्यंत कठिन रहा. हम पांच भाई और 13 बहनें हैं. परिवार में ऐसा आरोप लगना मुझे तोड़ गया. आज तक मैं नहीं समझ पाया कि मुझ पर यह आरोप क्यों लगा. उन्होंने यह भी बताया कि 2019 में उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर सीबीआई जांच की मांग की थी. मामला दो साल तक हाईकोर्ट में लंबित रहा और 2023 में राज्य सरकार से जवाब मांगा गया. राज्य सरकार ने जवाब देते हुए सीबीआई जांच की आवश्यकता नहीं बताई .संजीव सिंह ने अंत में कहा कि वे इस मामले पर फिलहाल कोई टीका-टिप्पणी नहीं करना चाहते, लेकिन विश्वास है कि सच्चाई एक दिन सामने आएगी और न्याय मिलेगा. बताते चलें कि वर्ष 2017 में नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या हुई थी, जिसके लिए तत्कालीन झरिया विधायक और उनके भाई संजीव सिंह पर आरोप लगाया गया था.

#### स्वास्थ्य अनुकूल होगा, तो राजनीति पर निर्णय लेंगे

स्वास्थ्य के बारे में संजीव ने बताया कि जब उनका स्वास्थ्य अनुकूल होगा, तभी वह भविष्य की राजनीतिक दिशा पर निर्णय लेंगे. उन्होंने कहा कि राजनीति में बने रहना ही बड़ी बात है. जीवन में बहुत कुछ सहा है, लेकिन सच्चाई एक दिन जरूर सामने आएगी.

## एक नजर

### श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर में महाप्रसाद का वितरण

**रांची।** श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 237वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया. श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा ट्रस्ट के सदस्यों के सौजन्य से महाप्रसाद का वितरण किया गया. मौके पर श्री राधा कृष्ण का दिव्य अलौकिक श्रृंगार किया गया. तत्पश्चात मेवायुक्त केसरिया खीर महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे ने लगाया. इसके बाद मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया. तत्पश्चात भजन-संध्या कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने मनमोहक सुमधुर भजनों से श्रद्धालुओं का मन मोहा. श्री राधे राधे बरसाने वाली राधे राधे सारे बोलो राधे राधे..., श्याम तेरे भरोसे मेरा परिवार है..., श्याम चंदा है श्यामा चकोरी है बड़ी सुन्दर है दोनो की जोड़ी...अमृत गंगा का रसपान कराते हुए स्रोताओं को खूब झुमाया.

### कमेटी ने जरूरतमंदों के बीच बांटे भोजन और कपड़े

**रांची।** भारतीय एकता कमेटी की ओर से रविवार को कर्बला टैंक रोड स्थित मुख्य कार्यालय के पास जरूरतमंदों में भोजन, कपड़े और पानी की बोतलों का वितरण किया गया. इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है. सच्चा इंसान वही है जो इंसानियत के नाते नेक कार्य करे. उन्होंने कहा कि यदि दुनिया से मानवता खत्म हो जाएगी तो पूरी दुनिया समाप्त हो जाएगी. सचिव रामेश्वर राम ने कहा कि भारतीय एकता कमेटी की सेवा भावना हमेशा से सराहनीय रही है. संस्था के सभी सदस्य समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की मदद के लिए लगातार प्रयासरत हैं. मौके पर कमेटी के प्रो मो शमशाद, मो अशफाक, मो खुर्शीद, मो अयान और दुक्कु सहित कई सदस्य मौजूद थे.

### मंच की बैठक में जिलों में संगठन विस्तार का फैसला

**रांची।** हमर अधिकार मंच (हम) की पहली बैठक रविवार को पीपी कंपाउंड स्थित स्टूडियो ट्रेंड्स, सिंह मार्ट में अध्यक्ष दीपेश निराला की अध्यक्षता में हुई. बैठक में झारखंड के सभी जिलों में मंच के संगठन विस्तार का निर्णय लिया गया. इस दौरान रश्मि भेंगरा को सर्वसम्मति से सरायकेला-खरसावां का जिला संयोजक नियुक्त किया गया, जबकि राजकुमार को मेंबरशिप सब कमिटी का संयोजक और अंकित अग्रवाल और विनोद जैन बेगवानी को सह-संयोजक बनाया गया. इस अवसर पर हम के अध्यक्ष दीपेश निराला ने कहा कि बैठक में शेष पदाधिकारियों की घोषणा जल्द करने का निर्णय गया है. उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य नागरिकों को उनके मौलिक और मानवाधिकार, आरटीआई, आरटीएस सहित अन्य के प्रति जागरूक करना है. उन्होंने बताया कि मंच समय-समय पर विभिन्न अधिकारों पर कार्यशालाएं आयोजित कर लोगों को जागरूक करेगा और संबंधित अधिनियमों एवं आयोगों की जानकारी जनता तक पहुंचाएगा. कार्यक्रम में महासचिव उमाशंकर सिंह, सचिव अंकित जैन, कोषाध्यक्ष विनोद जैन बेगवानी, दिलीप कुमार सिंह, ओम प्रकाश उपाध्याय सहित अन्य मौजूद थे.

## सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे, अंधेरे में डूबी रहती है गली, कोई सुनता ही नहीं

- डिप्टीपाड़ा आवासीय समिति का गठन, मुरारी लाल गुप्ता अध्यक्ष और अशोक साबू बने सचिव

शुभम संदेश। रांची

डिप्टीपाड़ा कचहरी रोड क्षेत्र के निवासियों ने बैठक कर डिप्टीपाड़ा आवासीय समिति का गठन किया. बैठक में सर्वसम्मति से मुरारी लाल गुप्ता को अध्यक्ष, नंद किशोर पाटोदिया को उपाध्यक्ष, अशोक साबू को सचिव और कमलेश संचेती को कोषाध्यक्ष चुना गया. सिद्धनाथ तिवारी, रवि प्रकाश रौनक, समीर मिश्रा, आयुष साबू, मनीष कुमार, दिनेश कुमार गुप्ता, अमृतांशु कुमार, धीरेंद्र अग्रवाल, मनीष बागला को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है.

सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बैठक के दौरान क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई. समिति के सदस्य कमलेश संचेती ने बताया कि डिप्टीपाड़ा की सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे विशेषकर बरसात के मौसम में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है.

अशोक साबू ने कहा कि रात के समय गली पूरी तरह अंधकार में डूबी रहती है, क्योंकि स्ट्रीट लाइटों की स्थिति बेहद खराब है. उन्होंने बताया कि इसी इलाके में मंत्री हफीजुल अंसारी, विधायक सीपी सिंह, कोतवाली एवं सदर डीएसपी सहित कई जनप्रतिनिधियों के आवास स्थित हैं, फिर भी क्षेत्र की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. स्थानीय निवासियों ने यह भी बताया कि सड़क के दोनों ओर जाम की स्थिति बनी रहती है, परंतु इसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही. विधायक सीपी सिंह से इस संबंध में पूर्व में कई बार पत्राचार किया जा चुका है. समिति का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही नगर निगम प्रशासक एवं राज्यसभा सांसद महुवा माजी से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराएगा.

### दिल्ली महारैली को लेकर शिक्षक संघ का राज्य स्तरीय संपर्क अभियान शुरू

# टेट की अनिवार्यता के विरोध में पांच दिसंबर को दिल्ली में होगी महारैली

शुभम संदेश। रांची

सुप्रीम कोर्ट ने पुराने शिक्षकों के लिए भी टेट को अनिवार्य करने का आदेश दिया है.इस आदेश के विरोध में टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर देश भर के शिक्षकों की महारैली पांच दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में होनी है. झारखंड से इस रैली में अधिक से अधिक शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ राज्य के विभिन्न प्रमंडलों और जिलों में संपर्क अभियान चला रहा है. अभियान में संघ की राज्यस्तरीय टीम रविवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के हजारीबाग में बैठक की. शिक्षकों से महारैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की. बैठक में हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, बोकारो आदि जिले से शिक्षकों ने शिरकत की. हजारीबाग के सभी 16 प्रखंड से शिक्षक इसमें शामिल हुए.

संघ के प्रदेश अध्यक्ष सह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनूप केसरी, प्रदेश सह राष्ट्रीय महासचिव राम मूर्ति ठाकुर, संस्थापक अध्यक्ष उत्तिल यादव, प्रदेश कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, प्रमंडलीय अध्यक्ष सह राष्ट्रीय सचिव अजय कुमार सिंह,रांची जिला अध्यक्ष सलीम सहाय तिग्गा, सलाहकार धीरज कुमार, हजारीबाग जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार, जिला महासचिव संजय कुमार, जनार्दन वर्मा, राजेश्वर सिंह, संजय चांद आदि प्रतिनिधियों ने बैठक को संबोधित किया.

वक्ताओं ने कहा कि टेट की अनिवार्यता को देश के शिक्षक सेवा पर एक काला आदेश मान रहे हैं, जिस पर सहमत नहीं हुआ जा सकता. इसलिए भारत सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए संविधान संशोधन कर शिक्षा का अधिकार कानून में आवश्यक प्रावधान करना चाहिए. इस मांग को लेकर 5 दिसंबर की महारैली में झारखंड से हजारों की संख्या में शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी. शिक्षकों ने महारैली को सफल बनाने का संकल्प लिया.

## हेमंत सरकार विकास और पारदर्शिता के रास्ते पर भाजपा केवल भ्रम फैलाने में व्यस्त : विनोद पांडेय

शुभम संदेश। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाए गए हालिया आरोपों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया है. झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा है कि भाजपा नेताओं को झारखंड की निरंतर प्रगति रास नहीं आ रही है, इसलिए वे लगातार झूठे आरोपों और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहे हैं. कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार जनहित, पारदर्शिता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर काम कर रही है. भाजपा का एकमात्र एजेंडा है- झूठी कहानियां गढ़कर जनता का ध्यान भटकाना. लेकिन, झारखंड की जनता अब सब जानती है कि कौन काम कर रहा है और कौन केवल बयानबाजी में व्यस्त है.

**भाजपा ने अपने शासन में जिन अफसरों का गुणगान किया, अब उन्हें बता रही पक्षपाती:** झामुमो प्रवक्ता पांडेय ने कहा कि पुलिस किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि संविधान की शपथ लेकर कार्य करती है. कहा - मरांडी जी यह भूल गए हैं कि किसी भी मामले में कार्रवाई साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के तहत होती है. भाजपा जब सत्ता में थी, तब उन्हीं अधिकारियों की सेवा का गुणगान करती थी. आज वही अधिकारी उन्हें अचानक 'पक्षपाती' लगने लगे हैं. यह राजनीति नहीं, अवसरवाद है. झामुमो ने आरोप लगाया कि भाजपा जब भी किसी प्रभावशाली व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई होती देखती है, वह उसे 'राजनीतिक प्रतिशोध' बताकर जनता को गुमराह करने की कोशिश करती है.

**वन, इको-टूरिज्म जैसी उपलब्धियां भाजपा को नहीं पच रहीः** झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि वन विभाग में पदस्थापन और दायित्व वितरण पूरी तरह प्रशासनिक आवश्यकता और कार्य-सुविधा के अनुरूप है. किसी अधिकारी को अतिरिक्त जिम्मेदारी देना अनियमितता नहीं बल्कि काम की निरंतरता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है. अगर किसी अधिकारी के पास एक से अधिक दायित्व हैं, तो इसका अर्थ है कि सरकार उसकी दक्षता और अनुभव का उपयोग करना चाहती है. भाजपा को झारखंड में बढ़ते वनावरण, इको-टूरिज्म और हरित विकास की उपलब्धियां पच नहीं रही हैं, इसलिए वह अधिकारियों और विभागों की छवि धूमिल करने में लगी है.

#### भाजपा पुलिस बल का मनोबल गिराने का प्रयास कर रही

महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि पुलिस पदक देने की प्रक्रिया गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय की अनुशंसा से तय होती है. मुख्यमंत्री का इसमें कोई सीधा हस्तक्षेप नहीं होता. किसी जवान का नाम सूची में आने पर उस पर राजनीतिक बयान देना अनुचित और असंवेदनशील है. उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मरांडी मेहनती पुलिसकर्मियों की सेवा भावना का

अपमान कर रहे हैं. झामुमो प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा का ध्यान राज्य के विकास से नहीं, बल्कि झूठे आरोपों और मीडिया सुर्खियों पर है. जब-जब हेमंत सरकार जनहित में ठोस निर्णय लेती है, भाजपा अनर्गल आरोपों की बौछार करने लगती है. लेकिन, जनता अब भ्रमित नहीं होगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आत्मनिर्भरता, हरित विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में आगे बढ़ रहा है

### मजदूरों की मांगें पूरी न हुईं तो 16 को होगी आंदोलन की घोषणा : भवन सिंह

**रांची।** झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा है कि विगत 24 सितंबर को निगम प्रबंधन से हुई त्रिपक्षीय वार्ता के निर्णयों को यदि आगामी 15 नवंबर तक लागू नहीं किया गया तो प्रबंधन के खिलाफ आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी. उन्होंने कहा कि मजदूरों की मांगे नहीं मानने पर 16 नवंबर को राजेंद्र भवन, सेक्टर-2, के मैदान में आम सभा की जाएगी. आम सभा में नगर निगम के सभी वार्डों के दैनिक मजदूर, चालक, खलासी और हेल्पर शामिल होंगे. भवन सिंह ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आम सभा में आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी। मजदूर कर्मियों के स्थायीकरण, बोनस, अवकाश और एरियर भुगतान जैसे प्रमुख मुद्दों पर आंदोलन का बिगुल फूंका जाएगा. उन्होंने बताया कि रांची नगर निगम में कार्यरत अस्थायी कर्मियों को अबतक बोनस नहीं मिला है, जबकि धनबाद नगर निगम ने 18 अक्टूबर को अपने कर्मचारियों को बोनस दे दिया है.

### हरियाणा संघ, रांची व सेंटर फॉर साइट का निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर लगा

# शिविर में 100 से भी ज्यादा लोगों ने बीपी शुगर और आंखों की जांच करायी

शुभम संदेश। रांची

महाराजा अग्रसेन भवन के सभागार में हरियाणा संघ, रांची व सेंर फॉर साइट रांची के सहयोग से रविवार को एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर लगाया गया. शिविर का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस अवसर पर सेंटर फॉर साइट की प्रमुख डॉ मधु भी मुख्यरूप से उपस्थित थीं.. अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा ने सभी लोगों का स्वागत किया, वही मंत्री विनोद जैन ने हरियाणा संघ के सामाजिक कार्यो की जानकारी रखी. मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहां की हरियाणा संघ चिकित्सा व सेवा के क्षेत्र में समाज सेवा से जुड़ रहा है, जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों व रांची वासियों को प्राप्त होना सेवा कार्य मे अहम भूमिका रखता है. प्रत्येक महीने निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर लोगों को लाभ देने का सार्थक प्रयास हरियाणा संघ समाज सेवा क्षेत्र में करे, मेरा सहयोग रहेगा. अग्रवाल ने कहा वर्तमान समय में ठंड का आगमन हो चुका है, ऐसे में रांची के सुदूर गांव में जाकर लोगों के बीच गर्म वस्त्रों का वितरण कर मानव सेवा को चरितार्थ करें..

डॉ मधु ने जानकारी दी कि 40 साल से ऊपर व्यक्तियों को अपनी आंखों की जांच अवश्य करानी चाहिए.हमारे सेंटर द्वारा तीन साल से यह सुविधा रांची में उपलब्ध है. आंखों के सही देखभाल के लिए हरी सब्जियों का ज्यादा से ज्यादा सेवन किया जाए. आगे भी ऐसे निःशुल्क शिविर आपके सहयोग से हम लगाते रहेंगे. इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरेश चंद्र अग्रवाल व मधु को पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र और मोमेंटो पूर्व अध्यक्ष शत्रुघ्न लाल गुप्ता, अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा व मंत्री विनोद जैन द्वारा देकर अभिनंदन और स्वागत किया गया. मौके पर शहर के कई लोगों ने काफी संख्या में मधुमेह, बीपी और आंखों की गहन जांच कराई.

### वीर कुंवर सिंह पार्क, हरमू में मीनाक्षी नेत्रालय और वीर कुंवर सिंह विचार मंच ने लगाया नेत्र जांच शिविर

# सैकड़ों लोगों की आंखों की हुई जांच, निःशुल्क दवाएं व चश्मे का वितरण किया गया

शुभम संदेश। रांची

वीर कुंवर सिंह जयंती के उपलक्ष्य पर मीनाक्षी नेत्रालय द्वारा बाबू वीर कुंवर सिंह विचार मंच के सहयोग से आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य सेवा शिविर का सफल आयोजन वीर कुंवर सिंह पार्क, हरमू, रांची में किया गया. आयोजकों ने दावा किया किशिविर रांची का अब तक का सबसे बड़ा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर साबित हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर अपनी जांच कराई और निःशुल्क चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया. इस अवसर पर विख्यात नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक सिंह के सौजन्य एवं मार्गदर्शन में मीनाक्षी नेत्रालय की अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने नागरिकों की नेत्र जांच की. शिविर में आए लोगों को निःशुल्क दवाएं और चश्मे वितरित किए गए. साथ ही, एंग्जायटी, माइग्रेन, डिप्रेशन और चेस्ट पेन जैसी सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को भी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श और औषधि दी गयी.

शिविर में उपस्थित लोगों ने इस जनसेवा पहल की सराहना करते हुए आयोजकों का धन्यवाद किया. यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवा का माध्यम बना, बल्कि समाज में सेवा, जागरूकता और आत्मनिर्भरता का संदेश भी लेकर आया. इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह केवल स्वतंत्रता संग्राम के नायक नहीं, बल्कि आज भी गुलाम मानसिकता से मुक्ति और आत्मसम्मान से भरे समाज के प्रतीक हैं. हमें उनके आदर्शों पर चलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहिए जहां हर व्यक्ति स्वतंत्र, सशक्त और संवेदनशील हो.

बाबू वीर कुंवर सिंह विचार मंच के अध्यक्ष बिनू सिंह ने बताया कि "यह शिविर केवल एक चिकित्सा सेवा नहीं, बल्कि समाज को जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक छोटा परंतु सार्थक कदम है. मंच के सचिव ललन सिंह ने कहा कि "सेवा और संस्कार ही सच्ची श्रद्धांजलि हैं. बाबू वीर कुंवर सिंह के विचारों को कर्म के माध्यम से आगे बढ़ाना ही हमारा संकल्प है."

सभी ने इस सफल आयोजन के लिए मीनाक्षी नेत्रालय की चिकित्सा टीम एवं बाबू वीर कुंवर सिंह विचार मंच के समर्पित सदस्यों को हार्दिक बधाई दी. इस दौरान अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एवं बाबू वीर कुंवर सिंह विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सिंह उर्फ बिनू सिंह, क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सह बाबू वीर कुंवर सिंह विचार मंच के सचिव ललन सिंह, संरक्षक पूर्व आईपीएस राजीव रंजन सिंह, महिला प्रदेश अध्यक्ष मनीषा सिंह, युवा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आदर्श कुमार, प्रदेश संगठन महामंत्री सूरजदेव सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवव्रत सिंह, अंजनी सिंह, रामेश्वर दयाल सिंह, विकास सिंह, विवेक सिंह धर्मेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार, युवा उपाध्यक्ष मुदित राज, युवा महासचिव यश सिंह परमार, सचिव दीपिका कुमारी, महिला प्रदेश सचिव सुमन सिंह, मंजू सिंह, अनुरंजिता सिंह, महिला प्रदेश प्रवक्ता खुशी काकन, कृति कुमारी, प्रदेश सचिव विकास शाहदेव, कुंदन सिंह, सर्वेश कुमार, प्रमोद कुमार सिंह, रोहतास सिंह, मिट्ठू सिंह, राजीव शाहदेव, अजित सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे.

## रातू इलाके में फुटकलटोली के केला चैंबर में लगी आग, मची अफरा-तफरी

**रांची।** रांची के रातू इलाके के फुटकलटोली स्थित अल कमाल कॉलोनी, रोड नंबर-4 में रविवार की देर रात एक केला चैंबर में भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. डर के मारे लोग अपने घरों से बाहर आ गए. स्थानीय लोगों के मुताबिक़, कुछ ही मिनटों में पूरे चैंबर को आग की लपटों ने अपनी चपेट में ले लिया. मिली जानकारी के अनुसार, लोगों को फायर ब्रिगेड से संपर्क करने में भी काफी समस्या का सामना करना पड़ा. ऐसे में आग बुझाने में देरी हुई. फिलहाल स्थानीय लोग और पुलिस मिलकर बचाव और राहत कार्य में जुटे हैं. घटना के बारे में प्रशासन को भी सूचना दे दे गई है. केला चैंबर में आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है. अब तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं मिली है.

### झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स का रक्तदान शिविर आयोजित

**रांची।** झारखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर झारखंड चैंबरऑफ कॉमर्स की ओर से रविवार को चैंबर भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस कैंप में बड़ी संख्या में चेंबर के सदस्य, व्यापारी, प्रोफेशनल्स और आम नागरिकों ने भाग लेकर स्वेच्छा से रक्तदान किया. रक्तदान शिविर में लाइफ सेवर्स संस्था और सदर अस्पताल, रांची की टीम ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया तथा ब्लड कलेक्शन की पूरी व्यवस्था संभाली. कार्यक्रम में चेंबर के कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व अध्यक्ष, विभिन्न उप समितियों के चेयरमैन और सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए. मौके पर चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि "राज्य स्थापना दिवस केवल उत्सव का नहीं, बल्कि समाज के प्रति संकल्प का प्रतीक है. रक्तदान जैसे जीवनदायी कार्य में लोगों की भागीदारी हमारे राज्य के प्रति सच्चे समर्पण का परिचायक है." उन्होंने कहा कि चेंबर हमेशा से सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए तत्पर रहा है.

### धुरकी के पंचफेड़ी गांव में हाथियों का उत्पात

**धुरकी ।** प्रखंड के पंचफेड़ी गांव के बालचौरा टोले में शनिवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने भारी उत्पात मचाया. करीब 15 से 20 हाथियों ने कई किसानों के खेतों में लगी धान और सरसों की फसल रौंद डाली तथा सिंचाई पाइपलाइन को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया. ग्रामीणों ने बताया कि हाथी देर रात तक खेतों में बने रहे, जिससे किसानों की छह महीने की मेहनत एक रात में बर्बाद हो गई. वनपाल प्रमोद कुमार यादव ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया और कहा कि क्षति का आकलन कर मुआवजा दिया जाएगा. प्रभावित किसानों में इंद्रदेव सिंह, नारायण सिंह, मदन सिंह और भूखन परहिया शामिल हैं. घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. लोग अब रात में पहरा देने को मजबूर हैं. ग्रामीणों ने प्रशासन से जंगल की सीमा पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है.

मजदूर, डीओ होल्डर, ट्रक ऑनर और कोलियरी से जुड़े अन्य लोग कर रहे हैं समस्याओं का सामना

## सिकनी कोलियरी चालू करने की मांग, मजदूर संघ ने सौंपा ज्ञापन

शुभम संदेश । लातेहार

बंद पड़े सिकनी कोलियरी को तुरंत चालू करने की मांग को लेकर झारखंड खनिज मजदूर संघ के संरक्षक एवं सोशल एक्टिविस्ट रवि कुमार डे और संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद यादव ने रविवार को महत्वपूर्ण कदम उठाए. उन्होंने झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड, रांची के प्रबंध निदेशक को संबोधित एक ज्ञापन सिकनी कोयला परियोजना के खान अभिकर्ता को सौंपा. इस अवसर पर सिकनी कोल परियोजना परिसर में मजदूरों ने नारेबाजी कर अपनी मांगों को जोरदार तरीके से व्यक्त किया. ज्ञापन में बताया गया कि पिछले 14 माह से सिकनी कोलियरी बंद है. इस कारण यहां कार्यरत मजदूर, डीओ होल्डर, ट्रक ऑनर और कोलियरी से प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े अन्य लोग गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं. रवि कुमार डे ने कहा कि सबसे अधिक कठिनाई मजदूरों को हो रही है. रोजगार की कमी के कारण कई मजदूर अन्य क्षेत्रों में पलायन करने को मजबूर हैं. उन्होंने निगम के पदाधिकारियों पर क्षेत्रीय मजदूरों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया.

संघ अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि सिकनी कोलियरी में 1200 निबंधित मजदूर हैं, लगभग 600 ट्रक ऑनर और लगभग 10 हजार परिवार इस कोलियरी बंद होने से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि कोलियरी की टेंडर प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है, बावजूद इसके इसे चालू नहीं किया जा रहा.

ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया कि सिकनी कोलियरी का संचालन तत्काल शुरू किया जाए. अगर जल्द ही कोलियरी चालू नहीं की जाती है, तो झारखंड खनिज मजदूर संघ के तत्वावधान में व्यापक आंदोलन किया जाएगा. रवि कुमार डे ने बताया कि सिकनी कोलियरी चालू न होने से मजदूरों के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है.

इस मौके पर संघ के अन्य पदाधिकारी और क्षेत्रीय मजदूर भी मौजूद थे. उन्होंने भी कोलियरी के संचालन को तुरंत शुरू करने की मांग का समर्थन किया. मजदूरों ने कहा कि बंद कोलियरी ने उनकी रोजी-रोटी और सामाजिक जीवन पर गहरा असर डाला है. ज्ञापन सौंपने के बाद संघ ने कहा कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों पर तुरंत कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन के साथ-साथ सरकार के खिलाफ व्यापक संघर्ष शुरू किया जाएगा.

## माइंस बंद होने से रोजगार पर संकट, ट्रक मालिकों की बैठक

शुभम संदेश । लातेहार

झारखंड पठारी चंदवा-लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन की आमसभा रविवार को सुंदरू स्थित ईदगाह मैदान में संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता इरशाद अहमद ने की. सभा में ट्रक परिचालन से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में कहा गया कि हिंडालको द्वारा संचालित जालिम माइंस की बंदी से 50-55 ट्रकों के परिचालन पर असर पड़ा है और ट्रक मालिकों की रोजी-रोटी प्रभावित हुई है. संचालन समिति ने सेरेंगदाग क्षेत्र में नई माइंस शुरू होने पर प्रभावित ट्रकों के समायोजन की मांग कंपनी से की है और सांसद को भी स्थिति से अवगत कराया गया. गुरदारी माइंस में ग्रुप वाइज ए, बी, सी व्यवस्था लागू होने के बाद ट्रकों को महीने में केवल एक ट्रिप मिलने और कांटा घर व अनलोडिंग कांटा में वजन असमानता के कारण आर्थिक नुकसान पर भी चर्चा हुई. कुजाम माइंस में एग्रीमेंट के अनुसार ट्रिप न मिलने की शिकायत भी उठाई गई. सर्वसम्मति से एसोसिएशन का चुनाव जल्द कराने का निर्णय लिया गया. संचालन समिति ने कहा कि जालिम माइंस बंद होने के कारण ट्रक मालिकों की आर्थिक स्थिति गंभीर हो गई है. आगामी दिनों में सभी ऑनर सांसद से मिलकर अपनी मांगों को रखेंगे. बैठक में धर्मेंद्र कुमार, विजय जायसवाल, विनोद सिंह, अबू सुफियान, पंकज सिंह, काजू कुरैशी, सोनम राज गोलू, संजू जी, अभिषेक बंटी, अशोक साहू, रवि कुमार सहित सैकड़ों ट्रक मालिक उपस्थित थे.

नवनिर्माण शक्ति संघ व रामवृक्ष मिश्रा मेमोरियल ट्रस्ट का नशामुक्ति अभियान

## एकजुट होकर महिलाओं ने समाज को नशामुक्त बनाने का लिया संकल्प

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

नवनिर्माण शक्ति संघ और रामवृक्ष मिश्रा मेमोरियल ट्रस्ट के महिला विंग के संयुक्त तत्वाधान में नशामुक्ति जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन मेदिनीनगर के पुलिस लाइन स्थित शांभवी मेंशन में किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ की अध्यक्ष और आयोजनकर्ता स्नेहा ओझा ने की. उन्होंने सभा के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि वर्तमान में देश के युवाओं और बच्चों की बड़ी संख्या नशे की चपेट में आ रही है, जिससे अपराध और दुर्घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है. ऐसे लोग समाज और देश के विकास में बाधा बन रहे हैं.

स्नेहा ओझा ने बताया कि महिलाएं एकजुट होकर संकल्प लेती हैं कि वे अपने घर, परिवार और समाज को जड़ से नशामुक्त बनाने का हर संभव प्रयास करेंगी. इसके बाद उन्होंने बताया कि आगे इस दिशा में किस प्रकार कार्य किया जाएगा और विचार साझा किए जाएंगे. रामवृक्ष मिश्रा मेमोरियल ट्रस्ट की अध्यक्ष प्रियंका मिश्रा ने "नशा छोड़ो, परिवार बचाओ" का संदेश दिया. द अर्बन रेस्टोरेंट की को-ऑनर एवं एसएसएमएस कॉलेज की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष स्वाति सहाय ने कहा कि नशा जीवन को धीरे-धीरे बर्बाद कर देता है, और असली खुशी स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन में है.

ट्रस्ट की उपाध्याय सोनी पाठक ने नशे के नुकसान को समझाने के लिए एक सुंदर कविता प्रस्तुत की. वागीशा विश्वकर्मा ने शायरी के माध्यम से समाज को नशे के प्रति जागरूक किया. दीप्ति ओझा ने कहा कि नशा देश को बर्बादी की ओर ले जा रहा है और इसके प्रति सभी को सतर्क रहना चाहिए. खुशबू वर्मा ने बताया कि नशे की लत की असली वजह जानने से उसे छुड़ाना आसान हो सकता है. पूनम गोस्वामी ने कहा कि शराब पीकर सार्वजनिक स्थानों पर झगड़े करना अनुचित है और इसे रोकना जरूरी है.

सोनी गुप्ता, अंजली गुप्ता और प्रिया सिंह ने कहा कि इसके लिए सरकार और आम जनता को एकजुट होकर विरोध करना चाहिए. अंत में स्नेहा ओझा ने नशे की तलब को कम करने के लिए घरेलू उपाय बताए, जैसे लौंग और इलायची का सेवन या अदरक को काले नमक और नींबू के साथ कैंडी के रूप में 15–20 दिनों तक लेना. उन्होंने यह भी कहा कि परिवार का मानसिक सहयोग नशा छुड़ाने में बहुत मददगार होता है.

## अवैध क्लिनिकों पर प्रशासन की सख्ती खुशबू और ज्योति चिल्ड्रेन क्लिनिक सील

- जिला प्रशासन बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी के लिए पूरी तरह सजग है.
- जनता के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं.

शुभम संदेश । हुसैनाबाद, पलामू

जिले में अवैध रूप से संचालित क्लिनिकों पर जिला प्रशासन ने रविवार को सख्त कार्रवाई की. उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस के निर्देश पर हुसैनाबाद अंचल में दो अवैध क्लिनिक, खुशबू क्लीनिक और ज्योति चिल्ड्रेन क्लिनिक, को सील कर दिया गया. इस कार्रवाई में हुसैनाबाद अंचल अधिकारी पंकज कुमार, थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार रवि की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान दोनों क्लिनिकों में कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद मौके पर ही सीलिंग की कार्रवाई की गई. गौरतलब है कि जिले में इससे पहले भी अवैध क्लिनिकों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है. 1 सितंबर को अंचल अधिकारियों की टीम ने पूरे जिले में अभियान चलाकर कई अवैध क्लिनिकों को सील किया था. वहीं, 13 अक्टूबर को हुसैनाबाद अंचल में दो अन्य क्लिनिकों को बंद किया गया.

उपायुक्त समीरा एस ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध और गैर-नियमित रूप से संचालित किसी भी क्लिनिक को बख्शा नहीं जाएगा. उन्होंने कहा कि जनता के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. जो क्लिनिक नियमानुसार पंजीकृत नहीं हैं, उनके खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी.

समीरा एस ने बताया कि जिला प्रशासन बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी के लिए पूरी तरह सजग है. उपायुक्त स्वयं भी स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति की जानकारी ले रही हैं और सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही हैं. प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित, मानक अनुरूप और समयबद्ध चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है. ताकि किसी भी प्रकार की लापरवाही से जनहित प्रभावित न हो. जिले के नागरिकों को भरोसा दिलाया गया कि स्वास्थ्य सुरक्षा और मानक चिकित्सा व्यवस्था के प्रति प्रशासन पूरी तरह सजग है और अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी.

इस अभियान से आम जनता में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है और प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नियमों के उल्लंघन करने वालों के लिए कोई छूट नहीं होगी.

## पलामू किला मेला प्रांगण में कलश स्थापना के साथ शुरू हुआ लक्ष्मीनारायण महायज्ञ

शुभम संदेश । सतबरवा

औरंगा नदी के तट पर स्थित ऐतिहासिक पलामू किला मेला प्रांगण फुलवरिया में रविवार को कलश स्थापना के साथ सात दिवसीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ हुआ. सुबह से ही मेला प्रांगण आस्था और श्रद्धा से भर गया. यज्ञ स्थल से कलश यात्रा शुरू होकर फूलवरिया बस्ती और असुर बांध मार्ग से नदी तट पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शुद्ध जल भरा गया और फिर कलश यज्ञ मंडप में स्थापित किया गया. महायज्ञ 9 नवंबर से 15 नवंबर तक चलेगा. मुख्य अतिथि के रूप में मनिका के पूर्व विधायक हरे कृष्णा सिंह, रबदा पंचायत समिति सदस्य साखो देवी, जिला परिषद सदस्य सुधा कुमारी और राजू तिर्की उपस्थित रहे. उन्होंने मुख्य यजमानों को कलश सौंपकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. हरे कृष्णा सिंह ने कहा कि यज्ञ स्थल पवित्र बनता है और इससे सुख-समृद्धि के द्वार खुलते हैं. महायज्ञ आयोजन समिति अध्यक्ष यमुना सिंह ने बताया कि प्रतिदिन भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचन होंगे, जबकि अंतिम दिन विशाल हवन, पूर्णाहुति एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा. सचिव गंगेश्वर सिंह ने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, रोशनी और बैठने की विशेष व्यवस्था का जिक्र किया. इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष अमीत तिवारी, सांसद प्रतिनिधि मनिष कुमार, विधायक प्रतिनिधि अजय उरांव समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे.

### महायज्ञ की शुरुआत कलश यात्रा के साथ

लातेहार । पलामू किला के समीप रविवार को लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की शुरुआत कलश यात्रा के साथ हुई. इस छह दिवसीय आयोजन में मनिका के पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह सहित बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और कुंवारी कन्याओं ने भाग लिया. कलश यात्रा के दौरान नदी में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पवित्र जल भरा गया और वापस महायज्ञ परिसर में कलशों का स्थापना कर अनुष्ठान आरंभ किया गया. पूरा वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण रहा, जिसमें बच्चों में भी विशेष उत्साह देखा गया. पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह ने आयोजन समिति का धन्यवाद करते हुए कहा कि लक्ष्मी नारायण महायज्ञ समिति के सदस्यों ने इस कार्य को सफल बनाने के लिए कठिन परिश्रम किया है. उन्होंने विधानसभा और जिलेवासियों से भी इस आयोजन में भाग लेने की अपील की. उन्होंने कहा कि यह यज्ञ उस पवित्र स्थान पर हो रहा है, जहाँ कभी राजा मेदनिया राय का निवास था. राजा मेदनिया राय अपने प्रजा के दुख और जरूरत को समझते थे.

## एक नजर

### हुसैनाबाद में पुलिस पर बालू वसूली का आरोप

**हुसैनाबाद, पलामू ।** हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के भैरवपुर निवासी सचिन कुमार ने हुसैनाबाद थाना प्रभारी को आवेदन देकर पुलिस अधिकारियों पर अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाया है. सचिन ने बताया कि घर में शादी के लिए बिहार से जीएसटी चालानयुक्त बालू अपने निजी ट्रैक्टर (संख्या जेएच03एटी 3850) से ला रहे थे. उन्होंने कहा कि लंगरकोट गांव के पास पुलिस ने उन्हें रोककर 50,000 रुपये की मांग की. जब उन्होंने वैध चालान प्रस्तुत किया, तो एसआई नर्वदेश्वर सिंह, एसआई कालिका राम और चौकीदार अमित कुमार पासवान ने गाली-गलौज और धमकी दी कि पैसा नहीं दिया तो ट्रैक्टर थाना में लगवा देंगे. सचिन ने कहा कि मजबूरी में उन्हें 25,000 रुपये फोन पे और 8,000 रुपये नकद देने पड़े, जबकि अभी भी 12,000 रुपये की मांग जारी है. उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की मांग की. आवेदन के साथ सचिन ने बालू का वैध चालान भी संलग्न किया है. स्थानीय लोग इस मामले में उचित कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि वैध बालू परिवहन में किसी भी प्रकार की अवैध वसूली रोकी जा सके.

### पाटन में टेंपो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

**मेदिनीनगर ।** पाटन थाना क्षेत्र के पालहे गांव में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पप्पू यादव (35 वर्ष), निवासी बसदह, की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, पप्पू यादव बाइक से घर लौट रहे थे, तभी एक टेंपो ने उन्हें टक्कर मार दी. गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें तुरंत एम.एम.सी.एच. मेदिनीनगर लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति नाजुक होने पर रांची रेफर कर दिया गया. हालांकि, परिजनों ने उन्हें मेदिनीनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए टेंपो चालक की तलाश की जा रही है. स्थानीय लोगों ने सड़क पर वाहन सुरक्षा के नियमों का पालन करने की जरूरत पर जोर दिया है, ताकि ऐसे हादसे भविष्य में न हों.

### पत्नी को प्रताड़ित करने वाले पति को भेजा जेल

**लातेहार ।** जिले के बरवाड़ीह प्रखंड के कंचनपुर के बरवाही टोला निवासी प्रेम शंकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया. आरोपी पर आरोप है कि वह अपनी पत्नी को लगातार प्रताड़ित करता था. कथित रूप से मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से परेशान पत्नी ने विषैला पदार्थ खा लिया, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. मृतका के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और प्रेम शंकर राम के खिलाफ बरवाड़ीह थाना में कांड संख्या 71/25 बीएनएस के तहत धारा 108 के तहत मामला दर्ज किया गया. आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. पुलिस ने मामले की जांच जारी रखी है और न्याय प्रक्रिया में तेजी लाने का आश्वासन दिया है. इस घटना से क्षेत्र में लोगों में आक्रोश और सुरक्षा को लेकर चिंता की स्थिति बनी हुई है.

### पति से हुए झगड़े के बाद पत्नी ने तीन वर्षीय बच्ची के साथ कुएं में डूबकर दी जान

**बालूमाथ (लातेहार) ।** बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के बसिया पंचायत अंतर्गत बेलवाडीह ग्राम की रहने वाली एक महिला ने अपने पति के साथ हुए विवाद के बाद अपने तीन वर्षीय बच्ची को लेकर कुएं में कूद गई. जिससे बच्ची समेत महिला की मौत हो गई. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुखमणि देवी झगड़ा अपने पति भागीरथ यादव के साथ हुआ था. जिसके बाद वह गुस्से में आकर अपने तीन वर्षीय बच्ची दिव्या कुमारी को लेकर कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली. परिजनों को लगा कि महिला गुस्से में आकर कहीं चली गई है. इस दौरान परिजनो के द्वारा खोजबीन किया गया, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया. रविवार को बेलवाड़ीह ग्राम के लोहराटोली में धान खेत के बीच स्थित कुआं से महिला एवं बच्ची का शव को कुआं में तैरता हुआ पाया गया. जिसके बाद गांव वाले और परिजन मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दिया. घटना की सूचना पाकर बालूमाथ पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया है. महिला का पति खलासी का काम करता है और वह मूकबधिर है. थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि महिला के परिवार के लोगो ने फिहलाल कोई प्राथमिकी दर्ज नही कराई है. फिर भी मामले की छानबीन की जा रही है.

### बेरोजगार संघर्ष मोर्चा की बैठक में चतुर्थ वर्गीय नियुक्तियों की मांग पर जोर

**पलामू ।** बेरोजगार संघर्ष मोर्चा की बैठक शनिवार को कचहरी परिसर में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की. बैठक में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों की नियुक्ति की मांग को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन की समीक्षा की गई. बैठक में कहा गया कि झारखंड सरकार द्वारा बहुउद्देशीय कर्मी नियुक्ति सेवा शर्त नियमावली बनने के बाद सचिवालय, संलग्न कार्यालयों और समाहरणालयों में चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति होगी. हालांकि, सरकार ने स्पष्ट नहीं किया कि पलामू में होने वाली नियुक्ति इस नियमावली से प्रभावित होगी या नहीं. मोर्चा ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर पलामू में उपयुक्त चतुर्थ वर्गीय पदों की नियुक्ति प्रक्रिया तुरंत शुरू करने की मांग की. ज्ञात हो कि पलामू में चतुर्थ वर्गीय पदों के लिए विज्ञापन संख्या 1/2025 प्रकाशित किया गया था, जिसमें 36,000 बेरोजगारों ने आवेदन किया. जिले में कुल 44,915 निबंधित बेरोजगार रोजी-रोजगार की तलाश में हैं. बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तो मोर्चा आंदोलन पर उतरने को बाध्य होगा. इस मौके पर कृष्णा राम, जयपाल मोची, संजय मिस्त्री, संतोष विश्वकर्मा, सतीश दुबे, गोपाल चौधरी, गणेश चंद, राम राज समेत कई लोग उपस्थित थे.

### गढ़वा में 'कॉफी विद एसडीएम' कार्यक्रम में आमंत्रण

**गढ़वा ।** सदर एसडीएम संजय कुमार द्वारा आयोजित साप्ताहिक संवाद कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' के तहत बुधवार, 12 नवंबर को नगर निकायों के निवर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है. यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे एसडीएम सभाकक्ष में होगा. इसमें गढ़वा नगर परिषद और मझिआंव नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद व निकाय चुनाव में शामिल उम्मीदवार भाग लेंगे. एसडीएम ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य नगर निकायों से जुड़े मुद्दों, नागरिक सुविधाओं और शहरी विकास पर जनप्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त करना है. उन्होंने कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद से विकेंद्रित विकास व बेहतर समन्वय संभव है. यह कार्यक्रम पिछले एक वर्ष से हर सप्ताह अलग-अलग वर्गों के साथ नियमित रूप से आयोजित हो रहा है.

**शिक्षा** अकादमिक सफलता की बजाय सह-पाठ्यक्रमिक गतिविधियों को प्राथमिकता दें

## शिक्षण पद्धति को प्रभावी बनाने पर जोर दें: कुमार

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

स्थानीय संत मरियम स्कूल में आज शिक्षक वर्ग के लिए आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र की रूपरेखा और रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य कुमार आदर्श ने की. उन्होंने कहा कि नए सत्र में शिक्षण पद्धति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी शिक्षकों को मिलकर कार्य करना होगा. कुमार आदर्श ने विद्यार्थियों की समग्र प्रगति पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया और कहा कि पाठ्यक्रम में नवाचारपूर्ण गतिविधियों को शामिल करना आवश्यक है. उन्होंने यह भी कहा कि केवल अकादमिक सफलता पर ध्यान देने की बजाय सह-पाठ्यक्रमिक गतिविधियों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके.

विद्यालय प्रबंधन ने बैठक में यह स्पष्ट किया कि इस वर्ष शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद, कला, सांस्कृतिक एवं अन्य सह-पाठ्यक्रमिक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा. इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समझ को विकसित करना है.

बैठक में उपस्थित सभी शिक्षकों ने अपने सुझाव और अनुभव साझा किए. उन्होंने न केवल शिक्षण तकनीकों में सुधार के उपाय सुझाए, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाने के लिए भी कई नवाचार प्रस्तावित किए. सभी शिक्षकों ने मिलकर नए शैक्षणिक सत्र को सफल बनाने का संकल्प लिया और इसे लागू करने के लिए सामूहिक रूप से जिम्मेदारी निभाने का भरोसा व्यक्त किया.

इस मौके पर उप प्राचार्य एस.बी. शाहा, संत मरियम किड्स स्कूल निदेशक आनंद कुमार, प्रवीण दुबे, सुधांशु दुबे, समन्वयक अमरेंद्र कुमार, रिजवाना परवीन, रोशन राज, निकिता गुप्ता समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित थीं. बैठक का समापन कुमार आदर्श के धन्यवाद संदेश और शिक्षकों के बीच सहयोग एवं प्रतिबद्धता के भाव के साथ हुआ. इस बैठक से यह स्पष्ट हुआ कि संत मरियम स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है, और नए शैक्षणिक सत्र में इसे प्रभावी ढंग से लागू करने का प्रयास किया जाएगा.

## लातेहार में सप्तशक्ति संगम-नारी शक्ति विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया

शुभम संदेश । लातेहार

शहर के धर्मपुर पथ स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के सभागार में रविवार को महिलाओं के सशक्तिकरण एवं समाज में उनके बहुआयामी योगदान को समर्पित "सप्तशक्ति संगम – नारी शक्ति" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. पूजा, प्रांत संयोजिका श्रीमती रंजना, प्रांत सह-संयोजिका सुशीला, जिला संयोजिका श्रीमती गीता एवं मातृ भारती की अध्यक्षा श्रीमती रितु रानी पांडेय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. मुख्य वक्ता डॉ. पूजा ने कुटुंब प्रबोधन की भारतीय दृष्टि एवं पर्यावरण विषय पर अपने विचार साझा किए. उन्होंने कहा कि भारत में परिवार नहीं, बल्कि कुटुंब व्यवस्था है, जहां माता, बहन और हर स्त्री परिवार की रीढ़ होती हैं. कार्यक्रम में विद्यालय की प्रीति, स्मृति एवं अंजनी ने सामूहिक गीत प्रस्तुत किया. साथ ही लक्ष्मीबाई केलकर एवं स्वामी विवेकानंद के प्रेरक व्यक्तित्व पर आधारित जीवंत प्रस्तुति दी गई. इस अवसर पर स्वरोजगार अपनाने वाली वैजयंती को विशिष्ट माता सम्मान और पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान हेतु सुशीला देवी को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में सप्तशक्ति संगम के प्रांत प्रभारी अखिलेश कुमार, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन कुमार, सचिव नरेंद्र कुमार पांडेय, प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी और विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं आचार्य सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और अभिभावक उपस्थित रहे.

### अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त खनन विभाग को सूचना

**चौपारण (हजारीबाग)** । चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में अवैध खनन और परिवहन पर लगातार कार्रवाई जारी है. रविवार को थाना पुलिस ने चतरा मोड़ के पास से अवैध बालू लदा एक ट्रैक्टर जप्त कर थाना परिसर लाया. थाना प्रभारी ने बताया कि वाहन चालक बालू परिवहन से संबंधित कोई भी वैध कागजात पेश नहीं कर सका. प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि बालू का परिवहन बिना अनुमति और अवैध तरीके से किया जा रहा था. पुलिस ने मामले की सूचना अंचलाधिकारी को देने की तैयारी कर ली है, जिसके बाद खनन विभाग आवश्यक विभागीय कार्रवाई करेगा. स्थानीय लोगों ने पुलिस की सक्रियता की सराहना की है. उनका कहना है कि प्रशासनिक शिथिलता के बीच पुलिस द्वारा निरंतर की जा रही पहल से क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन पर काबू पाने में मदद मिलेगी. कहा कि चौपारण पुलिस अवैध गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी .

### कोल ट्रांसपोर्टिंग सड़क निर्माण को लेकर उरदा में आमसभा, लाइजनरों के प्रयासों से मिला सकारात्मक समाधान

# आवासीय क्षेत्र से बाहर सड़क निर्माण की सहमति दी

**शुभम संदेश। टंडवा (चतरा)**

हजारीबाग जिले से उत्पादित कोयले की ट्रांसपोर्टिंग हेतु प्रस्तावित सड़क निर्माण को लेकर उरदा स्थित राजा गढ़.के समीप शनिवार को आमसभा आयोजित की गई. सभा की अध्यक्षता मुखिया निलेश ज्ञासेन ने की जबकि संचालन बिजली महतो ने संभाला. आमसभा में ग्रामीणों और संबंधित अधिकारियों के बीच लंबी चर्चा हुई. ग्रामीणों ने आवासीय क्षेत्र से बाहर सड़क निर्माण के लिए सहमति दी, जिससे कंपनी अब ड्रोन सर्वे और मैपिंग कर सड़क निर्माण की तैयारी कर सकेगी. इससे पहले कई दौर की बैठकों में ग्रामीण सड़क निर्माण का तीखा विरोध कर रहे थे. उनका मानना था कि सड़क निर्माण से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ेगा, प्रदूषण बढ़ेगा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होंगी. सूत्रों के अनुसार, ग्रामीणों के इस अचानक सकारात्मक रवैये के पीछे लाइजनरों का निरंतर मेहनत और समझौता करना रहा, जिससे कंपनी प्रबंधन ने राहत की सांस ली. बैठक में यह भी तय किया गया कि उरदा, सन्हा, सिसई और काढमदिरी में आगामी ग्रामसभाएं आयोजित की जाएंगी. वहां से प्राप्त निर्णय सड़क निर्माण की आगे की रूपरेखा तय करेंगे. इसके साथ ही, कई ग्रामीणों ने राजस्व कर्मचारियों पर अमर्यादित व्यवहार और कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप लगाए. इन आरोपों पर बैठक में साक्ष्य सहित लिखित शिकायत उपायुक्त से करने का निर्णय लिया गया. आमसभा में मोहन महतो, दिलीप महतो, मुनेश्वर महतो, दिलीप पांडेय, उदय महतो, नीलेश्वर महतो, भुनेश्वर भुईयां, मंजू देवी, कविता देवी, सनवा देवी, शिवशंकर भारती समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे. उन्होंने मिलकर इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा की और सकारात्मक प्रस्ताव पारित किए. ग्रामीणों की सहमति और लाइजनरों की मेहनत से सड़क निर्माण के रास्ते अब साफ़ हुए हैं. इससे ट्रांसपोर्टिंग कंपनी को योजना बनाने में सुविधा मिलेगी और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य व सुरक्षा के प्रति आश्वासन भी दिया गया है. बैठक में उठाए गए मुद्दों और पारित प्रस्तावों को आगे की कार्रवाई के लिए गंभीरता से लागू करने का निर्णय लिया गया.स आमसभा से यह स्पष्ट हुआ कि संवाद और समझौते के माध्यम से विवादित परियोजनाओं में भी समाधान निकाला जा सकता है. ग्रामीणों और कंपनी के बीच सहयोग ने सड़क निर्माण परियोजना को अब कार्यान्वयन के करीब ला दिया है.

### कुड़मी समाज ने एसटी दर्जा की मांग को लेकर महाआंदोलन की चेतावनी, कमेटी का पुनर्गठन

**रामगढ़/रांची** । बरियातू रोड स्थित रीता श्री वेंकट हॉल में आदिवासी कुड़मि समाज का दो दिवसीय महाधिवेशन सम्पन्न हुआ. इस महाधिवेशन की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष शशांक शेखर महतो ने की. कार्यक्रम में कुड़मि समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल करने, कुड़माली भाषा को आठवीं अनुसूची में दर्ज कराने और आदिवासी धर्म कोड लागू कराने के उद्देश्य से महाआंदोलन करने का निर्णय लिया गया. कार्यक्रम में मुख्य वक्ता और समाज के संयोजक अजीत प्रसाद महतो ने चेतावनी दी कि अगर 06 फरवरी तक केंद्र सरकार कुड़मि समाज को एसटी सूची में शामिल नहीं करती, तो झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओड़िशा में जोरदार आंदोलन किया जाएगा. महाधिवेशन में भारी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे. साथ ही केंद्रीय कमिटी का भी पुनर्गठन किया गया. इसमें अध्यक्ष शशांक शेखर महतो, उपाध्यक्ष अमिय रंजन महतो (पश्चिम बंगाल), दलगोविंद मोहंता (ओड़िशा), छोटेलाल मुतरुआर (झारखंड), महासचिव जगेश्वर महतो नागवंशी, सहसचिव संजय महतो (पश्चिम बंगाल), केंद्रीय प्रवक्ता सुनील कुमार गुलिआर, कोषाध्यक्ष रासबिहारी महतो सहित कई पदाधिकारियों का चयन किया गया.

### पशु तस्करी में दो पिकअप वैन जब्त, दो गिरफ्तार

**चौपारण (हजारीबाग)** । चौपारण थाना क्षेत्र में अवैध पशु तस्करी पर पुलिस ने सख्ती दिखाई. थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में रविवार को जीटी रोड स्थित महुदी के पास से पशु लदे दो पिकअप वैन को पकड़ लिया गया. वाहन चालकों से कागजात मांगे गए, लेकिन वे वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके, जिससे स्पष्ट हुआ कि भैसों की तस्करी की जा रही थी. पुलिस ने दोनों वाहनों को जप्त कर थाना परिसर लाया और सभी भैसों को सुरक्षित तौर पर गौरक्षनी केंद्र भेज दिया. इस संबंध में चौपारण थाना में कांड संख्या 302/25, दिनांक 09/11/25, धारा 315(5)/3(5) और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई. इस कार्रवाई में दीपक यादव और गोलू यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया. थाना प्रभारी ने बताया कि चौपारण पुलिस क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर सतर्क है और इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी.

### कक्षा आठ के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण

**चौपारण (हजारीबाग)।** झापा पंचायत के ग्राम परसावा में आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य राकेश रंजन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे. साथ ही मुखिया प्रतिनिधि बिनोद कुमार सिंह, वार्ड सदस्य जाबिर अली और शकील अहमद, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एमडी बेलाल, सचिव शकील अहमद और शिक्षक रामप्रवेश कुमार उपस्थित रहे. साइकिल वितरण के दौरान ग्रामीण हनिफ समेत अन्य स्थानीय लोग भी मौजूद रहे और कार्यक्रम में सहभागिता की. उपस्थित प्रतिनिधियों ने कहा कि इस योजना से छात्रों को स्कूल आने-जाने में सुविधा मिलेगी और शिक्षा के प्रति उनकी जागरूकता बढ़ेगी. कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को नई साइकिलें प्रदान की गईं, जिससे उनकी पढ़ाई में सुविधा और उत्साह बढ़ेगा.

### विस्थापित परिवारों की बैठक, रेलवे को सौंपा ज्ञापन

**रामगढ़** । रविवार को बरकाकाना विस्थापित परिवार की बैठक सी आई बस्ती बरकाकाना के चबूतरा में आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता पूर्व पार्षद सनीयारो बारला ने की, जबकि संचालन दुर्वेज आलम ने संभाला. बैठक में विस्थापित परिवार के सदस्यों ने अपनी-अपनी समस्याओं पर चर्चा की और सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि एक डेलीगेट टीम बनाई जाएगी, जो अपनी समस्याओं को लेकर धनबाद रेलवे अधिकारियों के समक्ष जाएगी. इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा, ताकि उनकी समस्याओं का उचित समाधान किया जा सके. इस अवसर पर वार्ड पार्षद सनीयारो बरला ने कहा कि परिवारों की समस्याओं का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए.

### अखिल भारतीय श्रोत्रिय महासंघ महासम्मेलन संपन्न

**कोडरमा** । जयनगर रोड स्थित गीतांजलि विवाह भवन में अखिल भारतीय श्रोत्रिय महासंघ का एकदिवसीय भव्य महासम्मेलन संपन्न हुआ. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित और भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया. महासम्मेलन की अध्यक्षता महासंघ के अध्यक्ष बलदेव पांडेय और संचालन महासचिव ओम प्रकाश पांडेय ने की. इस अवसर पर महासंघ के संरक्षक रविंद्र कुमार शांडिल्य ने कहा कि महासंघ का उद्देश्य श्रोत्रिय ब्राह्मण के साथ समाज के अन्य वर्गों के विकास को भी बढ़ावा देना है. सभा में शांडिल्य द्वारा प्रस्तुत 14 सूत्री प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित किया गया. प्रस्तावों में शिक्षा, छात्रवृत्ति, संस्कार, संस्कृत शिक्षा, ब्राह्मणों का अल्पसंख्यक घोषित करना, तीर्थयात्रा हेतु सरकारी अनुदान, सामाजिक-राजनीतिक संगठन का गठन, संस्कृत के राष्ट्रीय स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल करना, देवघर संस्कृत विश्वविद्यालय का प्रसार, गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करना और सवर्ण आयोग का गठन जैसी मांगें शामिल हैं.

### हजारीबाग पुलिस की नशाखोरी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

# 42.5 लाख रु. की अफीम सहित 4 तस्कर गिरफ्तार

**शुभम संदेश । हजारीबाग**

हजारीबाग पुलिस ने मुफसिल थाना क्षेत्र में नशाखोरी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 42.5 लाख रूपए मूल्य की अफीम बरामद की और 04 अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया. इस कार्रवाई के संबंध में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद ने प्रेसवार्ता में बताया कि हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि मुफसिल थाना क्षेत्र के कत्था फैक्ट्री के पास, टोयोटा शोरूम के सामने एनएच-33 रोड, मुकुंदगंज में चार लोग अफीम की खरीब बिक्री करने वाले हैं.

सूचना के सत्यापन और त्वरित कार्रवाई हेतु अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), हजारीबाग के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया. टीम ने तत्परता से उक्त स्थान पर पहुँचकर चारों संदिग्धों को पकड़ लिया. चेकिंग में उनके पास से चार बैग मिले, जिनमें अवैध अफीम मिली. गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपना नाम क्रमशः सचिन मेहता, राकेश कुमार मेहता, नन्कु ठाकुर और अनिल दॉगी बताया. पूछताछ में सभी ने स्वीकार किया कि वे चतरा से अफीम लेकर हरियाणा भेजने जा रहे थे.

मुफसिल थाना में कांड संख्या 187/25 दिनांक 09.11.2025 के तहत धारा 17(C)/21(C)/29 एनडीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर सभी अभियुक्तों को न्यायायिक हिरासत में भेजा गया. गिरफ्तार अभियुक्तों में सचिन कुमार (18 वर्ष), पिता दुर्गानन्द दांगी, ग्राम दारियातु, थाना-जिला चतरा; राकेश कुमार मेहता (20 वर्ष), पिता सुरेन्द्र मेहता, सा-पबरा, थाना-कटकमसांडी, जिला हजारीबाग; नन्कु ठाकुर (24 वर्ष), पिता हीरा ठाकुर, सा-सतौर, थाना-जिला चतरा; और अनिल दॉगी (45 वर्ष), पिता किशनदयाल दॉगी, सा-दारियातु, थाना-जिला चतरा शामिल हैं.

गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से कुल 8.2 किलोग्राम अफीम, 04 बैग और 04 मोबाइल बरामद हुए. छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों में अमित कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), हजारीबाग; पुलिस निरीक्षक विद्यावती ओहद्वार, चुरचू अंचल; थाना प्रभारी रौशन बर्णवाल, मुफसिल; पुलिस उप निरीक्षक संजय रतन, मुफसिल; तकनीकी शाखा हजारीबाग और मुफसिल थाना सशस्त्र बल शामिल थे.

इस कार्रवाई से हजारीबाग पुलिस ने नशाखोरी के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है और यह दिखाया कि नशे के तस्करों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी है. स्थानीय प्रशासन ने भी इस सफलता की सराहना की है और कहा कि आने वाले समय में नशे के कारोबारियों के खिलाफ इसी प्रकार सख्त कदम उठाए जाएंगे.

यह घटना पुलिस की तत्परता और सूचनाओं पर आधारित कार्रवाई का उदाहरण है, जिसने अफीम तस्करों की योजना को विफल कर दिया और क्षेत्र में नशा मुक्त समाज बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है.

### समारोह में सभी ने संगठन के विकास और एकता पर बल दिया

# लियाफी 525 की बैठक संपन्न, संगठन को मजबूत बनाने पर हुई जोरदार चर्चा

**हजारीबाग** । शहर के जन विकास केंद्र में लियाफी 525 की आम सभा का आयोजन संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता अनिल कुमार सिन्हा ने की. इस आम सभा में संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए नए पदाधिकारियों का चयन किया गया. अध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा, सचिव अशोक कुमार यादव, उपाध्यक्ष सचिन कुमार, मनोज कुमार रंजन, महेंद्र साव, उपसचिव शत्रुघ्न सिंह, रविंद्र कुमार राय, अमित सिंह और कोषाध्यक्ष कृष्णा कुमार पांडे बनाए गए. बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया. शाखा में अभिकर्ताओं एवं ग्राहकों को आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के उपायों पर चर्चा की गई. नए कमिटी का कार्यकाल तीन वर्ष का तय किया गया. इसके अलावा, पूर्व में लियाफी के नाम से खरीदी गई जमीन को कब्जामुक्त कराकर पुनः कमिटी को सौंपने का निर्णय लिया गया. इस आम सभा में प्रमुख रूप से संजय कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, वसंत कुमार दांगी, पीयूष कुमार, सन्तन पाण्डेय, शमशाद जी, ओमप्रकाश कुमार, रंजीत पाण्डेय, नितेश कुमार, महेंद्र कुमार, महेश प्रसाद कुशवाहा, विनोद साहू, राजेंद्र शर्मा, मनोज कुमार गोप, राजेश कुमार, धनुषधारी मेहता, श्रीकांत ठाकुर, दिलचन्द महतो, श्याम किशोर सिंह, अभय कुमार सिन्हा, सुबोध पाण्डेय, उमेश तिवारी, अभिषेक पंकज, केशव यादव और अनिल सिंह आदि उपस्थित रहे.

### सांसद मनीष जायसवाल ने शोकाकुल परिवारों से भेंट कर ढांढस बंधाया

**हजारीबाग** । सांसद मनीष जयसवाल ने रविवार को कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र का एक दिन भर का तूफानी दौरा किया. इस दौरान उन्होंने आधा दर्जन से अधिक गांवों का दौरा कर शोकाकुल परिवारों से मिलकर उनका ढांढस बंधाया और ग्रामीणों की समस्याएँ सुनी. उन्होंने बाझा पंचायत स्थित शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण का भरोसा देते हुए मंदिर परिसर में फ्लोर टाइल और पेभर ब्लॉक लगाने की घोषणा की. सांसद जयसवाल ने कठोतिया और झरदाग गांवों में आकस्मिक निधन से दुखी परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी. उन्होंने बच्चों और परिवारजनों के भविष्य की चिंता को समझते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया. साथ ही, दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिजनों को अदम्य शक्ति प्रदान करने की कामना की.

### बड़कागांव

### विस्थापन आयोग के गठन का श्रेय लेने पर अंबा प्रसाद को विधायक रौशन चौधरी को लताड़ा, कहा

# विस्थापन आयोग के गठन की प्रक्रिया हमारे प्रयासों का परिणाम

**शुभम संदेश । बड़कागांव**

बड़कागांव विधानसभा के पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद ने वर्तमान विधायक रौशन लाल चौधरी पर जमकर निशाना साधा और उनसे विस्थापन आयोग के गठन का झूठा श्रेय लेने से परहेज करने को कहा. अम्बा प्रसाद ने स्पष्ट किया कि 8 जुलाई 2024 को कैबिनेट से विस्थापन आयोग के गठन की प्रक्रिया उनके निरंतर प्रयासों और सतत कोशिशों का परिणाम है, न कि वर्तमान विधायक के दबाव या पहल का. उन्होंने कहा कि रौशन लाल चौधरी इस मामले में गलत ढंग से क्रेडिट ले रहे हैं और इसे तुरंत बंद करना चाहिए.

पूर्व विधायक ने जोर देकर कहा, "विधायक रौशन लाल चौधरी ऐसे पेश आते हैं जैसे उनके मुद्दा उठाने के बाद सरकार ने डरकर आयोग का गठन कर दिया. यह पूरी तरह से हास्यास्पद है." उन्होंने आगे यह भी कहा कि रौशन लाल चौधरी को यह भी नहीं पता कि आयोग का गठन हुआ है या उसकी नियमावली तैयार हुई है. जो नियमावली कैबिनेट से पास हुई, उसका सार उन्हें ज्ञात नहीं है और नियमावली सही है या गलत, इससे उन्हें कोई लेना-देना नहीं है. अम्बा प्रसाद ने आरोप लगाया कि कल बड़कागांव में खुले मंच से श्रेय लेने की उनकी कोशिश केवल छल और भ्रामक कार्यवाही है.

अपने प्रयासों का ब्यौरा देते हुए अम्बा प्रसाद ने कहा कि विस्थापन आयोग के गठन के लिए उन्होंने कई बार विधानसभा में मामला उठाया, पार्टी फोरम पर लगातार दबाव बनाया और मुख्यमंत्री से बार-बार आग्रह किया. उनके लगातार प्रयासों का परिणाम रहा कि 8 जुलाई 2024 को कैबिनेट ने आयोग के गठन को पास कर दिया, जो उनके कार्यकाल में संभव हो सका. उन्होंने इस उपलब्धि को अपने अथक प्रयास और रणनीति का परिणाम बताया और स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया में वर्तमान विधायक का कोई योगदान नहीं है.

पूर्व विधायक ने नियमावली पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी ने आयोग की नियमावली पर सही मायने में जोर नहीं दिया. यदि मैं विधानसभा में होती, तो मैं यह सुनिश्चित करती कि विस्थापितों के हित में उचित और सटीक नियमावली ही पारित हो." उन्होंने यह भी कहा कि आयोग की कार्यप्रणाली और नियमावली के निर्माण में पारदर्शिता और विस्थापितों के हित को सर्वोपरि रखना चाहिए.

अम्बा प्रसाद ने यह भी आरोप लगाया कि यदि वर्तमान विधायक रौशन लाल चौधरी सचमुच बड़कागांव के हितैषी होते, तो वे केवल हर कार्य का क्रेडिट लेने का प्रयास नहीं करते. उन्होंने कहा कि ऐसे कदम न केवल राजनीतिक छवि को प्रभावित करते हैं बल्कि विस्थापित जनता के विश्वास को भी हानि पहुँचाते हैं. पूर्व विधायक ने जनता से अपील की कि वे तथ्यों को समझें और किसी भी राजनीतिक दावे के पीछे झूठे क्रेडिट को न मानें. उन्होंने रौशन लाल चौधरी से पुनः आग्रह किया कि वे आयोग के गठन का श्रेय लेने से परहेज करें और वास्तविक योगदानकर्ताओं का सम्मान करें. इस पूरे विवाद ने बड़कागांव में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है और विस्थापन आयोग के गठन तथा नियमावली के महत्व को लेकर स्थानीय जनता और राजनीतिक दलों में चर्चा को बढ़ावा दिया है. कुल मिलाकर, अम्बा प्रसाद का स्पष्ट संदेश है कि आयोग के गठन में उनका प्रयास और नेतृत्व निर्णायक था और किसी को इसका झूठा श्रेय लेने का अधिकार नहीं है.

### जश्न-ए-उर्दू: रामगढ़ में उर्दू भाषा और संस्कृति का उत्सव

**रामगढ़** । अंतरराष्ट्रीय उर्दू दिवस और यौमे-इक़बाल के अवसर पर अंजुमन तरक्की उर्दू (हिंद) रामगढ़ इकाई द्वारा पैराडाइज पब्लिक स्कूल, हेहल, अमवा टांड़ में जश्न-ए-उर्दू का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशरफ़ अली और डॉ. नूर आलम आज़मी ने किया. अध्यक्ष मंडल में डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर, एम. ज़ेड. ख़ान, श्री सरोज झा, डॉ. फैज़ अहमद फैज़ और अन्य प्रमुख सदस्य शामिल थे. कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मोहम्मद कलामुद्दीन की हम्द से हुई. पहले सत्र में कवियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने ग़ज़ल, नज़्म, भाषण और उर्दू तरानों के माध्यम से उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार का संदेश दिया. दूसरे सत्र में मुशायरा आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय और राज्य स्तरीय कवियों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया. कार्यक्रम में उर्दू गैलरी और सेल्फ़ी पॉइंट मुख्य आकर्षण रहे.

## एक नजर

### छेदी उरांव एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट में वंदे मातरम सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन

**रामगढ़** । झारखंड राज खुला विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र, छेदी उरांव एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वाधान में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक गायन कार्यक्रम बरकाकाना में आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्ट के निदेशक एवं कोऑर्डिनेटर डॉ. मनोज कुमार अगरिया ने वंदे मातरम गायन के महत्व और इतिहास पर प्रकाश डालते हुए की. विश्वविद्यालय के गेस्ट फैकल्टी डीसी मिश्रा, वार्ड पार्षद गीता देवी और झारखंड आदिम जनजाति विकास समिति के सचिव लालजी अगरिया ने भी देशभक्ति और वंदे मातरम के प्रतीकात्मक महत्व पर छात्रों और उपस्थित लोगों को जागरूक किया. सामूहिक गायन में ट्रस्ट के सभी विद्यार्थी और कर्मचारी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. कार्यक्रम के दौरान बच्चों को देशभक्ति की भावना, राष्ट्र के प्रति सम्मान और सामूहिक गायन के माध्यम से एकजुटता की शिक्षा दी गई. यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक महत्व का था, बल्कि युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करने वाला भी साबित हुआ.

### टंडवा में हत्या के फरार आरोपी के घर पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर चिपकाया इश्तेहार

**टंडवा** । हत्या के आरोप में फरार चल रहे राजेश तुरी के खिलाफ टंडवा थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेशानुसार घर के बाहर इश्तेहार चिपकाया. यह कार्रवाई थाना के सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व में पदमपुर पंचायत स्थित बरवाडी गांव में की गई. पुलिस ने बताया कि राजेश तुरी पर हत्या का मामला दर्ज है और वह पिछले वर्ष से फरार है. सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार ने कहा कि चिपकाए गए इश्तेहार में आरोपी को न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करने के निर्देश दिए गए हैं. यदि आरोपी न्यायालय में उपस्थित नहीं होता है, तो अदालत के आदेशानुसार उसकी संपत्ति की कुर्की और जब्ती की कार्रवाई की जाएगी. पुलिस का उद्देश्य है कि आरोपी को कानून के शिकंजे में लाया जाए और न्यायालय की कार्यवाही में बाधा न आए. इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों में सुरक्षा और कानून के प्रति विश्वास बढ़ाने का प्रयास किया गया.

### तिलोकरी अंडरपास के पास रेलवे ट्रैक पर मिला 30 साल के युवक का शव, परिवार में कोहराम

**कोडरमा।** धनबाद-गया रेलखंड के तिलोकरी अंडरपास के पास पोल संख्या 370 के समीप रविवार सुबह लगभग 11 बजे 30 वर्षीय बुधन खान का शव रेल ट्रैक के बीच पड़ा मिला. मृतक की पहचान तिलैया थाना क्षेत्र के गझंडी निवासी, पिता आफताब खान के रूप में हुई. बुधन खान कुछ दिन पहले अपनी बहन के घर पिपचो आया था और रविवार को घर लौट रहा था, लेकिन घर नहीं पहुंचा. परिजनों ने मोबाइल पर संपर्क किया तो किसी ग्रामीण ने शव की जानकारी दी. बुधन खान का विवाह तय हो चुका था और सोमवार को शादी की तारीख फाइनल करने के लिए मेहमान आने वाले थे. इस दर्दनाक घटना ने परिवार और पूरे गांव में मातम फैला दिया. रेलवे पुलिस और स्थानीय थाना गझंडी की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेजा. थाना प्रभारी उमानाथ सिंह ने बताया कि यह घटना ट्रेन से गिरने के कारण हुई.

### झारखंड प्रजापति महासंघ ने मनाया स्थापना दिवस

**हजारीबाग** । झारखंड प्रजापति (कुम्हार) महासंघ का 25वां स्थापना दिवस रजत जयंती समारोह बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ जमशेदपुर के शीतला भवन में मनाया गया. इस अवसर पर प्रदेशभर से संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आम सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. समारोह के दौरान झारखंड प्रदेश कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के हजारीबाग जिला अध्यक्ष के रूप में नव नियुक्त अजय प्रजापति को महासंघ द्वारा पुष्पगुच्छ और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया. महासंघ ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की.

### अज्ञात वाहन की चपेट में आने से चाचा-भतीजा घायल

**जयनगर (कोडरमा)** । थाना क्षेत्र के घाघडीह के समीप रविवार की शाम लगभग 6 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से चाचा-भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान महादेव राणा (पिता भोली राणा) और उनके भतीजे किशुन राणा (पिता स्व. बासुदेव राणा), दोनों पिपचो निवासी, के रूप में हुई है. जिसमें भतीजा किशुन राणा की स्थिति गंभीर बताई जा रही है.प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों तिलैया से पूजा का सामान खरीदकर बाइक से अपने घर पिपचो लौट रहे थे. इसी दौरान घाघडीह के समीप विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी. इससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए.

### सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम प्रक्रिया में देरी पर विधायक ने प्रशासन से सुधार की मांग की

**हजारीबाग** । हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम प्रक्रिया में लगातार हो रही देरी को गंभीर समस्या मानते हुए रविवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से दूरभाष पर विस्तृत वार्ता की. वार्ता के दौरान उन्होंने पोस्टमार्टम प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया. विधायक प्रदीप प्रसाद ने आग्रह किया कि पोस्टमार्टम कक्ष का संचालन प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से नियमित रूप से प्रारंभ किया जाए, ताकि दुर्घटना या असामयिक मृत्यु की स्थिति में शोकग्रस्त परिवारों को अनावश्यक विलंब और परेशानियों से राहत मिल सके.

### समिति की बैठक संपन्न, नई कमेटी का विस्तार

**हजारीबाग** । नूरा वार्ड नंबर तीन अवधपुरी स्थित दक्षिणेश्वरी काली मंदिर में मंदिर निर्माण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में उपस्थित सदस्यों ने मंदिर के भव्य निर्माण को लेकर अपने विचार साझा किए और कई निर्णायक कदम उठाए. बैठक में सर्वसम्मति से नई कमिटी का विस्तार किया गया. इसमें उमेश सिंह को अध्यक्ष, संतु पांडे को उपाध्यक्ष और विकास कुमार उपाध्याय को सचिव पद पर चयनित किया गया. उपसचिव के रूप में अजय कुमार पांडे, कोषाध्यक्ष के रूप में अशोक कुमार पांडे और मीडिया प्रभारी के रूप में विक्की पांडे को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया. नवचयनित पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से कहा कि कमिटी पूर्व के पदाधिकारियों और वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन में मंदिर निर्माण का कार्य पूर्ण करेगी.

### सड़क निर्माण की मांग को लेकर भूख हड़ताल

**पत्थलगड़ा** । ग्राम पंचायत सिंघानी के ग्रामीणों ने लंबे समय से अधूरे पड़े बलथरवा बागी से पंचमुखी मंदिर तक सड़क और नाली निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग को लेकर शनिवार को एकदिवसीय भूख हड़ताल की. अनशन में शिक्षक प्रमोद दांगी, सुधांशु पांडे, मुकेश केशरी, पंचायत मुखिया राधिका देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए. मौके पर सांसद प्रतिनिधि आशीष कुमार दांगी और भाजपा जिला मंत्री बासुदेव दांगी पहुंचे और आश्वासन दिया कि सांसद कालीचरण सिंह और विधायक उज्जवल दास के प्रयास से निर्माण कार्य डीएमएफटी फंड से स्वीकृति मिलने के बाद दो माह में शुरू होगा. ग्रामीणों ने जूस पिलाकर भूख हड़ताल समाप्त की. बलथरवा बागी से पंचमुखी मंदिर तक मार्ग की दुर्दशा बरसात में आवागमन मुश्किल कर देती है.

### सियरकोनी जंगल में मिला अज्ञात शव, जांच शुरू

**चौपारण (हजारीबाग)** । चौपारण थाना क्षेत्र के सियरकोनी स्थित गंगा होटल के पीछे जंगल से रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया. स्थानीय लोगों ने शव देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी. चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से हजारीबाग भेज दिया. फिलहाल शव को हजारीबाग शवगृह में सुरक्षित रखा गया है

## लोहरदगा में नेशनल रेफरी सेमिनार और रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन

शुभम संदेश। लोहरदगा

होटल अमृत पैलेस सभागार में तीन दिवसीय नेशनल रेफरी सेमिनार एवं रिफ्रेशर कोर्स का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन लोहरदगा के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने दीप प्रज्वलन कर किया. मुख्य अतिथि डीडीसी शेखावत ने कहा कि आज खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण का माध्यम भी हैं. उन्होंने रेफरी की भूमिका को हर खेल में निर्णायक बताते हुए कहा कि तकनीकी रूप से दक्ष और अद्यतन जानकारी रखने वाले रेफरी ही खिलाड़ियों को निष्पक्ष निर्णय और सही मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं. सेमिनार में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के लगभग 85 प्रशिक्षु रेफरी और खिलाड़ी शामिल हुए. अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो रेफरी संतोष श्रीरंगम ने रेफरियों को खेल के नियम, तकनीकी बिंदु और निष्पक्षता पर विशेष प्रशिक्षण दिया. प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों की परीक्षा भी आयोजित की गई. समापन समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) वेदांत शंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए. उन्होंने नव प्रशिक्षित रेफरियों को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए कहा कि लोहरदगा से निकले रेफरी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करेंगे. झारखंड ताइक्वांडो संघ के उपाध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि आगामी राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में नव प्रशिक्षित रेफरियों को प्राथमिकता दी जाएगी. उन्होंने रेफरियों को लगातार रिफ्रेशर कोर्स में भाग लेने की सलाह दी, ताकि वे खेल के नवीनतम तकनीकी बदलावों से अपडेट रह सकें. इस अवसर पर जिला सचिव अजय महतो, पारस कुमार साहू, उप सचिव अरविंद यादव और विभिन्न राज्यों से आए रेफरी उपस्थित थे. सेमिनार के दौरान खेल भावना, नियम अनुपालन, विवाद निवारण और मानसिक संतुलन पर विशेष सत्र आयोजित किए गए. कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान व सामूहिक फोटो सत्र के साथ हुआ.

### पिकनिक बनाने गए छात्र की नदी में डूबने से मौत

**गुमला।** थाना क्षेत्र के मुरकुंडा कुम्हारी रोड में कोयल नदी के जोलो घाट पर पिकनिक बनाने गए आदर्श नगर फसिया के 14 वर्षीय छात्र अभिषेक कुजूर की नदी में डूबने से मौत हो गई. मृतक अभिषेक नेट्रोडेम स्कूल में आठवीं कक्षा का छात्र था और रविवार अवकाश के कारण वे अपने मित्रों के साथ पिकनिक बनाने जोलो घाट गया था. घटना रविवार दोपहर बाद की है. नदी में डूबने की सूचना पर स्थानीय लोग जमा हो गए और छात्र अभिषेक को तत्काल सदर अस्पताल भेजा गया जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया. छात्र के असामयिक मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था. शव को सदर अस्पताल में रखा गया है. सोमवार को पोस्टमार्टम होगा.

### बादाम तोड़ने वाले मासूम पर किसान ने किया हमला

**गुमला।** थाना क्षेत्र के पोखरा टोली में शुक्रवार की शाम इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना देखने को मिला. धान काट कर अपने पिता के साथ लौट रहे सात वर्षीय बालक नीलेश ने रास्ते में एक खेत में खाने के लिए बादाम तोड़ने लगा. बादाम खेत के मालिक जट्टू खड़िया नामक व्यक्ति ने बच्चे पर बेरहमी से पिटाई कर दिया. जिससे आग जख्मी हो गया. नीलेश को गुमला सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद डाक्टर ने रिम्स रेफर कर दिया. घटना के प्रत्यक्षदर्शी राहुल देव के अनुसार जट्टू खड़िया ने नीलेश को पकड़कर पहले पीटा, फिर उसे पेड़ में पटक दिया. इस हमले में बच्चे के सिर पर गंभीर चोट लगी. परिजनों ने तत्काल उसे सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां सिटी स्कैन में पता चला कि नीलेश के मस्तिष्क की हड्डी टूट गई है और ब्रेन हेमरेज हो गया है. उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है. डॉक्टर ने बच्चे को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया, जहां वह फिलहाल वेंटिलेटर पर बेहोशी की अवस्था में है. गरीब किसान परिवार से आने वाला नीलेश का पिता अपने बेटे की जिंदगी बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है. परिवार ने सरकार और प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और शनिवार को आरोपी जट्टू खड़िया को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में उसने अपराध को कबूल कर लिया है. पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है. गांव में इस निर्मम हमले को लेकर आक्रोश है.

### मुखिया ने फर्जी मोहर के उपयोग की शिकायत की

**गुमला।** वृंदा पंचायत की मुखिया सत्यवती देवी का फर्जी मोहर एवं हस्ताक्षर का उपयोग कर गलत वंशावली बनाने का मामला प्रकाश में आया है. इस संबंध में मुखिया सत्यवती देवी शनिवार की शाम 6 बजे गुमला थाना में आवेदन सौंप कर कार्रवाई की मांग की है. ज्ञापन में कहा गया है कि आठ नंवबर को वृंदा पंचायत के राजस्व कर्मचारी अंकित कुमार के द्वारा फोन कर वंशावली सत्यापन किया जा रहा था. उसी में पता चला कि बेरोनिका कुल्लु पति अमृत केरकेट्टा वृंदा बहवार टोली के नाम से किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मेरा फर्जी मोहर व हस्ताक्षर का उपयोग गलत तरीके से आवासीय प्रमाण पत्र का वंशावली सत्यापन किया गया है. जो बिल्कुल ही गलत है. इस नाम का आवेदनकर्ता न ही मुझसे मिला है और न ही हस्ताक्षर मोहर कराया है. इस संबंध में मुखिया ने फर्जीवाडे की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है.

### गुमला शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है

## एक ही दिन में 28 लोगों को कुत्तों ने बनाया शिकार

शुभम संदेश। गुमला

गुमला शहर में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है. हालात ऐसे हैं कि शहर की हर गली-मोहल्ले में कुत्तों के झुंड खुलेआम घूम रहे हैं. कई कुत्तों में पागलपन जैसे लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं, जो राहगीरों पर अचानक हमला कर दे रहे हैं. शनिवार की शाम 6 बजे तक स्थिति और भयावह हो गई. जब शहर और आसपास के गांवों में कुल 28 लोगों को पागल कुत्तों ने काटकर घायल कर दिया. इस घटना ने शहरवासियों में दहशत फैला दी है. बताते चले कि उक्त सभी 28 लोगों में बच्चे युवा महिला व बुजुर्ग भी शामिल है. ये लोग अपने विभिन्न कार्यों से गुमला शहर साप्ताहिक बाजार आए थे. उसी दौरान पागल कुत्ते ने उन्हें अपना शिकार बना दिया. जिसमें आजाद बस्ती निवासी जैद खान (20), खड़ियापड़ा के कुमुद टोप्पो (35), पतगच्छा की जितिका कुमारी (10), सरहुल नगर के मनीष भगत (32), अम्बवा निवासी सरताज आलम (34), तारा गुट्टू के आशीष उरांव (5), डुमरडीह की चंद्रदेवी चीक बड़ाइक (29), हुसैन नगर के मोहम्मद जीलानी (10), कसीरा के श्रेयांश महली (8), पुगुखोपा टोली के विनोद तिर्की (36), बसुआ की महक महवीश (11), कलिगा की नैसी कुमारी (21), सुरसुरिया के टार्जन नायक (16), खोरा के जावरा उरांव (60), सिलाफारी के मोहित कुमार (15), चाहा के जगरनाथ साहु (21), भंडरिया के अनिल लोहरा (21), रजा कॉलोनी के मोहम्मद नदीम (35) तारागुट्टू चंद्रदेव उरांव (65), फोरी मनोज लोहरा (65), डीएसपी रोड रविकांत कुमार (32), शांति नगर हरि नारायण (25), गुमला एसके (30), आनंदी कुमारी (8), गुमला स्वीटी कुमारी (25), अंबोआ नेहरू सिंह (38), बसुआ स्वराज बड़ाइक (23), भंडरिया बेनी राय (55) घायल हुए हैं. अस्पताल में पीड़ितों की संख्या अचानक बढ़ने से स्वास्थ्यकर्मी भी परेशान दिखे. सभी घायलों को एंटी-रेबीज वैक्सीन दी गई है. स्थानीय लोगों ने नगर परिषद से आवारा कुत्तों को नियंत्रित करने और पकड़ने की मांग की है. उनका कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता. शहरवासियों ने प्रशासन से तत्काल अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़ने की अपील की है, ताकि लोगों के बीच फैले भय का माहौल खत्म हो सके और शहर में फिर से सामान्य स्थिति लौट आए.

### अल्लामा इक़बाल की याद में यौमे उर्दू पर कार्यक्रम

**लोहरदगा।** अंजुमन तरक्की उर्दू हिंद, झारखंड शाखा लोहरदगा की ओर से यौमे उर्दू के अवसर पर एक भव्य सभा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अब्दुल कुद्दूस कुरैशी ने की. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उर्दू हमारी हिन्दुस्तानी तहज़ीब की भाषा है, यह मोहब्बत, अदब और इंसानियत की ज़ुबान है. प्रो. कुरैशी ने अल्लामा इक़बाल को सदियों में जन्म लेने वाले शायर बताया और कहा कि उनके जैसे अदब, फिक्र और जज़्बे वाले व्यक्तित्व आज दुर्लभ हैं. उन्होंने यह भी कहा कि इक़बाल न केवल उर्दू बल्कि फ़ारसी और हिंदी के महान शायर भी थे और उनके नगमे आज भी देशभर में मोहब्बत और वतनपरस्ती का संदेश देते हैं. कार्यक्रम का संचालन उर्दू तरक्की तंजीम के सचिव अरशद मोमिन ने किया. उन्होंने उर्दू भाषा के विकास में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला और नई पीढ़ी में इस भाषा के प्रति रुझान बढ़ाने की अपील की. मौके पर इक़बाल की मशहूर शायरी भी प्रस्तुत की गई,

### अवैध बालू लदे जब्त ट्रैक्टर पर दो दिन के बाद भी नहीं हुई प्राथमिकी, खनन विभाग पर उठे सवाल

**गुमला।** गुमला में अवैध बालू की ढुलाई कर तीन ट्रैक्टर को खनन निरीक्षक द्वारा पिछले शुक्रवार को ही जब्त किया है. लेकिन अब तक जब्त ट्रैक्टर के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है. दो दिन के बाद भी जब्त ट्रैक्टरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने से खनन विभाग की कार्रवाई की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगा है. ज्ञात हो कि एन जी टी लागू होने के कारण वन आश्रयणी क्षेत्र में बालू का खनन और परिवहन पर सरकार स्तर से प्रतिबंध लगा है. इस निर्देश के अनुपालन के लिए खनन विभाग और पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश है. बालू के खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने विशेष टास्क फोर्स भी गठन किया गया है. समय-समय पर टास्क फोर्स बालू के अवैध खनन और परिवहन को रोकने के लिए अभियान चलाती जरूरत हैं लेकिन बालू ढुलाई करने वाला ट्रैक्टर के मालिक और चालक प्रशासनिक अधिकारियों से बेखौफ होकर तू डाल-डाल तो मैं पात-पात के तर्ज पर बालू का अवैध खनन और ढुलाई कर रहे हैं. दो दिन पूर्व दो -तीन ट्रैक्टर को जब्त करने की सूचना हैं लेकिन थाना स्तर से अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं होने की सूचना है. इस संबंध में खनन निरीक्षक ने बताया कि जिला खनन पदाधिकारी से कोई स्पष्ट आदेश नहीं मिला है जिस कारण प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है.

## गुमला बाईपास में रफ्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाओ अभियान का हुआ समापन

**गुमला।** एक सप्ताह से चल रहे रफ्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाओ अभियान का समापन कार्यक्रम रविवार को गुमला बाईपास के उर्मी में किया गया. इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल ने रविवार को गुमला बाईपास के उर्मी चौराहा के समीप वाहन जांच अभियान चलाया और यातायात नियमों की जानकारी देते हुए वाहन चालकों को यातायात नियमों का अनुपालन करने की हिदायत दी. जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि गुमला में रोड दुर्घटना का मुख्य कारण तेज रफ्तार है. दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं पर नियंत्रण पाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने रफ्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाओ जागरूकता अभियान चलाया गया. जिसका रविवार को समापन किया गया. इस अवसर पर डीटीओ ने स्पष्ट किया कि वाहन चालकों को गति सीमा का पालन करना चाहिए, क्योंकि नियंत्रित गति ही आपात स्थिति में वाहन को संभालने का समय देता है. उन्होंने मोटरयान अधिनियम 2019 के तहत तेज रफ्तार और स्टंट के लिए दंडात्मक प्रावधानों की जानकारी दी. ओवर स्पीड करने पर धारा 183 के तहत जुर्माना और रेसिंग या स्टंट करने पर धारा 189 के तहत भारी जुर्माना या कारावास का प्रावधान है. गुड सेमिरिटन और जिम्मेदारी पर जोर अभियान के दौरान 'हिट एंड रन' और 'गुड सेमिरिटन' योजनाओं के बारे में भी लोगों को जागरूक दिया गया. अधिकारियों ने युवाओं से वायरल लाइक्स' के लिए अपनी और दूसरों की जान जोखिम में न डालने की अपील की और सुरक्षा को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया.

### एक नजर

#### रसोईया संघ का 27 से अनिश्चितकालीन धरना

**गुमला।** झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया संयोजिका अध्यक्ष संघ की बैठक रविवार को गुमला ब्लाक परिसर में जिला अध्यक्ष सह प्रदेश उपाध्यक्ष देवकी देवी की अध्यक्षता में हुई. बैठक का संचालन प्रखंड अध्यक्ष शोभा देवी और सचिव बिनायकी देवी ने की. बैठक में संकुल कमेटी को मजबूत करने का आह्वान किया गया. कहा कि अपनी मांगों को लेकर 27 नवंबर को जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा. जिला अध्यक्ष देवकी देवी ने अनिश्चित कालीन धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने की रणनीति बनाई और प्रतियोगिता में शामिल होने वाले रसोइया को आने जाने का खर्च विभाग से दिए जाने और मीनू के अनुरूप भोजन बनाने के लिए रसोइया को निर्देश दी. प्रतियोगिता का पूरा खर्च सरकार स्तर से किए जाने की मांग कीड बैठक में समिल सुमरिता देवी बिन्दु उरांव सुनिता देवी जलसी देवी आदि शामिल हुए.

#### इटकी का करोड़ों का फुटबॉल स्टेडियम जर्जर

**इटकी।** इटकी प्रखंड के पश्चिमी पंचायत सियार टोली में करोड़ों रुपए की लागत से तैयार प्रखंड का एकमात्र फुटबॉल स्टेडियम आज भी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए बेकार पड़ा है. क्षेत्र के खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से बनाया गया यह स्टेडियम उचित रख-रखाव की कमी के कारण जर्जर स्थिति में है. स्थानीय लोगों का कहना है कि मैदान में लगी घास का नियमित कटिंग नहीं होने के कारण घास अधिक बढ़ गई है और मैदान समतल भी नहीं है. वहीं, स्टेडियम में बकरी चरती नजर आ रही हैं.

#### सीनियर महिला हैंडबाल टीम पहुंची दुमका

**गुमला।** झारखंड हैंडबॉल एसोसिएशन और दुमका हैंडबॉल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 11 वीं राज्य स्तरीय सीनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप दो दिवसीय प्रतियोगिता के लिए गुमला स्पोर्ट्स अकादमी और गुमला हैंडबॉल एसोसिएशन के संचालक व कोच सैयद जुन्नू रैन के नेतृत्व में 12 महिला खिलाड़ी दुमका पहुंच गए हैं. टीम में प्रियंका सिंह, अर्पणा कुमारी, पूनम कुमारी, सुमिता तिग्गा, मंजू कुमारी, प्रीति कुमारी, अनामिका, सुहानी, प्रीति, संध्या, सोनाली, दीपिका आदि के नाम शामिल है. टीम के साथ एकेडमी के कोच सैयद जुन्नू रैन, हफिजुर रहमान, दीपक कुमार, विक्रम राज ठाकुर भी दुमका गए हैं. गुमला टावर चौक से टीम को रवाना करने में अणिमा, अलका, सूर्य लेखा, असर आब्दीन, सुरीला, शशांक, हर्षिकेश, हर्ष आदि मौजूद थे.

#### बरगवां में देवठान जतरा मेला का भव्य आयोजन

**नामकुम।** बरगवां में देवठान जतरा मेला का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय जनमानस ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि (राज्यसभा) मनोज कुमार सिंह ने कहा कि जतरा मेला झारखंड की पारंपरिक संस्कृति की रक्षा करता है और आपसी प्रेम, भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है. उन्होंने बताया कि झारखंड में सभी समुदाय के लोग जतरा को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं. मनोज सिंह ने बताया कि बरगवां में जतरा मेला की परंपरा स्वर्गीय सावना बाबा की देन है, जिन्होंने इसकी नींव रखी थी. कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य बिपिन टोपो, मुखिया अनिता तिर्की, माता सीता लकड़ा और पुरोहित रामानंद पांडेय ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया. सभी वक्ताओं ने झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया. कार्यक्रम में स्थानीय बच्चों ने आकर्षक नागपुरी नृत्य प्रस्तुत किया. इसके साथ ही पायल ऑर्केस्ट्रा ग्रुप ने नागपुरी गीतों पर मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश मिंज और विवेक तिर्की ने की, जबकि संचालन बिकु सिंह और विकास सिंह ने किया. जतरा मेले को सफल बनाने में राजेश मिंज, पाली गोप, विवेक तिर्की, बिकु सिंह, शंकर पांडेय, बिरेन सिंह, प्रदीप गोप, टनटन सिंह, मातेश्वर गोप, सुनील पाहन, चंदा तिर्की, अंजन तिर्की, प्रफुल लकड़ा, फुलेश्वर गाड़ी, जगरनाथ लोहरा और फेकू लोहरा का विशेष योगदान रहा.

#### पेंशनर समाज की बैठक में हॉल निर्माण पर निर्णय

**इटकी।** इटकी एकता नगर स्थित कैंप कार्यालय में पेंशनर समाज इटकी इकाई की रविवार को बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता मोनिका कोंगाड़ी ने की. इस अवसर पर समाज के सुदृढ़ीकरण, नए सदस्य जोड़ने और सदस्यों के सहयोग राशि के माध्यम से कार्यालय के लिए हॉल निर्माण कार्य करने का निर्णय लिया गया. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समाज के निष्क्रिय और अनुभवी सदस्यों को विभिन्न क्रियाकलापों में शामिल करके उनका सहयोग प्राप्त किया जाएगा. बैठक का संचालन बिनोद सिन्हा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन इजाजुल हक ने प्रस्तुत किया. बैठक में किशोर गोप, जगदीश गोप, मो सज्जाद, नूरुल हक, राजेंद्र साहू, एनी रोबा, विटोल केरकेट्टा, सरिता सरोज, लियाकत हुसैन, माजिद, मो शरीफ, कमालुद्दीन, शतीश सहित अन्य पेंशनर उपस्थित थे.

**कार्यक्रम** जनजातीय गौरव पखवाड़ा कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद सुखदेव भगत, कहा

## जनजातीय लोग बहुत सरल और सहज होते हैं

शुभम संदेश। लोहरदगा

पीएम श्री राजकीय उच्च विद्यालय, कुजरा में आयोजित जनजातीय गौरव पखवाड़ा कार्यक्रम में लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. स्कूल पहुंचने पर बच्चों ने सांसद का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया और मंच तक पहुंचाया, जहां स्कूल की प्राचार्य राजश्री भगत ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया. इस अवसर पर सांसद ने कहा कि झारखंड में बिरसा मुंडा, वीर बुधू भगत, सिद्धू कांहू और जतरा टाना भगत जैसे अनेक जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी हुए, जिन्होंने सीमित साधनों में भी सामाजिक कुरीतियों और अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया. उन्होंने कहा कि इन स्वतंत्रता सेनानियों की हिम्मत और जज़्बा हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है. सुखदेव भगत ने जनजातीय समुदाय की विशेषताओं का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि जनजातीय लोग सरल और सहज होते हैं, पर्यावरण के प्रति इनकी गहरी समझ होती है और वे प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहते हैं. उनका चलना, नृत्य और बोलना सभी जीवन के आनंद और गीत में बदल जाता है. सांसद ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी जनजातीय लोग खुश रहते हैं, और हमें उनके इस दृष्टिकोण को अपने जीवन में अपनाना चाहिए. सांसद ने बच्चों को शिक्षा पर ध्यान देने और अपने शिक्षकों तथा अभिभावकों का आदर करने की सलाह दी. उन्होंने शिक्षकों से भी कहा कि वे चाइल्ड साइकोलॉजी को समझते हुए बच्चों के साथ व्यवहार करें, जिससे उनकी क्षमता और प्रतिभा का सही विकास हो सके. कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे. इस अवसर पर आलोक कुमार साहू, लाल रविंद्र नाथ शाहदेव, लाल विकास नाथ शाहदेव, राजीव टाना भगत, आरती भगत, शकुंतला मिंज, पंकज कुमार, अभय कुमार साहू, अंजेला अगाथा कुजूर, बिजली कुमारी, नीलम कुमारी, सुषमा कुमूर, दुर्गी कुमारी, रजिया सुल्ताना, मोहम्मद तबारक अंसारी, बैजनाथ प्रजापति, भजन चक्रवर्ती, विरेन्द्र कुमार सिंह, रामकुमार साहू, उषा सुषमा बड़ा, आशीष कुमार, सुनीता कुमारी, राजदेव कुमार साहू, मोहम्मद अकबर आलम, कुंदन कुमार और अफसाना खातून सहित कई लोग उपस्थित रहे. सांसद सुखदेव भगत का यह संदेश बच्चों और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है.

## नागफेनी टोल प्लाजा के प्रबंधक से गुमला चैंबर ऑफ कामर्स के सदस्यों ने की मुलाकात

**गुमला।** गुमला चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के प्रतिनिधि मंडल ने गुमला के नागफनी स्थित टोल गेट का दौरा कर स्थानीय लोगों की सुविधा और टोल गेट से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की. इस प्रतिनिधि मंडल की अध्यक्षता चैंबर अध्यक्ष राजेश सिंह ने की. बैठक में चैंबर के सदस्य क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी, निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल, सचिव बबलू वर्मा और पंकज खंडेलवाल भी मौजूद थे.प्रतिनिधि मंडल ने टोल गेट के मैनेजर सतीश पाल से मुलाकात की और टोल शुल्क तथा स्थानीय लोगों के आने-जाने की सुविधा पर विस्तार से विचार-विमर्श किया. चैंबर ने जोर देकर कहा कि स्थानीय लोग अपने आधार कार्ड दिखाकर पहले की तरह बिना किसी शुल्क के आ-जा सकें.टोल मैनेजर सतीश पाल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि वे प्रतिमाह बहुत ही कम शुल्क लेकर पास जारी कर रहे हैं और इस व्यवस्था को लागू रखने की आवश्यकता है. चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने अपने-अपने सुझाव और चिंताएं साझा की.काफी मंथन के बाद यह निर्णय लिया गया कि इस मामले में अंतिम निर्णय लेने से पहले और विचार किया जाएगा और शीघ्र ही एक नई बैठक आयोजित कर इसे अंतिम रूप दिया जाएगा.इस मौके पर टोल गेट के कर्मचारी श्रवण साहू और यादव भी उपस्थित थे. बैठक का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा और सभी ने स्थानीय लोगों की सुविधा को सर्वोपरि रखने पर सहमति जताई.प्रतिनिधि मंडल का यह दौरा स्थानीय लोगों और व्यापारिक समुदाय के हितों को सुनिश्चित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है.

मंथन

## झारखंड में प्रशासनिक दक्षता को मिली नई दिशा

राज्य सरकार द्वारा झारखंड राज्य बहुद्देशीय सहायक (मल्टी पर्पस स्टाफ) सेवा नियमावली 2025 को अधिसूचित किया जाना महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम है. यह नियमावली राज्य के विभिन्न विभागों में लंबित नियुक्तियों को गति देने के साथ-साथ कार्य संस्कृति में अनुशासन और पारदर्शिता लाने का मार्ग प्रशस्त करेगी. राज्य गठन के बाद से चतुर्थवर्गीय पदों की नियुक्ति और प्रोन्नति को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देशों का अभाव रहा है. परिणामस्वरूप, विभाग अपनी-अपनी प्रक्रियाओं से नियुक्तियां करते रहे, जिससे असमानता और प्रशासनिक अव्यवस्था उत्पन्न होती रही. नई नियमावली इस शून्य को भरती है और सेवा शर्तों, पदोन्नति, स्थानांतरण व अनुशासनात्मक प्रक्रिया को एकीकृत रूप में परिभाषित करती है. बहुउद्देशीय सहायकों की जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण-जैसे फाइल मूवमेंट, अभिलेख रख-रखाव, डिजिटल प्रबंधन व कार्यालयीय स्वच्छता-प्रशासनिक कार्यकुशलता को नए स्तर पर ले जाएगा. इससे कर्मचारियों की भूमिका सीमित दायरे से निकलकर सहयोगी प्रशासनिक कर्मी के रूप में विकसित होगी. सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि अब सेवा सुरक्षा और पदोन्नति की उम्मीद उन कर्मियों को मिलेगी, जो वर्षों से अस्थायी या अनुबंधित रूप में कार्यरत हैं. राज्य कर्मचारी महासंघ द्वारा इसका स्वागत यह संकेत देता है कि यह कदम प्रशासनिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा.सरकार को चाहिए कि इस नियमावली के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और प्रशिक्षण की ठोस व्यवस्था करे, ताकि हर विभाग में समान मानक सुनिश्चित हो सकें. यदि ऐसा हुआ, तो यह नियमावली झारखंड के प्रशासनिक ढांचे में स्थायित्व, दक्षता और न्यायसंगत अवसर की नींव रखेगी.

नजरिया

## घाटशिला में नेतृत्व बनाम नेटवर्क के बीच है टक्कर

घाटशिला उपचुनाव अब अपने निर्णायक मोड़ पर है. 11 नवंबर को होने वाले मतदान में 2.55 लाख से अधिक मतदाता यह तय करेंगे कि सत्ता की पकड़ बनी रहेगी या भाजपा इस सीट को अपने कब्जे में ले पाएगी. चुनावी मैदान भले ही 13 प्रत्याशियों से सजा हो, लेकिन मुकाबला झामुमो, भाजपा और जेएलकेएम के बीच सिमट गया है. भाजपा इस चुनाव में बूथ मैनेजमेंट और संगठनात्मक मजबूती को अपनी प्रमुख ताकत मानकर चल रही है. पार्टी का विश्वास है कि जमीनी कार्यकर्ताओं के उत्साह और पीएम मोदी की लोकप्रियता से उसे लाभ मिलेगा. हालांकि, स्थानीय स्तर पर मतभेद और गुटबाजी उसके समीकरणों को प्रभावित कर सकती है. दूसरी ओर, झामुमो हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन के नेतृत्व को जनता के भावनात्मक जुड़ाव से जोड़कर प्रचार में उतरी है. पार्टी का लक्ष्य विकास योजनाओं और स्थानीय हितों के मुद्दों पर जनसमर्थन बनाए रखना है. तीसरे मोर्चे के रूप में जयराम महतो की जेएलकेएम दोनों दलों के लिए चुनौती बनकर उभरी है. उनका प्रभाव भले सीमित हो, पर वह पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगा सकते हैं. इससे मुकाबला और अधिक रोचक तथा अनिश्चित हो गया है. कुल मिलाकर घाटशिला की जंग नेतृत्व बनाम नेटवर्क की परीक्षा बन चुकी है-जहां एक ओर हेमंत–कल्पना का जनसंपर्क और संवेदना राजनीति की धुरी है, वहीं भाजपा अपने संगठित ढांचे पर भरोसा जता रही है. नतीजा चाहे जो हो, यह उपचुनाव झारखंड की राजनीति में नए समीकरणों की झलक अवश्य देगा.

# ट्रंप का टैरिफ टैंट्रम: व्यापार वार्ता आगे खिसकी

प्रो. एल एन दत्त

**ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अजय श्रीवास्तव ने पर्यावरण कानूनों, वनों की कटाई के नियमों और नियामक जरूरतों जैसी बाधाओं से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला क्योंकि दुनिया राजनीति, सुरक्षा व पर्यावरण नियमों द्वारा संचालित व्यापार की ओर बढ़ रही है.**

**ट्रंप की भारी टैरिफ के बाद भारत को दूसरे बाजारों की तरफ रुख करना होगा.**

**गतांक से आगे-** समुद्री खाद्य निर्यात, विशेष रूप से झींगा के मामले में, टैरिफ की प्रभावी दर 59.71% है, जिसमें (ए) काउंटरवेलिंग ड्यूटी (6.76%) और एंटी-डंपिंग ड्यूटी (3.96%) शामिल हैं. वर्तमान में, अमेरिका और चीन भारतीय समुद्री भोजन के सबसे बड़े आयातक हैं. मात्रा के मामले में, अमेरिका 311948 टन के साथ जमे हुए झींगा के लिए शीर्ष बाजार के रूप में अग्रणी है, चीन 136164 टन का आयातक है. सी फूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष एलेक्स के. नैनान के अनुसार, भारतीय निर्यातकों के सामने प्राथमिक चुनौती नए बाजारों का पता लगाना है, क्योंकि झींगा जैसे उत्पादों को सभी बाजारों में नहीं बेचा जा सकता, इस प्रकार बाधाएं पैदा हो रही हैं. दूसरे, झींगा और झींगे अत्यधिक खराब होने वाले समुद्री खाद्य उत्पाद हैं जिन्हें उचित संरक्षण की आवश्यकता होती है. नैनान ने सुझाव दिया कि भारत को उसी के अनुसार रणनीति बनाने की जरूरत है. यहां भारत के मुख्य प्रतिद्वंदी इक्वाडोर, इंडोनेशिया और वियतनाम हैं, जो कम टैरिफ का सामना करते हैं. भारत के वैकल्पिक बाजार चीन, जापान और दक्षिण कोरिया हैं, जो अमेरिका में निर्यात के नुकसान की भरपाई कर सकते हैं.

ब्लूमबर्ग सर्वेक्षण के परिणाम यह भी संकेत देते हैं कि फेड को जिद्दी मूल्य दबावों और प्रेरणाहीन आर्थिक गतिविधि से चुनौती दी जाएगी. फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने जुलाई में कहा था कि कीमतों पर उच्च टैरिफ का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है. ब्लूमबर्ग सर्वेक्षण ने संकेत दिया कि चौथी तिमाही में बेरोजगारी दर में 4.4% की वृद्धि हुई है और 2026 के अधिकांश समय तक वहीं बने रहेंगे.राजकोषीय मोर्चे पर, ट्रंप मुख्य रूप से आयात करों से पर्याप्त राजकोषीय संसाधन जुटाने के बारे में आशावादी हैं, जो उनके एमएजीए नारे के पीछे मुख्य विचार हैं. इस बीच, ऐसी खबरें आ रही हैं कि व्यापार वार्ता में सबसे महत्वपूर्ण विकास कृषि क्षेत्र के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जिस तक अमेरिका पहुंच चाहता है. सोया और मक्का जैसे कृषि उत्पाद अमेरिका को महत्वपूर्ण व्यापार लाभ देते हैं. लेकिन अमेरिका कई कारणों से इस बाजार में प्रवेश करने के लिए उत्सुक है: सबसे पहले, उसके पास इन सामानों, विशेष रूप से सोया और मक्का का अधिशेष उत्पादन है. इस प्रकार, अमेरिका मौजूदा व्यापार सौदों के माध्यम से अपने कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सबसे अधिक उत्सुक है. स्पष्ट रूप से, ये व्यापार वार्ताएं एक व्यापार-बंद की ओर बढ़ रही हैं- टैरिफ में कितनी कमी के बदले में भारतीय बाजार तक कितनी पहुंच. भारत के व्यापार और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया मीडिया रिपोर्टों से ऐसा प्रतीत होता है कि भारत को कुछ टैरिफ में कटौती के बदले में इथेनॉल उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले मक्का आयात की एक निश्चित मात्रा के साथ-साथ कुछ अमेरिकी तेल खरीद पर समझौता करना पड़ सकता है, हालांकि अंतिम फॉर्मूले पर अभी तक सहमति नहीं हुई है. एक जटिल स्थिति का सामना करते हुए, भारत ने ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, यूएई और कुछ अन्य क्षेत्रीय व्यापार सौदों के साथ कई मुक्त व्यापार समझौते शुरू किए हैं, जिनमें से कुछ प्रगति पर हैं और अन्य अंतिम रूप देने के करीब हैं.

ये करार या तो शुल्क मुक्त हैं या इनमें कम टैरिफ शामिल हैं, जो द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देते हैं. ये कदम निश्चित रूप से सकारात्मक हैं क्योंकि इनका उद्देश्य हमारे निर्यात में विविधता लाना है - अमेरिका पर हमारी निर्भरता को कम करना और यूरोप और मध्य पूर्व में बाजार खोलना ताकि वर्तमान टैरिफ प्रभावों के कारण विदेशी मुद्रा के नुकसान की भरपाई की जा सके. इस बीच, मीडिया रिपोर्टों (टीओआई, 10 अक्टूबर, 2025) के अनुसार, भारत रूसी तेल पर 25% दंडात्मक टैरिफ के लिए रियायत के रूप में कुछ अमेरिकी तेल और इथेनॉल खरीदने के लिए लगभग सहमत हो गया है. तथापि, शेष 25 प्रतिशत प्रशुल्क के संबंध में कोई प्रगति नहीं हुई है, जिसके कारण भारतीय निर्यातकों को अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता खो सकती है.मौजूदा व्यापार वार्ता में नवीनतम घटनाक्रम में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर मनोवैज्ञानिक दबाव का उपयोग शामिल है, जो एक मीडिया रिपोर्ट में उजागर किया गया है कि उन्हें शायद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रूसी तेल खरीदना बंद करने का आश्वासन दिया गया था, जिसका भारत ने खंडन किया है. दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई, इसका सही विवरण स्पष्ट नहीं है. भारतीय नीति निर्माताओं को यह याद रखना चाहिए कि एक स्थापित अमेरिकी निर्यात आधार को अन्य बाजारों में स्थानांतरित करना आसान नहीं है, मुख्य रूप से (1) गैर-टैरिफ बाधाओं से संबंधित चुनौतियों और (2) संभावित भागीदार देशों की सीमित निर्यात अवशोषण क्षमता के कारण.

इस संदर्भ में, ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अजय श्रीवास्तव ने पर्यावरण कानूनों, वनों की कटाई के नियमों और नियामक जरूरतों जैसे विभिन्न गैर-टैरिफ बाधाओं से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला क्योंकि दुनिया निश्चित रूप से राजनीति, सुरक्षा और पर्यावरण नियमों द्वारा संचालित प्रबंधित व्यापार की ओर बढ़ रही है.

उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ जनवरी 2026 में कार्बन टैक्स लगाएगा, जो स्टील और एल्यूमीनियम निर्यात को नुकसान पहुंचा सकता है. व्यापार वार्ता के इस चरण में, 26 अक्टूबर को आश्चर्यजनक लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम हुआ जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, विशेष रूप से दो तेल कंपनियों को लक्षित किया. (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, (क) क्या यह सच है कि रोसनेफ्ट और लुकोइल, भारतीय तेल रिफाइनरियों को तेल बेचने के लिए. यह व्यापार वार्ता पर एक झटका है क्योंकि मंत्री गोयल ने खुद घोषणा की थी कि भारत सिर पर बंदूक रखकर आगे की बातचीत जारी रखने के लिए तैयार नहीं है. इस प्रकार, ऐसा लगता है कि कम से कम अभी के लिए बातचीत खिसक गई है. (**समाप्त**)

**(पूर्व विभागाध्यक्ष, स्नात्तकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची)**

आज का इतिहास

**1659 :** शिवाजी ने प्रतापगढ़ किले के निकट अफजल खान को मार गिराया.
**1698 :** कलकत्ता ईस्ट इंडिया कंपनी को बेचा गया.
**1848:** कांग्रेस के नेता सुरेंद्नारथ बनर्जी का जन्म.
**1908:** कन्हाई लाल दत्त भारत की आज़ादी के लिए फांसी के फंदे पर झूले.
**1920 :** भारतीय मज़दूर संघ के संस्थापक दत्तोपन्त ठेंगडी का जन्म.
**1983:** बिल गेट्स ने विंडोज 1.0 सार्वजनिक रूप से पेश किया.
**1990 :** चंद्रशेखर भारत के आठवें पीएम बने.
**2001:** तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने यूएन महासभा को संबोधित किया.
**2006:** तमिल समर्थक एन रविराज की हत्या.
**2008:** भारत-कतर संबंधों को गहराई देते हुए दोनों देशों ने मस्कट में रक्षा और सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए.
**2013:** राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार विजयदान देथा का निधन.

चिंतन

## गलत रास्ते पर जाएंगे, तभी तो सही रास्ते का पता चलेगा

बहुत समय पहले दो अरबी दोस्तों को एक खजाने का नक्शा मिला. खजाना किसी रेगिस्तान के बीचो-बीच था. खजाने तक पहुंचने में लंबा समय लगता और रास्ते में भूख-प्यास से मर जाने का खतरा था. बहुत विचार करने पर दोनों ने तय किया कि इस योजना में एक और दोस्त को शामिल किया जाए, ताकि वे एक और ऊंट अपने साथ ले जा सकें जिस पर खाने-पीने का सामान भी आ जाए. खजाना अधिक होने पर वे उसे ऊंट पर ढो भी सकें. पर सवाल ये उठा कि चुनाव किसका किया जाए?

बहुत सोचने के बाद मोहम्मद व रिजवान को चुना गया.

इस लिए एक प्रतियोगिता से सही व्यक्ति का चुनाव करने का फैसला हुआ.दोनों दोस्तों ने उन्हें बुलाया और बोले, आपको ऊंट से सामने दिख रहे रास्ते पर आगे बढ़ना है. कुछ दूर जाने के बाद ये रास्ता दो अलग रास्तों में बंट जाएगा- एक सही और एक गलत. जो सही रास्ते पर जाएगा. वही हमारा तीसरा साथी बनेगा और खजाने का एक-तिहाई हिस्सा उसका होगा. दोनों ने आगे बढ़ना शुरू किया और उस बिंदु पर पहुचे जहां से रास्ता बंटा हुआ था. वहां पहुंच कर मोहम्मद ने देखा, उसे दोनों रास्तों में कोई अंतर समझ नहीं आया और बांई तरफ बढ़ गया. जबकि, रिजवान देर तक देखता रहा, और नतीजे के बारे में सोचता रहा.1 घंटे बाद बाईं ओर के धूल उड़ती दिखाई दी. मोहम्मद वापस आ रहा था. रिजवान मुस्कुराया और बोला, गलत रास्ता? हां, शायद. मोहम्मद बोला. दोनों दोस्त छुप कर यह सब देख रहे थे और वे तुरंत उनके सामने आए और बोले, बधाई हो. शुक्रिया. रिजवान बोला. तुम्हें नहीं, हमने मोहम्मद को चुना है. दोनों दोस्त बोले.पर मोहम्मद तो गलत रास्ते पर बढ़ा था फिर उसे क्यों चुना? रिजवान बोला. क्योंकि उसने ये पता लगाया कि गलत रास्ता कौन है और अब वो सही रास्ते पर आगे जा सकता है. दोस्तों ने अपनी बात पूरी की.

दोस्तों, हमारे जीवन में भी ऐसा मौका आता है जहां हम निर्णय नहीं कर पाते कि कौन सा रास्ता सही है और ऐसे में बस सोचने में समय बर्बाद कर देते हैं. जबकि, ज़रूरत इस बात की है कि चीजों को सोचने की बजाय मोहम्मद की तरह अपने विकल्प पर ऐक्शन लिया जाए और अपने अनुभव के आधार पर आगे बढ़ा जाए.

## इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #UttarakhandAt25WithPMModi
2. #GoogleChoosesAP
3. #Real_Bulldozer_Man
4. Himanta Biswa Sarma
5. #HappyBirthdayTejashwi
6. Jadeja
7. #SpiritualSunday
8. Om Shanti
9. Samaj Utthan
10. श्री तेजस्वी यादव

# बहुरंग

## सुनील शेट्टी पहुंचे जम्मू मैराथन में, बीएसएफ के जवानों का बढ़ाया हौसला, वीरता की सराहना की

जम्मू बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी शनिवार को बीएसएफ की जम्मू मैराथन में पहुंचे, जहां उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और सीमा सुरक्षा बल के जवानों की वीरता की सराहना की. अभिनेता मैराथन इवेंट को लेकर बेहद उत्साहित नजर आए. उन्होंने कहा कि लोगों ने उन्हें फिल्म 'बॉर्डर' में निभाए गए भैरों सिंह के किरदार से जोड़ा, और यह उनके लिए गर्व की बात है कि वे अब असली हीरोज़ यानी बीएसएफ जवानों के बीच हैं. सुनील शेट्टी ने कहा, "यह जम्मू में मेरी पहली मैराथन है. आगे भी अगर ऐसी मैराथन होती रही तो मैं हर बार इसमें शामिल होने की कोशिश करूंगा. बीएसएफ के जवान देश की सीमाओं की रक्षा के लिए जो बलिदान देते हैं, वह प्रेरणादायक है." कश्मीर में फिल्मों की शूटिंग पर बात करते हुए अभिनेता ने खुलासा किया कि जल्द ही कश्मीर में फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है. उन्होंने बताया, "विक्रम राजदान, शब्बीर बॉक्सवाला और मेरे दोस्त बिनॉय गांधी इसी साल कश्मीर में फिल्मों की शूटिंग शुरू करेंगे. उम्मीद है कि गर्मियों तक ये फिल्में पूरी हो जाएंगी. हम चाहते हैं कि कश्मीर और जम्मू फिर से अपनी पुरानी रौनक में लौट आएं." गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसके बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत आतंकियों के ठिकानों पर कार्रवाई की थी. वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में सुनील शेट्टी की फिल्म 'केसरी वीर' रिलीज हुई थी, जिसमें उन्होंने एक योद्धा की भूमिका निभाई. जल्द ही वह 'हेरा फेरी 3' और 'वेलकम टू द जंगल' में भी नजर आने वाले हैं. 63 साल की उम्र में भी सुनील शेट्टी अपने फिटनेस और सिक्स-पैक एब्स से युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं.

# राम चरण और जान्हवी कपूर के गाने 'चिकिरी चिकिरी' ने बनाया रिकॉर्ड

**24 घंटे में मिले 46 मिलियन व्यूज**

बुची बाबू सना की फिल्म 'पेड्डी' का पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' शुक्रवार को रिलीज होते ही इंटरनेट पर छा गया है.

इस गाने ने रिलीज के महज 24 घंटों में सभी भाषाओं को मिलाकर 46 मिलियन व्यूज हासिल कर लिए हैं. यह उपलब्धि इसे 2025 का नहीं, बल्कि अब तक का सबसे ज़्यादा देखा जाने वाला भारतीय गाना बना चुकी है. गाने को एआर रहमान ने कंपोज़ किया है और इसमें राम चरण और जान्हवी कपूर की जोड़ी पहली बार साथ नजर आ रही है. टीम 'पेड्डी' ने सोशल मीडिया पर खुशी जताते हुए लिखा, "भारतीय सिनेमा में सबसे ज़्यादा देखा गया गाना - #चिकिरीचिकिरी. मेगा पावर स्टार @AlwaysRamCharan - @BuchiBabuSana - @arrahman की तिकड़ी ने नया रिकॉर्ड बना दिया है. पेड्डी का पहला सिंगल हर जगह धूम मचा रहा है." यह रिकॉर्ड पहले शाहरुख़ खान की फिल्म 'जवान' के गाने 'जिंदा बंदा' के नाम था, जिसे रिलीज़ के 24 घंटों में 4.6 करोड़ व्यूज मिले थे. इसके बाद अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2: द रूल' के गाने 'किसिक' ने 4.2 करोड़ व्यूज के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था. अब 'पेड्डी' का 'चिकिरी चिकिरी' इन दोनों को पछाड़कर नंबर वन पर पहुंच गया है. हालांकि, जहां गाने की धुन और राम चरण के डांस की तारीफ हो रही है, वहीं जान्हवी कपूर को ट्रोलर्स का सामना करना पड़ रहा है.

सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उनके डांस मूव्स और एक्सप्रेशंस को "रिपिटेटिव" और "बोरिंग" बताया है. मीम्स और मजाकिया पोस्ट्स की बाढ़ आ गई है, जिनमें जान्हवी की परफॉर्मेंस की तुलना उनके पिछले गानों से की जा रही है. 'पेड्डी' का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है और इसमें राम चरण और जान्हवी कपूर के अलावा शिवा राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. फिल्म 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी. इस तरह, 'चिकिरी चिकिरी' ने न सिर्फ व्यूअरशिप के नए रिकॉर्ड बनाए हैं, बल्कि यह पेड्डी को रिलीज़ से पहले ही साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बना चुका है.

- यह रिकॉर्ड पहले शाहरुख खान की फ़िल्म 'जवान' के गाने 'जिंदा बंदा' के नाम था, जिसे रिलीज़ के 24 घंटों में 4.6 करोड़ व्यूज मिले थे. इसके बाद अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2: द रूल' के गाने 'किसिक' ने 4.2 करोड़ व्यूज के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था. अब 'पेड्डी' का 'चिकिरी चिकिरी' इन दोनों को पछाड़कर नंबर वन पर पहुंच गया है.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

**मेष :** मन प्रसन्न बना रहेगा. अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी. परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी. आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी. भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. सभी का सहयोग मिलेगा. शुभांक-1-3-5

**वृष :** दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा. वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है. संयमित भाषा का इस्तेमाल करें. कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे. आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा. उतावलेपन से बचें. प्रेमभाव बढ़ेगा. शुभांक-3-6-9

**मिथुन :** घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. मनोरथ सिद्घि का योग है. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा. पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. शुभांक-5-6-7

**कर्क :** सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. प्रेमभाव बढ़ेगा. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्घि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. शुभांक-3-5-7

**सिंह :** कुछ कार्य भी सिद्घ होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. स्वविवेक से कार्य करें. दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे. शुभांक-3-5-7

**कन्या :** आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे हैं. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

**तुला :** आय-व्यय समान रहेगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी. शुभांक-2-4-6

**वृश्चिक :** कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. मान-सम्मान में वृद्घि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. शुभांक-3-6-9

**धनु :** यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी. शुभांक-4-6-8

**मकर :** मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. नैतिक दायरे में रहें. मेहमानों का आगमन होगा. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. वाहन चालन में सावधानी बरतें. आय के अच्छे योग बनेंगे. सफलता मिलेगी. शुभांक-3-6-8

**कुंभ :** परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. सफलता मिलेगी. शुभांक-3-6-8

**मीन :** अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. इच्छित कार्य सफल होंगे. सुख-आनंद कारक समय है. स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. शुभांक-2-4-6

## रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' में आर माधवन का इंटेंस लुक आया सामने

रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'धुरंधर' इस साल की सबसे चर्चित और मच अवेटेड फिल्मों में से एक बन चुकी है. फैंस लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं. अब फिल्म के मेकर्स ने आर माधवन का फर्स्ट लुक जारी कर उत्सुकता को और बढ़ा दिया है. इससे पहले अर्जुन रामपाल का लुक सामने आया था, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. नए पोस्टर में आर माधवन का लुक काफी इंटेंस नजर आ रहा है. उनके सिर के आगे के बाल गायब हैं और उन्होंने चश्मा पहन रखा है, जो उनके किरदार को रहस्यमयी और गंभीर बनाता है.

पोस्टर पर लिखा गया है– 'कर्म का सारथी', जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि माधवन का किरदार कहानी में गहराई और दिशा देने वाला होगा. फिल्म के मेकर्स ने साथ ही घोषणा की है कि 'धुरंधर' का ट्रेलर 12 नवंबर को रिलीज किया जाएगा, जबकि फिल्म 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. पिछले महीने 'धुरंधर' का टाइटल ट्रैक जारी किया गया था, जिसमें रणवीर सिंह का जबरदस्त एक्शन और ऊर्जा देखने को मिली थी. इससे पहले जुलाई में फिल्म का फर्स्ट लुक टीजर जारी हुआ था, जिसने दर्शकों में फिल्म को लेकर रोमांच बढ़ा दिया था. आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक स्पाई-थ्रिलर एक्शन ड्रामा बताई जा रही है. फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर माधवन और सारा अर्जुन जैसे दिग्गज कलाकार नजर आने वाले हैं. इतनी दमदार स्टारकास्ट और रोमांचक विषय के चलते दर्शकों की उम्मीदें फिल्म से काफी ऊंची हैं.

बॉक्स ऑफिस रिव्यू

## अनुष्का शंकर को 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में दो नामांकन, प्रियंका चोपड़ा ने दी बधाई

संगीत जगत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक ग्रैमी अवॉर्ड्स 2026 के लिए नामांकनों की घोषणा हो चुकी है. इस बार भारत के लिए गर्व का पल तब आया जब ग्यारह बार की ग्रैमी-नामांकित सितारवादक और संगीतकार अनुष्का शंकर को दो श्रेणियों में नामांकन मिला है. उन्हें उनके एल्बम 'चैप्टर III: वि रिटर्न टू लाइट' के लिए सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम और गीत डेब्रेक के लिए सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत प्रदर्शन श्रेणी में नामांकित किया गया है. नामांकन की खुशी साझा करते हुए अनुष्का ने एक वीडियो में कहा, "आज का दिन विरोधाभासों से भरा है. भयानक माइग्रेन के बीच मुझे अपने 12वें और 13वें ग्रैमी नामांकन की खबर मिली. यह बेहद सुखद और आभारी होने का पल है." इस मौके पर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने भी अनुष्का को बधाई दी. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अनुष्का का वीडियो साझा करते हुए लिखा, "बहुत शानदार, बधाई हो." अनुष्का शंकर के अलावा भारतीय संगीतकार सिद्धांत भाटिया, शक्ति बैंड, और पियानो वादक चारू सूरी को भी ग्रैमी 2026 के लिए नामांकन मिला है. सिद्धांत भाटिया को 'साउंड ऑफ कुंभ' नामक सहयोगात्मक परियोजना के लिए नॉमिनेशन प्राप्त हुआ है.

## जॉब सिक्योरिटी युवाओं को एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है

**अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।**

### केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती है, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

### जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

### कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

# वेब पत्रकारिता का चमकता भविष्य

**वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है।**

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। सूचना और संचार क्रांति के दौर में आज प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच वेब पत्रकारिता का चलन तेजी से बढ़ा है और अपनी पहचान बना ली है। अखबारों की तरह वेब पत्र और पत्रिकाओं का जाल, अंतरजाल पर पूरी तरह बिछ चुका है। छोटे-बड़े हर शहर से अमूमन वेब पत्रकारिता संचालित हो रही है। छोटे-बड़े सभी शहरों के प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया भी वेब पर हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में थोड़े ही समय में इसने बड़ा मुकाम पा लिया है। हालांकि सफर अभी शेष है और भविष्य उज्जवल।

### क्या होती है वेब पत्रकारिता

जिस प्रकार अखबारों, पत्रिकाओं में खबरों के चयन, संपादन या लेखन होते हैं। यही कार्य यदि इंटरनेट पर किया जाता है तो वेब पत्रकारिता कहलाता है।

### खुबियाँ

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। पहले जहां इंटरनेट कम्प्यूटर तक सीमित था, वहीं नई तकनीकों से लैस मोबाइलों, स्मार्ट फोन और टैब में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा। किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह वेब पत्रकारिता का ही कमाल है कि आज दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी भाषा में, किसी भी दिन और किसी भी देश का अखबार या खबरें पढ़ सकते हैं। यह खबरों का तीव्र माध्यम के रूप में भी स्वीकारा गया है।

### चुनौती और समस्या

पहली बड़ी चुनौती कम्प्यूटर साक्षरता दर की है। दूसरी चुनौती भारत में अभी भी वेब पत्रकारिता की पहुंच अगली पंक्ति में खड़े लोगों तक ही सीमित है। इधर के दिनों में यह मध्यम वर्ग तक भी आया है। जहां तक अंतिम कतार में खड़े लोगों तक पहुंचने की बात है तो अभी यह कोसों दूर है। हालांकि अंतरजाल मुहैया कराने वाली कंपनियों ने मोबाइल फोन और ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया है और इंटरनेट अब गांवों तक पहुंच गया है। तीसरी चुनौती पत्रकारों के समक्ष तकनीकी ज्ञान की है। अन्य चुनौती के रूप में वेब पत्रकारिता में सबसे बड़ा सवाल विश्वसनीयता को लेकर भी है। आज लोगों को इतनी जगहों से समाचार मिल रहे हैं कि लोगों के लिए समाचारों की विश्वसनीयता एक बड़ा मुद्दा है। यह वेब पत्रकारिता के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

### भविष्य

आज वेब-संस्करण चलाने वाली समाचार-पत्र और पत्रिकाओं की संख्या कम है। भविष्य में हर पत्र-पत्रिका ऑन-लाईन होगी। साथ ही साथ स्वतंत्र न्यूज पोर्टल की संख्या में भी वृद्धि होगी। यह आसार लगाया जा रहा है कि समाचार-पत्र घाटे से बचने के लिए प्रिंट संस्करण बंद कर ऑन-लाईन से अपनी सेवा जारी रखेगा। बात स्पष्ट है कि जिस पत्र का लक्षित समूह उच्च वर्ग है और जिनके पास इंटरनेट आसानी से उपलब्ध है, वह धीरे-धीरे प्रिंट संस्करण बंद कर पूर्ण रूप से ऑन-लाईन हो जायेगा।

### विस्तृत दायरा

वेब पत्रकारिता की पहुंच एक निश्चित भौगोलिक सीमा तक नहीं है अपितु इसकी पहुंच वैश्विक है। वेब पत्रकारिता करने वालों का दायरा बहुत बड़ा हो जाता है। उनकी खबर एक पल में सारी दुनिया में पहुंच जाती है जो कि अन्य समाचार माध्यमों में संभव नहीं है।

### वेब पत्रकारिता को पेशा बनाने वालों के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

- हिंदी इनस्क्रिप्ट की बोर्ड की जानकारी हो।
- यूनिकोड फॉंट तकनीकि पर काम करें।
- वेब पत्रकारिता के समाचार सूचनापरक होना चाहिए, वाक्य छोटे होने चाहिए।
- सर्च इंजन का की-वर्ड समाचार में कम से कम दो-तीन बार जरूर लायें।
- कुछ की-वर्ड समाचार के हेड-लाईन में भी जरूर लायें।
- समय का ख्याल रखें- आज, कल और परसो से बचें ।
- संस्था का नाम भी समाचार में जरूर लायें।
- तीसरे या चौथे पैराग्राफ के बाद समाचार का बैक-ग्राउंड दें ।
- तस्वीरें और ग्राफिक से पेज को सजायें।
- संदर्भ और स्रोत का भरपूर उपयोग करें।

# एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस में स्कोप

जब पैकेज की बात आती है, तो एमबीए सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक के रूप में सामने आता है। तेज गति से हो रहे विकास और आर्थिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए ऐसे पाठ्यक्रमों की जरूरत महसूस हो रही है, जो विद्यार्थियों को इन बदलते हालात के अनुसार तैयार कर सकें। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस जैसे कोर्स सामने आए हैं। यदि कोई विद्यार्थी मैनेजमेंट में रुचि रखता है और दुनिया भर में घूमने का इरादा भी रखता है, तो उसके लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है।

### क्या है एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस?

बढ़ते भूमंडलीकरण और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए इंटरनेशनल बिजनेस से जुड़े पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। अनेक कंपनियां, जो विदेशों में अपना व्यवसाय फैलाना चाहती हैं, ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में रहती हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिजनेस संभालने में कुशल हों और साथ ही किसी बिजनेस के लिए उपयोगी सिद्धांतों व अवधारणाओं से अवगत हों। विदेशों में व्यवसाय फैलाने में कई तरह के जोखिम होते हैं। इसलिए कंपनियां ऐसे उम्मीदवारों को ही पसंद करती हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल बिजनेस पढ़ा है। यह कोर्स ग्लोबल स्तर पर मौजूद संसाधनों की समझ विकसित करता है। इसमें यह सिखाया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय कर्मों की क्या जरूरतें होती हैं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। करियर के लिहाज से इसमें उपलब्ध अवसर और एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस की डिग्री वाले उम्मीदवारों को मिलने वाला पैकेज इस फील्ड को बेहद आकर्षक बना देता है। साथ ही इसमें दुनिया के विभिन्न देशों में घूमने और जहां भी अच्छा ऑफर मिले, वहां बस जाने का मौका मिल सकता है। इंटरनेशनल बिजनेस में एमबीए करने के बाद आपके लिए विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों हेतु काम करने के द्वार खुल जाते हैं। आपको अंतरराष्ट्रीय बाजार और आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी तमाम जानकारी प्राप्त हो सकती है।

### यहां से करें कोर्स

यह कोर्स कराने वाले प्रमुख भारतीय संस्थान हैं – इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, जेबीके बिजनेस स्कूल, एशियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, एशिया-पैसिफिक स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट आदि। इन भारतीय संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है। इसके अलावा यह डिग्री कराने वाले प्रमुख विदेशी संस्थान इस प्रकार हैं – आईएनएसईएडी (सिंगापुर), हारवर्ड बिजनेस स्कूल (अमेरिका), व्हार्टन स्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया (अमेरिका), लंदन बिजनेस स्कूल (ब्रिटेन) आदि।

### कहां मिलेगी जॉब?

एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस कर चुके उम्मीदवारों को जॉब देने के मामले में अग्रणी भारतीय कंपनियां इस प्रकार हैं – कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी, विप्रो, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस आदि। विदेशी संस्थानों की बात करें तो यहां आपको अच्छे ऑफर मिल सकते हैं- यूएस डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, इंटरनेशनल ट्रेड कमिशन, बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, वॉलमार्ट, जेपी मॉर्गन, मर्क आदि।

# क्या सिविल सर्विसेस आपका पैशन है?

**यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।**

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत ख्याल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप फोर्स और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

### क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

### क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

### क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

### क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

### क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई खयाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

### क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहे हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

### क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

### जडेजा-संजू सैमसन स्वैप डील पर सीएसके और राजस्थान रॉयल्स में अंतिम चरण की बातचीत

# आईपीएल 2026 से पहले ट्रेड मार्केट में हलचल

एजेंसियां । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन से पहले ट्रेड मार्केट में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन की अदला-बदली को लेकर बातचीत अपने अंतिम चरण में है. अगर यह सौदा पूरा होता है, तो यह आईपीएल इतिहास की सबसे हाई-प्रोफाइल ट्रेड डील में से एक होगी. दोनों खिलाड़ियों की कीमत 18-18 करोड़ रुपये है, जिससे यह सौदा सीधा खिलाड़ी-के-बदले-खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा था. हालांकि, सूत्रों के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स इस डील में एक अतिरिक्त खिलाड़ी शामिल करने की मांग कर रही है. यही बिंदु फिलहाल इस समझौते को अंतिम रूप देने में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है.

रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान रॉयल्स ने जडेजा के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज देवाल्ड ब्रेविस को भी इस डील का हिस्सा बनाने की इच्छा जताई है. 22 वर्षीय ब्रेविस को पिछले सीजन में सीएसके ने गुरजपनीत सिंह की चोट के बाद टीम में शामिल किया था. उन्होंने अब तक 16 मैचों में 28.44 की औसत से 455 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं. अपनी विस्फोटक

बल्लेबाजी के दम पर ब्रेविस वैश्विक टी20 लीगों में उभरते सितारे के रूप में पहचाने जा रहे हैं.

हालांकि सीएसके फ्रेंचाइजी इस सौदे में किसी और खिलाड़ी को शामिल करने के खिलाफ है. सूत्रों के मुताबिक टीम प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि ब्रेविस को ट्रेड का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा. फ्रेंचाइजी का मानना है कि जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी को गंवाना पहले ही एक बड़ा फैसला है, और इस डील में किसी अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ी को शामिल करना टीम संतुलन को प्रभावित कर सकता है. रिपोर्ट यह भी बताती है कि ट्रेड पर बातचीत शुरू करने से पहले सीएसके ने खुद रवींद्र जडेजा से सलाह ली थी. 36 वर्षीय जडेजा फ्रेंचाइजी के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक हैं और वर्षों से टीम की सफलता में अहम भूमिका निभा रहे हैं. उन्होंने अब तक 254 आईपीएल मुकाबलों में 27.86 की औसत से 3,260 रन बनाए हैं, जिसमें 5 अर्धशतक शामिल हैं. गेंद से भी उन्होंने 170 विकेट झटके हैं.

दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पिछले कुछ वर्षों में टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज रहे हैं. उनकी शांत कप्तानी और स्थिर बल्लेबाजी ने आरआर को प्रतिस्पर्धी टीम बनाए रखा है. अगर यह डील पूरी होती है, तो यह आईपीएल 2026 से पहले का सबसे बड़ा खिलाड़ी स्वैप साबित हो सकता है—जहां अनुभव और नेतृत्व की नई अदला-बदली दोनों टीमों के लिए नए अध्याय की शुरुआत करेगी.

### आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

# अर्जुन बाबूता एयर राइफल फाइनल में सातवें स्थान पर

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबूता ने काहिरा में चल रही अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) वर्ल्ड चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल के पहले दिन पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में सातवां स्थान हासिल किया. अर्जुन ने क्वालिफिकेशन राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 632.5 अंकों के साथ फाइनल में प्रवेश किया था. हालांकि फाइनल मुकाबले में वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और 145.0 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे. इस स्पर्धा में जर्मनी के मैक्सिमिलियन डैलिंगर ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि स्वीडन के मौजूदा विश्व चैंपियन विक्टर लिंडग्रेन ने रजत और चीन के ओलंपिक चैंपियन शेंग लिआओ ने कांस्य पदक जीता.

अर्जुन ने फाइनल की शुरुआत पहले सीरीज़ में 51.9 (10.6, 9.8, 10.6, 10.5, 10.4) अंकों से की और दूसरे सीरीज़ में 52.3 (10.6, 10.1, 10.7, 10.2, 10.7) अंक जुटाए. हालांकि 11वें शॉट में 9.7 का स्कोर आने से उनकी रैंकिंग नीचे खिसक गई और वे दूसरे शूटर के रूप में प्रतियोगिता से बाहर हो गए. वहीं, पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में भारत के अनिश भंवाला ने 291–11x के शानदार स्कोर के साथ पहले चरण की क्वालिफिकेशन के बाद सातवां स्थान प्राप्त किया.

### जोकोविच ने जीता हेलेनिक खिताब

# आगामी एटीपी फाइनल्स से लिया अपना नाम वापस

एजेंसियां । एथेंस

विश्व टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में शानदार जीत दर्ज करने के कुछ घंटों बाद ही अपने प्रशंसकों को चौंका दिया. उन्होंने चोट के कारण आगामी एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेने की घोषणा की.

जोकोविच ने हेलेनिक चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया. 38 वर्षीय सर्बियाई स्टार ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया. यह मुकाबला करीब तीन घंटे तक चला, जिसमें निर्णायक सेट में 13 ब्रेक प्वाइंट और पांच बार सर्विस ब्रेक देखने को मिले. इस जीत के साथ उन्होंने हार्ड कोर्ट पर अपना 72वां टूर-स्तरीय खिताब जीता और ओपन एरा में रोजर फेडरर की बराबरी कर ली.

मैच के बाद जोकोविच ने सोशल मीडिया पर लिखा, "मुझे दुख है कि चोट की वजह से एटीपी फाइनल्स से हटना पड़ रहा है. मुझे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी. मैं उन फैंस से माफी चाहता हूं, जो मुझे खेलते हुए देखने की उम्मीद कर रहे थे. आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है."

जोकोविच के हटने के बाद अब लोरेंजो मुसेट्टी को ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में मौका मिलेगा. यह लगातार दूसरा साल है जब जोकोविच चोट के कारण इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से बाहर हो रहे हैं. खिताबी जीत के बाद जोकोविच ने कहा, "मैं यह जीत ग्रीस के लोगों को समर्पित करता हूं. आपने मुझे घर जैसा महसूस कराया. इस खूबसूरत टूर्नामेंट को खास बनाने वाले सभी लोगों का धन्यवाद."

इंस्टाग्राम पर उन्होंने मुसेट्टी की तारीफ करते हुए लिखा, "क्या शानदार मुकाबला था. अविश्वसनीय प्रदर्शन और पूरे टूर्नामेंट के लिए बधाई. तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल है."

### 14 से शुरू होगी बहुप्रतीक्षित सीरीज, चुनौती के लिए तैयार टीम इंडिया

# टेस्ट में भारत और साउथ अफ्रीका आमने-सामने

एजेंसियां । नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज हारने के बाद टीम इंडिया ने टी20 सीरीज अपने नाम कर शानदार वापसी की. अब भारतीय टीम एक और बड़ी चुनौती के लिए तैयार है. 14 नवंबर से टीम इंडिया अपने ही घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ बहुप्रतीक्षित टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी. यह दौरा न केवल दोनों टीमों के लिए अहम साबित होगा, बल्कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भी निर्णायक रहेगा.

**टेस्ट सीरीज की शुरुआत कोलकाता से:** भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत 14 नवंबर से कोलकाता में होगी. यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम रहेगा क्योंकि इसी के साथ अगली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में अंक हासिल करने की दौड़ तेज होगी. सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा. घरेलू परिस्थितियों में भारत को यहां बढ़त हासिल करने का मौका रहेगा.

**वनडे सीरीज का पूरा कार्यक्रम:** टेस्ट सीरीज के बाद दोनों टीमें तीन वनडे मुकाबले खेलेंगी. पहला वनडे 30 नवंबर को रांची में आयोजित होगा. दूसरा मैच 3 दिसंबर को रायपुर में खेला जाएगा, जबकि तीसरा और अंतिम वनडे 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा. ये तीनों मुकाबले वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, जहां युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा.

**टी20 सीरीज से बढ़ेगा रोमांच:** भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी. पहला टी20 कटक में खेला जाएगा. दूसरा मुकाबला 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में होगा, जबकि तीसरा 14 दिसंबर को धर्मशाला के खूबसूरत मैदान में खेला जाएगा. चौथा मैच 17 दिसंबर को लखनऊ में और आखिरी टी20 मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा. इस सीरीज में भारत टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी तैयारियों को परखना चाहेगा.

**टीम इंडिया की घोषणा और नेतृत्व:** बीसीसीआई ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है. युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे. तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस बार चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाए हैं. टीम में रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल जैसे अनुभवी ऑलराउंडर संतुलन बनाएंगे, वहीं जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी की अगुवाई करेंगे. नई प्रतिभा आकाश दीप को भी मौका मिला है.

**भारत की टेस्ट टीम:** शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप.

# दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में द. अफ्रीका 'ए' 5 विकेट से जीता

एजेंसियां । बेंगलुरु

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सिलेंस ग्राउंड, बेंगलुरु में खेले गए दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में भारत 'ए' टीम को दक्षिण अफ्रीका 'ए' के हाथों 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी. दक्षिण अफ्रीका ने 417 रन का लक्ष्य 98 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया.

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज जॉर्डन हर्मनन (91) और लेसेगो सेनोक्वाने (77) ने 156 रन की शानदार साझेदारी कर टीम की मजबूत नींव रखी. इसके बाद जुबैर हमजा (77) और कप्तान टेंबा बवुमा (59) ने तीसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़कर जीत की दिशा तय कर दी. अंत में कॉनर एस्टरहुइजन (नाबाद 52) और तियान वैन वुरेन (नाबाद 20) ने 65 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई.

इससे पहले भारत 'ए' ने पहली पारी में ध्रुव जुरेल (नाबाद 132) के दम पर 255 रन बनाए, जबकि दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई. दूसरी पारी में जुरेल ने फिर नाबाद 127 रन बनाए और भारत ने 7 विकेट पर 382 रन बनाकर पारी घोषित की थी.

दोनों पारियों में शतक लगाने वाले ध्रुव जुरेल को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया, जबकि दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मार्कस एकरमैन, जिन्होंने पहली पारी में शतक जमाया था, प्लेयर ऑफ द मैच रहे.

दो अनाधिकारिक टेस्ट मैचों की यह सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई, जिससे आगामी सीनियर टीमों की टेस्ट सीरीज के रोमांचक होने के संकेत मिले.

# आरसीबी ने अन्या श्रुबसोल को बनाया असिस्टेंट कोच, फ्रेंचाइजी ने की पुष्टि

एजेंसियां । नई दिल्ली

विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की चैंपियन टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर और 2017 वर्ल्ड कप विजेता अन्या श्रुबसोल को अपनी नई असिस्टेंट कोच नियुक्त किया है. इस नियुक्ति के साथ ही श्रुबसोल पहली बार डब्ल्यूपीएल के किसी कोचिंग सेटअप का हिस्सा बनने जा रही हैं.

आरसीबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर घोषणा करते हुए लिखा, "एक चैंपियन, अब हमारी लड़कियों का मार्गदर्शन करने के लिए आगे आ रही हैं. इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज, 2017 महिला विश्व कप विजेता और फाइनल की 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहीं अन्या श्रुबसोल का आरसीबी परिवार में स्वागत करें. उनका अनुभव और चैंपियन मानसिकता आरसीबी के 'प्ले बोल्ड' दर्शन को और मजबूत बनाएगी." अन्या श्रुबसोल अब मलोलन रंगराजन के साथ काम करेंगी, जिन्हें हाल ही में टीम के नए हेड कोच के रूप में पदोन्नत किया गया है. रंगराजन ने 2024 में टीम के स्पिन कोच के रूप में काम किया था और अब उन्हें ल्यूक विलियम्स की जगह यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है.

यह बदलाव इसलिए हुआ क्योंकि विलियम्स बिग बैश लीग (बीबीएल) में एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं के चलते डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे. श्रुबसोल इंग्लैंड महिला क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल गेंदबाजों में से एक रही हैं. उन्होंने 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया. अपने करियर में उन्होंने इंग्लैंड के लिए 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट झटके. वह 2017 महिला विश्व कप फाइनल में भारत के खिलाफ इंग्लैंड की खिताबी जीत की नायिका रहीं, जहां उन्होंने छह विकेट लेकर मैच पलट दिया था.

सन्यास के बाद अन्या ने कोचिंग की दिशा में कदम बढ़ाया. वह इंग्लिश घरेलू सर्किट में सदर्न वाइपर्स टीम के साथ चार्लोट एडवर्ड्स के अधीन प्लेयर-असिस्टेंट कोच के रूप में कार्य कर चुकी हैं. अब आरसीबी के साथ यह उनका पहला बड़ा फ्रेंचाइजी कोचिंग अनुभव होगा. आरसीबी ने इस सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी से पहले अपनी चार मुख्य खिलाड़ियों को रिटेन करने की घोषणा भी की. फ्रेंचाइजी ने कप्तान स्मृति मंधाना, विकेटकीपर ऋचा घोष, ऑलराउंडर एलिस पेरी और युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल को टीम में बनाए रखा है.

स्मृति मंधाना, जिन्होंने डब्ल्यूपीएल 2024 में आरसीबी को ऐतिहासिक खिताब दिलाया था, अपनी कप्तानी जारी रखेंगी. उन्हें 3.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया है. ऋचा घोष को 2.75 करोड़ रुपये, जबकि ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी को 2 करोड़ रुपये में बरकरार रखा गया है. युवा स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को 60 लाख रुपये में रिटेन किया गया है.

# मेसी और अलेंदे की जोड़ी ने नैशविले को 4-0 से रौंदा

एजेंसियां । फोर्ट लॉडरडेल

इंटर मियामी ने एमएलएस कप प्लेऑफ के पहले राउंड की बेस्ट-ऑफ-3 सीरीज के निर्णायक मुकाबले में नैशविले साउथ कैरोलिना को 4-0 से मात देकर इतिहास रच दिया. इस जीत के साथ क्लब ने पहली बार ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के सेमीफाइनल में जगह बनाई. मुकाबले में कप्तान लियोनेल मेसी और अटैकर तादेओ अलेंदे हीरो बनकर उभरे, जिन्होंने दो-दो गोल दागे.

मुकाबले की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक रुख अपनाया. कप्तान मेसी ने 10वें मिनट में गोल दागकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई. यह 2025 एमएलएस सीजन में उनका 34वां गोल था. इसके बाद 39वें मिनट में मेसी ने एक और शानदार गोल करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया और हाफटाइम तक मियामी मजबूत स्थिति में पहुंच गया.

दूसरे हाफ में मियामी ने अपना दबदबा बनाए रखा. तादेओ अलेंदे ने 73वें मिनट में गोल दागकर टीम की बढ़त 3-0 कर दी. इस गोल में जोर्डी अल्बा ने शानदार असिस्ट दिया, जो उनके इस सीजन का 16वां असिस्ट रहा. इसी के साथ अलेंदे के इस सीजन में 13 गोल पूरे हो गए.

इसके कुछ ही मिनट बाद 76वें मिनट में मेसी की सटीक थ्रू बॉल पर अलेंदे ने शानदार चिप शॉट के जरिए अपना दूसरा गोल दागा और इंटर मियामी की 4-0 की जीत सुनिश्चित की. यह असिस्ट मेसी के करियर का 400वां असिस्ट साबित हुआ, जो उनके शानदार करियर में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है. अंतिम सीटी के साथ ही इंटर मियामी ने 4-0 के स्कोर से जीत दर्ज करते हुए एमएलएस कप प्लेऑफ के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस सेमीफाइनल में कदम रख दिया.

# मेलबर्न रेनेगेड्स ने ब्रिस्बेन हीट को डीएलएस नियम से 7 विकेट से हराया

एजेंसियां । ब्रिस्बेन

विमेंस बिग बैश लीग (डब्लूबीबीएल) 2025 की शुरुआत मेलबर्न रेनेगेड्स के शानदार प्रदर्शन के साथ हुई. टीम ने रविवार को खेले गए अपने पहले मुकाबले में ब्रिस्बेन हीट को डकवर्थ-लुईस (डीएलएस) नियम के आधार पर 7 विकेट से पराजित कर टूर्नामेंट का विजयी आगाज किया.

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रिस्बेन हीट की शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही. टीम ने 15 रन पर ही चार्ली नॉट का विकेट गंवा दिया, जो केवल 4 रन बनाकर आउट हो गईं. इसके बाद जेमिमा रोड्रिगेज और नादिन डी क्लार्क ने दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 38 रन जोड़कर पारी को संभालने की कोशिश की. जेमिमा मात्र 6 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जबकि नादिन डी क्लार्क ने 38 गेंदों में 1 छक्का और 5 चौकों की मदद से 40 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली. चिनेल हेनरी ने भी 29 रन का योगदान दिया, जिसकी बदौलत हीट टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 133 रन बनाए. रेनेगेड्स की ओर से कप्तान जॉर्जिया वेयरहैम, टेस फ्लिंटॉफ और एलिस कैप्सी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट हासिल किए.

बारिश के कारण मेलबर्न रेनेगेड्स की पारी में कटौती हुई और टीम को 8 ओवरों में 66 रन का लक्ष्य मिला. चेज की शुरुआत खराब रही और टीम ने 13 रन पर अपने तीन विकेट गंवा दिए. लेकिन इसके बाद कप्तान जॉर्जिया वेयरहैम और कोर्टनी वेब ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए चौथे विकेट के लिए 33 गेंदों में 53 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत तक पहुंचाया. कोर्टनी वेब ने 22 गेंदों में 5 चौकों की मदद से नाबाद 34 रन बनाए, जबकि वेयरहैम ने 13 गेंदों में 16 रन की नाबाद पारी खेली. ब्रिस्बेन हीट की ओर से सियाना जिंजर ने 2 विकेट लिए और लूसी हैमिल्टन को 1 सफलता मिली.

मेलबर्न रेनेगेड्स अपना अगला मुकाबला 11 नवंबर को सिडनी थंडर्स के खिलाफ खेलेगी, जबकि 14 नवंबर को टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स से भिड़ेगी. इस जीत के साथ रेनेगेड्स ने टूर्नामेंट में आत्मविश्वास के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है.

### उपलब्धि

### पीठ पर 60 पाउंड वजन के साथ 847 पुश-अप्स कर बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

# भारत के 'पुश-अप मैन' रोहताश ने रचा इतिहास

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारत के 'पुश-अप मैन' के नाम से मशहूर फिट इंडिया के एंबेसडर रोहताश चौधरी ने देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है. उन्होंने रविवार को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पीठ पर 60 पाउंड वजन के साथ एक घंटे में 847 पुश-अप्स कर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ रोहताश ने सीरिया के खिलाड़ी के नाम दर्ज 820 पुश-अप्स के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया और यह प्रतिष्ठित खिताब भारत के नाम किया. गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की आधिकारिक टीम ने मौके पर ही इस रिकॉर्ड की पुष्टि की. यह पल न केवल रोहताश के लिए बल्कि फिट इंडिया आंदोलन से प्रेरित हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण बना.

कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया भी मौजूद रहे, जिन्होंने रोहताश को सम्मानित किया. उन्होंने कहा, "रोहताश चौधरी फिट इंडिया की भावना के सच्चे प्रतीक हैं. उनका यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया, स्ट्रॉन्ग इंडिया' के विजन को साकार करता है. उनका समर्पण और अनुशासन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं."

अपनी उपलब्धि के बाद भावुक रोहताश ने कहा, "नवंबर 2024 में मैंने 704 वन-लेग पुश-अप्स का रिकॉर्ड बनाया था, जिसे प्रधानमंत्री को समर्पित किया. आज का यह नया रिकॉर्ड मैं हमारे सशस्त्र बलों और 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित करता हूं, जो राष्ट्र की शक्ति और एकता के प्रतीक हैं."

रोहताश ने युवाओं से फिटनेस को राष्ट्रीय कर्तव्य के रूप में अपनाने की अपील की. उन्होंने कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट न केवल स्वास्थ्य और अनुशासन का प्रतीक है, बल्कि यह प्रदूषण मुक्त और सक्रिय भारत की दिशा में एक सामाजिक आंदोलन बन चुका है. उन्होंने कहा, "हर रविवार साइकिल चलाकर फिटनेस को जीवनशैली बनाएं और देश को स्वस्थ और सशक्त बनाएं."

रोहताश की यह उपलब्धि भारतीय फिटनेस संस्कृति में एक नया अध्याय जोड़ती है, जो आने वाली पीढ़ियों को स्वास्थ्य और समर्पण का संदेश देती है.

# न्यूजीलैंड की रोमांचक जीत, वेस्टइंडीज पर 9 रन से विजय के साथ सीरीज में बढ़त

एजेंसियां । नेल्सन

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 9 रन से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली. इस मुकाबले में कीवी टीम ने एक बार फिर बेहतरीन सामूहिक प्रदर्शन किया और मेहमान टीम को जीत से दूर रखा.

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 177 रन बनाए. टिम रॉबिनसन और डेवोन कॉन्वे ने शानदार शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 5.5 ओवर में 47 रन जोड़े. रॉबिनसन 21 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कॉन्वे ने अपने तजुर्बे का पूरा फायदा उठाते हुए 34 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 56 रन बनाए. उनके साथ रचिन रवींद्र ने तेजतर्रार 15 गेंदों में 26 रन जोड़े. अंत में डेरिल मिचेल ने भी 41 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली जिससे टीम 170 के पार पहुंची.

वेस्टइंडीज की ओर से मैथ्यू फोर्ड और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट लिए, जबकि रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर को एक-एक सफलता मिली. लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम की शुरुआत बेहद खराब रही. सलामी बल्लेबाज आमिर जंगू 5 रन और कप्तान शाई होप मात्र 1 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए. टीम ने 15 रन तक अपने दो विकेट गंवा दिए. इसके बाद एकीम ऑगस्टे और एलिक अथानाजे ने तीसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े. अथानाजे ने 23 गेंदों में 31 रन बनाए जबकि ऑगस्टे ने 27 रन का योगदान दिया. पारी के अंत में रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर ने नौवें विकेट के लिए 39 गेंदों पर 78 रन जोड़कर मैच को रोमांचक बना दिया. शेफर्ड ने 34 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 49 रन बनाए, वहीं स्प्रिंगर ने 39 रन जोड़े. लेकिन अंततः टीम 19.5 ओवर में 168 रन पर सिमट गई.

न्यूजीलैंड के लिए जैकब डफी और ईश सोढ़ी ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि काइल जेमीसन, मिचेल ब्रेसवेल और मिचेल सेंटनर ने एक-एक विकेट झटके.

न्यूज अपडेट

### जब तक बिहार में रोजगार नहीं मिलेगा पलायन नहीं रुकेगा: तारिक अनवर

**कटिहार।** कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य सह कटिहार सांसद तारिक अनवर ने बिहार की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार में पिछले 20 वर्षों में राज्य का विकास नहीं हुआ है, खासकर कानून व्यवस्था, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मामले में. रविवार को कटिहार में प्रेसवार्ता कर उन्होंने कहा कि जब तक बिहार में रोजगार नहीं मिलेगा, पलायन रुकेगा नहीं. बिहार की तुलना अन्य राज्यों से करते हुए उन्होंने कहा कि सभी राज्यों का विकास हुआ है, लेकिन बिहार अभी भी पीछे है. केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए तारिक अनवर ने कहा कि सरकार सिर्फ झूठे वादे करती हैं और बिहार के लिए कुछ नहीं करती हैं. उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता है. उन्होंने आगे कहा कि जब तक सरकारें बिहार के विकास के लिए ठोस कदम नहीं उठाएंगी, तब तक राज्य की स्थिति नहीं सुधरेगी.

### हरिहर क्षेत्र मेला: परंपरा, आस्था और आधुनिकता का अनोखा संगम

**पटना।** बिहार के सारण जिले में गंगा और नारायणी गंडक के पावन संगम पर स्थित हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला सदियों से आस्था, संस्कृति, परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता आ रहा है. यह मेला न केवल बिहार बल्कि पूरे भारतवर्ष और पड़ोसी देशों के लिए भी आस्था, व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का केंद्र रहा है. कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाला यह मेला भारतीय लोकजीवन की गहराई और विविधता को सजीव रूप में प्रदर्शित करता है. सोनपुर मेले का इतिहास पौराणिक काल तक जाता है. लोकमान्यता है कि इसी पवित्र भूमि पर भगवान विष्णु ने हरि और हर (शिव) का रूप धारण कर गज (हाथी) और ग्राह (मगर) की लड़ाई के दौरान गज की रक्षा की थी. इसीलिए इस क्षेत्र को हरिहर क्षेत्र कहा जाता है. हरिहरनाथ मंदिर, जो मेले का केंद्र बिंदु है, आस्था और भक्ति का प्रतीक है. कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लाखों श्रद्धालु गंगा-गंडक संगम में स्नान कर हरिहरनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं.

### बिहार में एनडीए की लहर है: चिराग

**पूर्णिया।** बिहार में पूर्णिया जिले के कसबा विधानसभा में आयोजित चुनावी सभा में लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने एनडीए उम्मीदवार नितेश कुमार सिंह के पक्ष में जनसमर्थन जुटाया. उन्होंने कहा कि इस बार के रुझानों से साफ है कि बिहार में भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनने जा रही है, इसलिए कसबा में भी एनडीए के प्रत्याशी नितेश सिंह को ऐतिहासिक जीत दिलानी चाहिए. इसी दौरान उन्होंने नितेश सिंह को जीत की माला पहनाई और जनता से एकजुट होकर समर्थन की अपील की. कसबा विधानसभा इस चुनाव में खासा चर्चा में है, क्योंकि यहां एनडीए के नितेश सिंह का मुकाबला इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी इरफान आलम से है. कांग्रेस के समर्थन में राहुल गांधी सहित कई बड़े नेताओं की जनसभाएं हो चुकी हैं, वहीं एनडीए लगातार क्षेत्र में अपना प्रचार अभियान तेज किए हुए है. सभा को संबोधित करते हुए नितेश सिंह ने कहा कि वे विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं. उन्होंने कहा, "मैं विकास पसंद आदमी हूं, और यदि जनता का आशीर्वाद मिला तो कसबा विधानसभा को विकास के हर मानक पर आगे ले जाऊंगा."

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सासाराम में जनसभा को संबोधित किया, कहा

## मोदी-नीतीश की जोड़ी ही बिहार को विकसित बनाएगी

शुभम संदेश। पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजग उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार के अंतिम दिन सासाराम, न्यू स्टेडियम में चुनावी सभाओं को संबोधित किया. कहा कि मोदी-नीतीश की जोड़ी ही बिहार को विकसित बनाएगी. यही जोड़ी बिहार को देश के नंबर वन राज्य बनाएगी. जब केंद्र में मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और लालू की सरकार थी, तब आतंकवादी हमारी धरती पर अपनी मर्जी से हमला करते थे. इसके उलट, अब हम आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मार रहे हैं. यह बातें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कही. कहा कि ₹भविष्य में अगर पाकिस्तान के आतंकवादी फिर से हमला करने की हिम्मत करते हैं तो उनकी गोलियों का जवाब मोर्टार के गोले से दिया जाएगा. क्या आपको पता है कि ये मोर्टार गोले कहां बनाए जाएंगे? बिहार में, सासाराम में, क्योंकि मोदी यहां एक रक्षा गलियारा बनाने जा रहे हैं. अमित शाह ने कांग्रेस और राजद पर अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को रोकने की कोशिश करने के लिए भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि जहां 550 साल पहले मुगल सम्राट बाबर ने कथित तौर पर एक प्राचीन हिंदू मंदिर को ध्वस्त कर दिया था. आज, मोदी के सत्ता में आने पर, उस स्थान पर एक आसमान छूता मंदिर बनाया गया है. मैं आपको चल रहे चुनावों के नतीजे पहले ही बता सकता हूं. यह राज्य में मेरी 37वीं रैली है और मैं कह सकता हूं कि लालू जी और उनके सहयोगियों का पहले चरण में ही सफाया हो जाएगा. कहा कि 14 नवंबर को बिहार में कांग्रेस-लालू प्रसाद का सुपर साफ हो जाएगा और भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनने वाली है. उन्होंने लोगों से पूछा कि आपको कट्टा लहराने वाली सरकार चाहिए या पाकिस्तान पर गोली बरसाने वाली सरकार. कहा कि महागठबंधन की सरकार बनेगी तो बिहार में घुसपैठी बोर्ड बनाएगी यह दोनों बिहार में घुसपैठियों को घुसना चाहते हैं घुसपैठियों के जरिए यह लोग बिहार के युवाओं का रोजगार व गरीब लोगों का अनाज छीनना चाहते हैं.

अमित शाह ने राहुल-तेजस्वी की यात्रा पर तंज करते हुए कहा कि उन्होंने किसान युवाओं व पिछड़ा के लिए यात्रा नहीं निकाल बल्कि घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्रा निकाली थी. अमित शाह ने चुनौती देते हुए कहा कि चाहे जितना यात्रा निकाल दीजिए बिहार और देश से एक-एक घुसपैठी को सरकार बाहर करेगी. उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में एनडीए की लहर चल रही है. रोहतास की सातों विधानसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी को विजयी बनाना है. उन्होंने सासाराम के राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रत्याशी स्नेह लता कुशवाहा, चेनारी से लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रत्याशी मुरारी प्रसाद गौतम को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की. कार्यक्रम को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी संबोधित किया और कहा कि अपना एक-एक मत राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रत्याशी स्नेह लता कुशवाहा, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रत्याशी मुरारी प्रसाद गौतम को देकर विजयी बनाएं. कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष संतोष पटेल तथा संचालन राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला अध्यक्ष कपिल कुशवाहा ने किया.

## विकास और गरीबों का कल्याण एनडीए ही कर सकता है: आदित्यनाथ

**अररिया।** द्वितीय चरण के तहत 11 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार में अररिया जिले के सिकटी स्थित धर्मगंज मेला मैदान और नरपतगंज हाईस्कूल के मैदान में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा की. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि आस्था का सम्मान,विकास और गरीबों का कल्याण एनडीए ही कर सकता है. योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कहा वह करके दिखाया. अयोध्या में राम मंदिर की लड़ाई चल रही थी तो बिहार के राम भक्त रामलला मंदिर के निर्माण में नारा लगा कर पहुंच रहे थे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग कहते थे राम मंदिर नहीं बनने दिया जाएगा और इसके लिए उन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा भी दे रखा था. राजद ने राम मंदिर के रथ यात्रा को बिहार में रोक दिया था और राजद के पार्टनर समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में राम भक्तों पर लाठी बरसाकर लहूलुहान कर रहा था. सीएम योगी ने कहाकि अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है. अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया गया तो रेन बसेरा का नाम निषाद राज के नाम से किया गया है. राम मंदिर के लिए बनने वाली प्रसाद जहां तैयार किया जाता है, वह माता सबरी के नाम पर है. उन्होंने कहा कि अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महाकवि तुलसीदास का मंदिर बन गया है. जटायु की प्रतिमा के साथ ही सेतुबंध निर्माण में गिलहरी के योगदान पर गिलहरी की भी प्रतिमा स्थापित की गई है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा की 25 नवंबर को प्रधानमंत्री अयोध्या धाम आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम और माता जानकी आज विराजमान है. अयोध्या में राम का मंदिर बना तो सीतामढ़ी में मां जानकी का मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में साढ़े आठ साल से न कर्फ्यू है और न दंगा.

## तेजस्वी यादव का 37वां जन्मदिन, परिवार और समर्थकों ने दी बधाई

शुभम संदेश। पटना

नेता प्रतिपक्ष और महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव 37 वर्ष के हो गए हैं. उनका जन्म 9 नवंबर 1989 को बिहार के गोपालगंज जिले में हुआ था. तेजस्वी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के सबसे छोटे बेटे हैं. नौ भाई-बहनों में सबसे छोटे तेजस्वी ने प्रारंभिक शिक्षा पटना में प्राप्त की और बाद में बड़ी बहन मीसा भारती के साथ दिल्ली चले गए. उन्होंने दिल्ली पब्लिक स्कूल, वसंत विहार से प्राथमिक शिक्षा ली और फिर डीपीएस आर.के.पुरम में पढ़ाई जारी रखी. दसवीं कक्षा के बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी और खेलों में करियर बनाने का निर्णय लिया. बाद में उन्होंने क्रिकेट से भी अलग होकर राजनीति में कदम रखा. आज तेजस्वी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं. तेजस्वी यादव का जन्मदिन चुनावी हलचल के बीच मनाया जा रहा है. हालांकि, दूसरे चरण के बिहार चुनाव प्रचार का अंतिम दिन होने के कारण वे दिनभर चुनावी सभाओं और प्रचार में व्यस्त रहे. लेकिन रात 12 बजे के आसपास उन्होंने अपने परिवार के साथ केक काटकर जन्मदिन की शुरुआत की.

लालू परिवार और राजद पार्टी के भीतर उत्साह का माहौल देखा गया. तेजस्वी की बड़ी बहन रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ₹उम्र कच्ची, मगर नियत सच्ची और जुबान पक्की...कर्मवीर-कर्तव्यनिष्ठ हमारा भाई तेजस्वी. तुम्हारा हर सपना साकार हो. तुम बिहार के नौजवानों और सभी बिहारवासियों के सपनों को हकीकत में बदलो. तुम जनता और जम्हूरियत की ढाल बनो.₹ इसके साथ ही परिवार ने तेजस्वी को ढेर सारा प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाएँ दीं. तस्वीरों में राबड़ी देवी, रोहिणी आचार्य, मीसा भारती, तेजस्वी के भांजे-भांजी और उनकी पत्नी राजश्री यादव नजर आए. मीसा भारती ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, ₹जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएँ और आशीर्वाद भाई. तुम हमेशा स्वस्थ, प्रसन्न और सफल रहो. जीवन के हर पड़ाव पर तुम्हारी मेहनत, लगन और सच्चाई तुम्हें नई ऊँचाइयों तक पहुँचाए. ईश्वर तुम्हें वो शक्ति दे कि तुम अपने सपनों को साकार कर सको और हर आशावान का गर्व बनो.₹ आज का दिन तेजस्वी यादव के लिए खास रहा, क्योंकि वे न केवल अपने जन्मदिन का जश्न मनाएंगे, बल्कि बिहार चुनाव के प्रचार में भी सक्रिय रहे. परिवार और समर्थकों का उत्साह इस अवसर को और भी खास बना रहा है.

## नेहा शर्मा के रोड शो में उमड़ी भीड़, अपने पिता अजीत शर्मा के लिए मांगा समर्थन

**भागलपुर।** बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण को लेकर प्रचार अपने चरम पर है. रविवार को अंतिम दिन भागलपुर में बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने अपने पिता और कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा के समर्थन में रोड शो किया. चुनावी माहौल में नेहा की मौजूदगी ने भागलपुर का सियासी तापमान और बढ़ा दिया है. यह रोड शो दोपहर 2 बजे के बाद बूढ़ानाथ से शुरू हुआ और शहर के प्रमुख इलाकों से गुजरते हुए स्टेशन तक पहुंचा. तय मार्ग के अनुसार नेहा शर्मा का काफिला नया बाजार, सराय, साहेबगंज, नरगा चौक, चंपा नगर विषहरी स्थान चौक, चंपा नगर, मेदनी नगर चौक, नाथनगर, परबत्ती और तातारपुर चौक होते हुए आगे बढ़ा. रोड शो के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ देखी गई. माना जा रहा है कि नेहा शर्मा की लोकप्रियता और ग्लैमर फैक्टर से अजीत शर्मा के अभियान को नई ऊर्जा मिलने की संभावना है. उल्लेखनीय है कि पिछले विधानसभा चुनाव में भी नेहा ने भागलपुर में रोड शो कर पिता के लिए वोट मांगे थे, जिसका उन्हें लाभ मिला था. हालांकि, इस बार अजीत शर्मा भागलपुर सीट से लगातार तीसरी बार मैदान में हैं और उनका सीधा मुकाबला भाजपा प्रत्याशी रोहित पांडेय से है. चुनाव प्रचार के अंतिम दिन नेहा शर्मा की मौजूदगी से कांग्रेस खेमे में जोश का माहौल है.

## रिमोट से चलती है नीतीश सरकार: मुकेश साहनी

**भागलपुर।** जिले के खरीक प्रखंड क्षेत्र के पाटीदारपुर पंचायत स्थित अठगामा महर्षि मेंही उच्च माध्यमिक विद्यालय में रविवार के दिन लगभग 12:30 बजे वीआईपी के प्रमुख मुकेश साहनी ने बिहपुर विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के वीआईपी प्रत्याशी अर्पणा कुमारी के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज आप लोगों से वीआईपी प्रत्याशी अर्पणा कुमारी के लिए नाव छाप में वोट मांगने आए हैं. उन्होंने कहा कि बिहार में जो बदलाव की बयार चल रही है, उसमें आप लोग भी भागीदारी बने. जिस तरह से आप लोगों के पूर्वजों ने अंग्रेज से लड़ाई लड़ी और आजादी दिलाई इस तरह से बिहार में एक बड़ी पार्टी से लड़ाई चल रही है.

कारोबार

### सुजुकी मोटर गुजरात और मारुति सुजुकी इंडिया के विलय को एनसीएलटी की मंजूरी

नई दिल्ली. राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के साथ सुजुकी मोटर गुजरात के विलय को मंजूरी दे दी है. मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने रेगुलेटरी फाइलिंग को बताया कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की दिल्ली स्थित दो सदस्यीय पीठ ने सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (हस्तांतरणकर्ता कंपनी) और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (हस्तांतरिती कंपनी) की संयुक्त याचिका को मंजूरी दे दी है. पीठ ने इस विलय योजना के लिए नियत तारीख एक अप्रैल, 2026 प्रस्तावित की है.

### सामान्य नागरिकों के लिए 8.05% तक फिक्स्ड डिपॉजिट ब्याज

**नयी दिल्ली।** कुछ बैंक अभी भी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर आकर्षक ब्याज दरें दे रहे हैं. सामान्य नागरिकों (60 साल से कम उम्र वाले) के लिए पांच साल की एफडी पर अधिकतम 3 करोड़ रुपये तक 8.05% तक का ब्याज उपलब्ध है. यह जानकारी 6 नवंबर 2025 तक के आंकड़ों पर आधारित है. सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक सामान्य नागरिकों को पांच साल की एफडी पर 8.05% का ब्याज दे रहा है. इसी तरह, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक पांच साल की एफडी पर 8% का ब्याज प्रदान कर रहा है. वहीं, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक सामान्य नागरिकों को पांच साल की एफडी पर 7.25% तक का ब्याज दे रहा है. हालांकि, स्मॉल फाइनेंस बैंकों में जमा राशि पर ध्यान देने योग्य कुछ विशेषताएं हैं.

नवंबर में भारतीय शेयर बाजार से 12,569 करोड़ रुपये की निकासी

## विदेशी निवेशकों की बिकवाली फिर शुरू

एजेंसी। नयी दिल्ली

अक्टूबर में कुछ विराम के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार में फिर से बिकवाली शुरू कर दी है. नवंबर 2025 के पहले सप्ताह तक ही एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 12,569 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है. यह संकेत देता है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और जोखिम-रहित संपत्तियों की ओर बढ़ती प्रवृत्ति ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में एफपीआई ने शेयरों में 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था, जो कई महीनों की लगातार निकासी के बाद आया था. वहीं, पिछले तीन महीनों में एफपीआई ने भारी निकासी की थी—सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये. जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने बताया कि नवंबर की बिकवाली हर कारोबारी दिन जारी रही. उन्होंने कहा कि नई बिकवाली की प्रवृत्ति ने इस साल अन्य प्रमुख बाजारों की तुलना में भारत के कमजोर प्रदर्शन में योगदान दिया है. विजयकुमार ने यह भी बताया कि 2025 में एफपीआई गतिविधियों की एक प्रमुख विशेषता निवेश प्रवाह में विविधता रही है. हेज फंड भारत में बिकवाली कर रहे हैं, जबकि अमेरिका, चीन, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे एआई-संचालित तेजी के लाभार्थी माने जाने वाले बाजारों में निवेश कर रहे हैं.

उन्होंने कहा, ₹भारत को वर्तमान में एआई-आधारित कमजोर प्रदर्शन करने वाला देश माना जा रहा है, और यही धारणा एफपीआई की रणनीति को आकार दे रही है.₹ हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि एआई-संबंधित मूल्यांकन पहले से ही बढ़ा हुआ है और वैश्विक प्रौद्योगिकी शेयरों में संभावित बुलबुले का खतरा भारत में निरंतर बिकवाली को सीमित कर सकता है. एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकार जावेद खान ने भी इस दृष्टिकोण को साझा किया. उन्होंने कहा कि वैश्विक तकनीकी शेयरों में बिकवाली के बीच एफपीआई ने नवंबर के पहले सप्ताह में भारतीय शेयरों में निकासी की. भारतीय कंपनियों के वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के परिणाम उम्मीद से बेहतर रहे, खासकर मध्यम आकार के खंड में, लेकिन वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण विदेशी निवेशक निकट भविष्य में जोखिम भरी संपत्तियों के प्रति सतर्क रह सकते हैं. 2025 में अब तक, एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है. इसके अलावा, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,758 करोड़ रुपये निकाले, जबकि स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग के माध्यम से 1,416 करोड़ रुपये का निवेश किया.

### त्योहारी सीजन में बैंकों ने घटा दी है लोन दर

नयी दिल्ली। त्योहारी मौसम में बैंकों ने कर्ज की दरों में कटौती कर ग्राहकों को राहत दी है. सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के नए ऋणों की औसत ब्याज दर तेजी से घटकर 8.5% हो गई, जो अगस्त की तुलना में 0.24 फीसदी कम है. इस साल रेपो दर में एक फीसदी की कटौती और त्योहारी मांग के कारण यह सुधार ग्राहकों के लिए तोहफे जैसा साबित हुआ. फरवरी से सितंबर के बीच बैंकों ने कर्ज पर कुल 0.83 फीसदी और जमा पर 1.02 फीसदी की कटौती की है. हालांकि लगातार पांच महीनों तक जमा पर ब्याज दर में कटौती के बाद सितंबर में बैंकों ने मामूली बढ़ोतरी की है.

बैंकों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कई ऑफर भी पेश किए. बैंक ऑफ बड़ौदा ने 28 अगस्त से खुदरा ऋण दरों में 0.25 से 0.70 फीसदी की कटौती की, जबकि आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी और एसबीआई ने भी सीमांत निधि आधारित उधार दर में 0.05 से 0.15 फीसदी तक कटौती की.

### सेंसेक्स की शीर्ष कंपनियों के मार्केट कैप में भारी नुकसान

**नयी दिल्ली।** पिछले सप्ताह गुरुवार को गुरु नानक जयंती के कारण शेयर बाजार बंद रहने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी देखने को मिली. बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 722.43 अंक या 0.86 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 229.8 अंक या 0.89 प्रतिशत नीचे आया. सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से सात कंपनियों का कुल मार्केट कैप मिलाकर 88,635.28 करोड़ रुपये घट गया. सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में देखा गया. इसके विपरीत, केवल दो सरकारी कंपनियों, लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (एलआईसी) और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), के मार्केट कैप में तेजी दर्ज की गई. सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में गिरावट आई. भारती एयरटेल का मार्केट कैप 30,506.26 करोड़ रुपये घटकर 11,41,048.30 करोड़ रुपये पर आ गया. टीसीएस का मूल्यांकन 23,680.38 करोड़ रुपये घटकर 10,82,658.42 करोड़ रुपये रह गया.

### भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने निवेशकों को चेताया: डिजिटल गोल्ड में निवेश है जोखिम भरा

**नयी दिल्ली।** भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों को डिजिटल गोल्ड में निवेश को लेकर चेतावनी दी है. सेबी ने कहा है कि डिजिटल गोल्ड या ई-गोल्ड प्लेटफॉर्मों के जरिए किया गया निवेश पूरी तरह से सुरक्षित नहीं माना जा सकता, क्योंकि ये प्लेटफॉर्म मौजूदा नियामक ढांचे के बाहर हैं. एडवाइजरी में सेबी ने स्पष्ट किया कि निवेशक पारंपरिक और नियामक रूप से मान्यता प्राप्त माध्यमों जैसे गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स के जरिए ही सोने में निवेश कर सकते हैं. डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निवेश करने से पहले निवेशकों को इसके जोखिमों की पूरी जानकारी होनी चाहिए. सेबी की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब एप आधारित और ऑनलाइन गोल्ड निवेश तेजी से बढ़ रहा है. डिजिटल गोल्ड निवेश प्लेटफॉर्मों पर पारदर्शिता की कमी, मूल्य निर्धारण में उतार-चढ़ाव और भुगतान सुरक्षा से जुड़े मुद्दे मौजूद हो सकते हैं. सेबी ने निवेशकों से सतर्क रहने और बिना पूरी जानकारी के डिजिटल गोल्ड में निवेश से बचने की अपील की है. नियामक ने यह भी कहा कि यदि निवेशक इन प्लेटफॉर्मों में निवेश करते हैं, तो वे स्वयं अपने जोखिमों के लिए जिम्मेदार होंगे.

अच्छी खबर

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी नाथद्वारा में बनाएंगे आधुनिक सेवा सदन

## श्रीनाथजी मंदिर में दिया 15 करोड़ रु का दान

एजेंसी। नयी दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज (रिल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने राजस्थान के प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल नाथद्वारा में एक आधुनिक यात्री एवं वरिष्ठ सेवा सदन बनाने की घोषणा की है. इस अवसर पर अंबानी ने श्रीनाथजी मंदिर में 15 करोड़ का दान भी दिया. उन्होंने श्रीनाथजी की भोग-आरती दर्शन किए और पूज्य गुरु विशाल बावा साहेब से आशीर्वाद प्राप्त किया. नई परियोजना का उद्देश्य तीर्थयात्रियों और वरिष्ठ वैष्णव भक्तों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराना है. इस सेवा सदन में 100 से अधिक कमरे, 24 घंटे की मेडिकल यूनिट, नर्सिंग और फिजियोथेरेपी सेवाएं, सत्संग एवं प्रवचन हॉल, और पुष्टिमार्ग पर आधारित थाल-भोजन व्यवस्था शामिल होगी. मुकेश अंबानी ने इस अवसर पर कहा, "हमें गर्व होना चाहिए कि हम वैष्णव हैं और सनातन धर्म एवं आचार्य परंपरा के अनुयायी हैं." उनके छोटे पुत्र अनंत अंबानी भी इस परियोजना से सीधे जुड़े हुए हैं. परियोजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नाथद्वारा आने वाला हर भक्त सेवा, सम्मान और भक्ति से भरे वातावरण में ठहर सके.

यह सेवा सदन लगभग 50 करोड़ की लागत से तैयार होगा और अगले तीन वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है. मुकेश अंबानी की संपत्ति और वित्तीय स्थिति भी चर्चा में रही. ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के अनुसार, उनकी नेटवर्थ 103 अरब डॉलर है. दुनिया के अमीरों की सूची में वे 18वें स्थान पर हैं. इस साल उनकी नेटवर्थ में 12.8 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है. सूची में अमेरिका के एलन मस्क 449 अरब डॉलर के साथ पहले स्थान पर हैं. मुकेश अंबानी की इस पहल से न केवल नाथद्वारा तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि यह वैष्णव धर्म और सनातन परंपरा के प्रति उनके समर्पण को भी दर्शाती है. सेवा सदन में आने वाले भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव के साथ उच्च स्तर की सेवाएं भी मिलेंगी, जिससे यह परियोजना धार्मिक पर्यटन और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी.

## अगले सप्ताह होगी आईपीओ की धूम पांच कंपनियों की सब्सक्रिप्शन खुलेगी

**नयी दिल्ली।** अगले हफ्ते शेयर बाजार में आईपीओ की जोरदार गतिविधि देखने को मिलेगी. 11 नवंबर से 14 नवंबर के बीच कुल पांच नए आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुले रहेंगे. इनमें तीन बड़े आईपीओ मेनबोर्ड पर आएंगे, जबकि दो एसएमई सेगमेंट में लिस्ट होंगे. इन आईपीओ के जरिए कंपनियां कुल 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाने की योजना बना रही हैं. ये कंपनियां अलग-अलग सेक्टर से जुड़ी हैं, जैसे एजुकेशन, क्लीन एनर्जी, ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी और फार्मा. मेनबोर्ड में आने वाले प्रमुख आईपीओ में फिजिक्सवाला, टेनको क्लिन एयर इंडिया और एमवी फोटोवोल्टेक पावर शामिल हैं. फिजिक्सवाला का आईपीओ 11 नवंबर को खुलेगा. यह एडुटेक कंपनी का आईपीओ 3,480 करोड़ रुपये का है, जिसकी कीमत 103 से 109 रुपये प्रति शेयर तय की गई है. सब्सक्रिप्शन 13 नवंबर तक खुलेगा. इसके शेयर बीएसई और एनएसई दोनों पर लिस्ट होंगे. कंपनी इस राशि का इस्तेमाल अपने टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म को मजबूत करने, लर्निंग सेंटर का विस्तार और आवश्यक अधिग्रहण के लिए करेगी. वर्तमान में इसके शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम 5 रुपये यानी करीब 4.58% है. यह हाल के वर्षों में सबसे बड़े एडुटेक लिस्टिंग में से एक माना जा रहा है. टेनको क्लिन एयर इंडिया का आईपीओ 12 नवंबर से खुलेगा और 14 नवंबर को बंद होगा. यह 3,600 करोड़ रुपये का पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल आईपीओ है. शेयर की कीमत 378 से 397 रुपये प्रति शेयर तय की गई है. यह कंपनी ग्लोबल ऑटोमोटिव सिस्टम लीडर टेनको इंक की सहायक कंपनी है.

### वैश्विक अनाज उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि

**नयी दिल्ली।** संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार इस साल वैश्विक अनाज उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है. रिपोर्ट में बताया गया है कि मक्का, गेहूं और चावल तीनों प्रमुख अनाजों की पैदावार में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी. मक्का की फसल में सबसे अधिक उछाल देखने को मिलेगा, जबकि चावल की वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम होगी, फिर भी यह अपने ऐतिहासिक उच्च स्तर तक पहुंच सकती है. इसके साथ ही जौ और अन्य अनाजों के उत्पादन में भी इजाफा होने की उम्मीद जताई गई है. कुल अनुमानित उत्पादन में 4.4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ यह 299 करोड़ टन तक पहुंच सकता है, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड होगा. यह उपलब्धि इस समय हो रही है जब दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य मुद्रास्फीति, जलवायु संकट और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी समस्याएं बनी हुई हैं.

## न्यूज अपडेट

### 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' बनाने के लिए संविधान में बदलाव की तैयारी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की सरकार सेना प्रमुख असीम मुनीर को 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' (सीडीएफ) बनाने के लिए संविधान में बदलाव की तैयारी कर रही है. सरकार ने संसद में 27वें संविधान संशोधन विधेयक के तहत अनुच्छेद 243 में संशोधन का प्रस्ताव पेश किया है, जिससे सेना प्रमुख की शक्तियां संवैधानिक रूप से बढ़ जाएंगी. सरकार का दावा है कि यह बदलाव देश की सुरक्षा आवश्यकताओं और सैन्य कमान-संरचना को आधुनिक बनाने के लिए है. कानून मंत्री आजम नजीर तारड़ ने यह विधेयक सीनेट में पेश किया. प्रस्ताव में कुल 49 धाराएं हैं और यह पांच मुख्य विषयों को संबोधित करता है.

### लिस्बन में हजारों लोगों का श्रम सुधारों के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन

**लिस्बन।** पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में शनिवार को हजारों लोगों ने केंद्र-दक्षिणपंथी सरकार की नई श्रम सुधार नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया. यह विरोध देश के प्रमुख मजदूर संघ द्वारा आयोजित किया गया था, जिसने सरकार से इन प्रस्तावित सुधारों को तुरंत वापस लेने की मांग की. यूनियन का कहना है कि ये नीतियां कामगारों के अधिकारों को कमजोर करेंगी और रोजगार को असुरक्षित बनाएंगी. प्रदर्शनकारियों ने बैनर पर 'श्रम पैकेज को ना' लिखा और वेतन वृद्धि की भी मांग की. सरकार के प्रस्तावित कानून कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की प्रक्रिया आसान बनाएंगे. इसके अलावा, स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए लचीले कार्य समय की अवधि घटाने और गर्भपात के बाद शोक अवकाश कम करने जैसी नीतियों को लेकर भी नाराजगी है.

### ताइवान-चीन तनाव : सैन्य गतिविधि बढ़ी

**ताइवान।** ताइवान और चीन के बीच तनाव फिर बढ़ गया है. ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि उसने अपने आसपास 10 चीनी सैन्य विमानों और 10 नौसैनिक जहाजों की गतिविधि दर्ज की. इनमें से चार विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा पार कर उत्तर और दक्षिण-पश्चिमी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया. मंत्रालय ने कहा कि #ROCArmedForces लगातार स्थिति पर नजर रख रही है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं. इससे पहले शनिवार को भी ताइवान ने 18 चीनी सैन्य विमान, 7 नौसैनिक जहाज और 1 सरकारी जहाज अपनी सीमा के आसपास देखा था. इनमें से 10 विमानों ने ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया. शुक्रवार को चीन की ओर से सबसे बड़ी सैन्य गतिविधि दर्ज की गई थी.

### कराची शहर में इन दिनों स्मॉग की मार : स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के कराची शहर में इन दिनों न्यूनतम तापमान में गिरावट और घने स्मॉग ने लोगों की जिंदगी मुश्किल कर दी है. मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह कोहरा नहीं बल्कि खतरनाक स्मॉग है, जो मुख्य रूप से ठंडी हवा में धीमी गति और शहर में चल रहे निर्माण कार्यों की धूल के कारण बन रहा है. कोहरे के लिए नमी जरूरी होती है, जबकि कराची में सुबह और शाम नमी केवल 16-17% रही. शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स शुक्रवार को दुनिया में चौथे सबसे प्रदूषित शहर के रूप में दर्ज हुआ.

### मुंबई में एमएसआरटीसी की बस से धुआं निकलने से मची अफरातफरी

**मुंबई।** माटुंगा इलाके में शनिवार शाम महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की एक 'शिवशाही' बस में अचानक धुआं निकलने से अफरातफरी मच गई. घटना डॉ. बीए रोड पर शाम करीब 6 बजे हुई. बस में 30 से 40 यात्री सवार थे, जिन्हें समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर करीब 35 मिनट में स्थिति को नियंत्रित किया. किसी के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है. एमएसआरटीसी के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि बस में आग नहीं लगी थी, बल्कि एसी डक्ट से धुआं निकल रहा था, जिससे यात्रियों में घबराहट फैल गई. परेल डिपो की यह बस दादर से पुणे जा रही थी, जिसमें 26 यात्री सवार थे. धुआं दिखने पर यात्रियों ने चालक को सूचित किया, जिसके बाद सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया.

### केरल यूनिवर्सिटी की संस्कृत विभागाध्यक्ष व डीन पर केस दर्ज

**केरल।** यूनिवर्सिटी की संस्कृत विभागाध्यक्ष और डीन सीएन विजयकुमारी के खिलाफ एक शोधार्थी से कथित तौर पर जातिसूचक टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया है. मामला विवि के करियावत्तम कैंपस का है. शिकायत के मुताबिक, वंचीयूर के रहने वाले शोधार्थी विपिन विजयन ने आरोप लगाया है कि विजयकुमारी ने उनके पीएचडी थीसिस पर साइन करने से मना कर दिया और इस दौरान उनके खिलाफ जातिसूचक टिप्पणी की. बताया कि 15 अक्तूबर को उनके ओपन डिफेंस के बाद जब वे प्रोफेसर से हस्ताक्षर के लिए मिले, तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपमानजनक टिप्पणी की. एफआईआर में कहा गया है कि विजयकुमारी ने कहा कि 'निचली जातियों के लोग संस्कृत नहीं सीख सकते.'

### श्रवणबेलगोला में उपराष्ट्रपति ने आचार्य श्री शांतिसागर महाराज की मूर्ति का किया अनावरण

**हासन।** उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कर्नाटक के हासन ज़िले के श्रवणबेलगोला में आचार्य श्री शांतिसागर महाराज की मूर्ति का अनावरण किया और दिगंबर परंपरा के पुनरुद्धार में उनके अमूल्य योगदान की सराहना की. उपराष्ट्रपति रविवार को श्रवणबेलगोला में परम पूज्य आचार्य श्री 108 शांतिसागर महाराज के शताब्दी समारोह में शामिल होने यहां पहुंचे हैं. अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि आचार्य का जीवन जैन धर्म के शाश्वत आदर्शों, अर्थात् अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद, को प्रतिबिम्बित करता है. उन्होंने कहा कि ये आदर्श आज की दुनिया में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं. श्रवणबेलगोला के आध्यात्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान बाहुबली की प्रतिमा और सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के त्याग की विरासत जैन धर्म के उच्च मूल्यों के प्रतीक हैं. उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के क्षेत्रीय भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा देने और 'ज्ञान भारतम मिशन' के माध्यम से प्राचीन पांडुलिपियों को संरक्षित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की. कार्यक्रम में राज्यपाल थावर चंद गहलोत, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा, योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी. सुधाकर तथा श्रवणबेलगोला जैन मठ के बड़ी संख्या में साधु-संत एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

## सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा पहले आधिकारिक दौरे पर पहुंचे अमेरिका

# डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में होगी ऐतिहासिक मुलाकात

**एजेंसी। वॉशिंगटन**

सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा शनिवार को अपने पहले आधिकारिक दौरे पर अमेरिका पहुंचे. सोमवार को वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे. साल 1946 में सीरिया की आजादी के बाद यह पहली बार है जब किसी सीरियाई राष्ट्रपति का अमेरिकी दौरा हो रहा है. लगभग आठ दशकों बाद होने वाली यह यात्रा मध्य-पूर्व की राजनीति में एक बड़ा बदलाव मानी जा रही है. शरा ने इससे पहले इसी साल मई में सऊदी अरब में हुए एक सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी. उसी बैठक के बाद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संवाद का रास्ता खुला और शरा के अमेरिकी दौरे की नींव रखी गई. अहमद अल-शरा का अमेरिका पहुंचना इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि कभी उनका संबंध अल कायदा से जुड़े संगठन से रहा है. अमेरिका ने पहले उन पर आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगाते हुए एक करोड़ डॉलर का इनाम घोषित किया था. हालांकि, पिछले वर्ष शरा के नेतृत्व वाले गुट ने बशर अल असद सरकार का तख्तापलट कर सत्ता

अपने हाथ में ले ली. इसके बाद से शरा ने अमेरिका के साथ संबंध सुधारने के प्रयास तेज कर दिए थे. ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में सीरिया और शरा पर लगे प्रतिबंधों को हटाने का ऐलान किया है. अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि शरा की सरकार अमेरिका की प्रमुख मांगों को पूरा कर रही है, जिनमें लापता अमेरिकियों को खोजने और रासायनिक हथियारों को नष्ट करने की पहल शामिल है. पिगॉट ने कहा कि "शरा को ब्लैकलिस्ट से हटाने का फैसला क्षेत्रीय स्थिरता और सीरिया में समावेशी राजनीतिक प्रक्रिया को मजबूत करेगा." अहमद अल-शरा और ट्रंप की मुलाकात के दौरान कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है. सूत्रों के मुताबिक दोनों देश आईएसआईएस के खिलाफ साझा अभियान की घोषणा कर सकते हैं. इसके साथ ही सीरिया के युद्धग्रस्त इलाकों के पुनर्निर्माण और मानवीय सहायता पर भी चर्चा होगी. शरा के अमेरिका पहुंचने से ठीक पहले सीरियाई गृह मंत्रालय ने देश के विभिन्न प्रांतों में आईएसआईएस के ठिकानों पर हमले शुरू करने की घोषणा की. मंत्रालय ने दावा किया कि सेना ने कई आतंकवादी ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है. विश्लेषकों का कहना है कि यह कार्रवाई शरा के दौरे से पहले अमेरिका को यह संदेश देने के लिए है कि सीरिया अब आतंकवाद विरोधी मोर्चे पर सक्रिय सहयोगी बनना चाहता है.

राजनयिक सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका दमिश्क के पास एक नए सैन्य अड्डे की स्थापना पर विचार कर रहा है, जिससे क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर निगरानी रखी जा सके. खास बात यह है कि जिस संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) से शरा जुड़े रहे थे, उसे जुलाई में वॉशिंगटन ने आतंकी सूची से हटा दिया था. विशेषज्ञों का मानना है कि शरा का यह दौरा न केवल सीरिया-अमेरिका संबंधों में नई शुरुआत का संकेत है, बल्कि यह मध्य-पूर्व की शक्ति संतुलन को भी प्रभावित कर सकता है. अब सभी की निगाहें सोमवार को व्हाइट हाउस में होने वाली ऐतिहासिक मुलाकात पर टिकी हैं, जो आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय राजनीति की दिशा तय कर सकती है.

### बीफ की बढ़ती कीमतों पर ट्रंप सरकार का सख्त रुख, मांस पैकिंग कंपनियों की जांच के आदेश

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में तेजी से बढ़ रही बीफ की कीमतों को लेकर चिंता जताई है और न्याय विभाग को मांस पैकिंग कंपनियों की जांच के निर्देश दिए हैं. ट्रंप ने इन कंपनियों पर मिलीभगत, मूल्य निर्धारण और हेरफेर के जरिए कृत्रिम रूप से कीमतें बढ़ाने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि अमेरिकी पशुपालकों की रक्षा जरूरी है, जिन्हें विदेशी स्वामित्व वाली कंपनियों के कारण नुकसान उठाना पड़ रहा है. बीफ की कीमतों में उछाल ऐसे समय में हुआ है जब महंगाई अमेरिका में एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गई है. हालिया चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है, जहां डेमोक्रेट उम्मीदवारों ने बढ़ती महंगाई को प्रमुख मुद्दा बनाया. ट्रंप की यह घोषणा खाद्य कीमतों को कम करने के उनके वादों पर भी सवाल खड़े करती है. विशेषज्ञों के अनुसार, कीमतें बढ़ने की मुख्य वजह अमेरिका में मवेशियों की घटती संख्या है. सूखे और कम कीमतों के कारण मवेशियों की संख्या दशकों के निचले स्तर पर पहुंच गई है. इसके अलावा, ब्राजील से आयात पर ट्रंप सरकार द्वारा लगाए गए टैरिफ ने स्थिति को और खराब किया है. हालांकि बीफ की मांग अभी भी मजबूत बनी हुई है. विशेषज्ञों का कहना है कि उपभोक्ता कीमतें बढ़ने के बावजूद बीफ खरीद रहे हैं. अमेरिका में बीफ बाजार पर चार बड़ी मीट पैकिंग कंपनियों का दबदबा है, लेकिन कुछ अर्थशास्त्रियों के अनुसार, इनके द्वारा कीमतों में जानबूझकर हेरफेर का ठोस सबूत नहीं मिला है.

### टीटीपी ने बन्नू जिले में हमला कर क्षेत्र पर किया कब्जा

**इस्लामाबाद।** तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में पाकिस्तानी सेना की एक अहम चौकी पर हमला करके उसे अपने कब्जे में ले लिया है. इस हमले में पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटना पड़ा और टीटीपी ने चौकी से हथियार अपने कब्जे में कर पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित कर लिया. यह हमला पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लिए बड़ी चुनौती और शर्मिंदगी साबित हो रहा है. टीटीपी का यह हमला ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच इस गुट को लेकर तनातनी बढ़ी हुई है. पाकिस्तानी अधिकारियों का आरोप है कि टीटीपी को अफगानिस्तान में शरण दी जा रही है, और यह गुट वहां से आकर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर हमले कर रहा है. अफगानिस्तान की तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है, जिससे दोनों देशों के बीच सीजफायर वार्ता टीटीपी के मुद्दे पर अटकी हुई है. बन्नू से सामने आए वीडियो में टीटीपी के लड़ाके सैन्य चौकी पर बाइक पर पेट्रोलिंग करते दिख रहे हैं. टीटीपी ने दावा किया है कि पाक सेना उनके मुकाबले नहीं कर सकी और सैनिक भाग गए. इस तरह, अब उन्होंने न केवल चौकी बल्कि आसपास के क्षेत्रों पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है.

### ट्रंप ब्रांड वाइन अमेरिकी सैन्य स्टोर्स में बिक रही

**वॉशिंगटन।** डोनाल्ड ट्रंप परिवार पर सत्ता का उपयोग करके अपने व्यवसाय का लाभ उठाने के नए आरोप लगे हैं. फोर्ब्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ब्रांड की वाइन और साइडर अमेरिकी सैन्य स्टोर्स में बेची जा रही हैं. ये उत्पाद वॉशिंगटन डीसी और वर्जीनिया के सेंटरविले में छुट्टियों से पहले ड्यूटी-फ्री स्टोर्स में उपलब्ध हुए. ट्रंप प्रशासन ने वाइन की बिक्री की पुष्टि की है, लेकिन किसी कानून के उल्लंघन से इनकार किया है. ट्रंप प्रतिनिधियों का कहना है कि यह लाइसेंसिंग व्यवस्था का हिस्सा है और राष्ट्रपति की इसमें कोई भूमिका नहीं है. हालांकि, निगरानी समूह और नागरिक अधिकार संगठन इसे नैतिक दृष्टिकोण से गलत मान रहे हैं. "सिविल रेस्पॉन्सिबिलिटी एंड एथिक्स वॉशिंगटन" के प्रवक्ता जॉर्डन लिबोविट्ज़ ने कहा कि यह कानूनी मुद्दा नहीं हो सकता, लेकिन दृष्टिकोण और नैतिकता का सवाल जरूर है. उन्होंने चेताया कि अगर सरकार इन उत्पादों को थोक में खरीदती है, तो यह संविधान के पारिश्रमिक खंड का उल्लंघन कर सकता है, जो राष्ट्रपति को वेतन से अतिरिक्त लाभ लेने से रोकता है. इस मामले ने ट्रंप और उनके परिवार को नैतिक विवादों के केंद्र में ला दिया है, जबकि कानूनी रूप से स्पष्ट उल्लंघन सिद्ध नहीं हुआ है.

### 'मातोश्री' के ऊपर ड्रोन मंडराने से मच गया हड़कंप यूबीटी नेता अनिल परब ने उठाए सुरक्षा पर सवाल

**मुंबई।** बांद्रा स्थित पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास 'मातोश्री' के ऊपर रविवार को एक ड्रोन उड़ता देखा गया, जिससे राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया. शिवसेना (यूबीटी) नेता और विधान परिषद सदस्य अनिल परब ने इसे गंभीर सुरक्षा चूक करार देते हुए तत्काल जांच की मांग की. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'मातोश्री' हाई-सिक्योरिटी जोन है और यहां ड्रोन उड़ाना या फिल्मिंग करना कानूनन अपराध है. परब ने सवाल उठाया कि यह ड्रोन किसका था और क्या इसके पीछे कोई आतंकी साजिश तो नहीं? अनिल परब ने कहा कि यह घटना न केवल उद्धव ठाकरे परिवार की सुरक्षा बल्कि पूरे बांद्रा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करती है.

### तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम समुद्र तट पर मनेगा नौसेना दिवस

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान के साथ 1971 में युद्ध के दौरान नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका की याद में मनाया जाने वाला नौसेना दिवस इस बार तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम समुद्र तट पर 04 दिसंबर को मनाया जाएगा. इस युद्ध में भारत की समुद्री सेना ने दुश्मन की नौसेना और तटीय सुरक्षा को करारा झटका दिया था. इस बार का ऑपरेशनल प्रदर्शन विकसित और समृद्ध भारत के लिए समुद्र की सुरक्षा करने वाले एक युद्ध-तैयार, एकजुट, विश्वसनीय और आत्मनिर्भर बल के रूप में भारतीय नौसेना की समुद्री उत्कृष्टता का उत्सव होगा. नौसेना दिवस 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है, जिसमें ऑपरेशन 'ट्राइडेंट' के तहत भारतीय नौसेना की मिसाइल नौकाओं ने कराची बंदरगाह पर एक साहसिक हमला किया. इस निर्णायक कार्रवाई ने न केवल भारत की समुद्री शक्ति, बल्कि सटीकता, साहस और रणनीतिक कौशल का भी प्रदर्शन किया था. हर साल की तरह इस बार भी भारतीय नौसेना ने प्रमुख नौसेना स्टेशनों के अलावा किसी अन्य स्थान पर सालाना कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया है.

### जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादियों के रिश्तेदारों के खिलाफ शुरू की कार्रवाई

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों (जेकेएनओपी) के रिश्तेदारों और सक्रिय आतंकवादियों (ओजीडब्ल्यू) की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए एक व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया. पुलिस के एक आधिकारी ने बताया कि जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और शांति बनाए रखने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए पुलिस ने रामबन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अरुण गुप्ता की कड़ी निगरानी में बनिहाल और गूल में कई स्थानों पर समन्वित तरीके से घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया. उन्होंने बताया कि इन अभियानों का उद्देश्य पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों (जेकेएनओपी) के रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों के इतिहास की पुष्टि करना और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी करना था. अभियान के दौरान पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर स्थित आतंकवादियों और उनके ओवर ग्राउंड वर्कर्स के रिश्तेदारों और ज्ञात सहयोगियों के घरों की तलाशी ली गई. पुलिस टीमों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई परिसरों का गहन निरीक्षण किया कि कोई राष्ट्र-विरोधी या गैरकानूनी गतिविधियाँ तो नहीं चलाई जा रही थीं या उनका समर्थन तो नहीं किया जा रहा था. रामबन पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और एसओजी इकाइयों की संयुक्त टीमों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेटों के साथ मिलकर जिले भर के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में अभियान चलाया. पदाधिकारी ने कहा कि अभियान आम जनता को कोई असुविधा पहुंचाए बिना एक संगठित तरीके से चलाए गए. यह दोहराया कि इस तरह के अभियान क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बनाए रखने के लिए चल रहे निवारक और खुफिया-आधारित उपायों का एक हिस्सा हैं. पुलिस ने आम जनता से भी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने और अपने क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों या व्यक्तियों के बारे में कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने की अपील की है.

### एक दिसंबर से कोरला नाका बंद होने से चीन-नेपाल व्यापार पर संकट

**काठमांडू।** नेपाल और चीन को जोड़ने वाला प्रमुख सड़क मार्ग पहले से ही बाढ़ के कारण अवरुद्ध हैं. अब अत्यधिक ठंड के कारण चीनी पक्ष ने मुस्तांग स्थित कोरला नाका को अगले माह 1 दिसंबर से बंद करने का निर्णय लिया है, ऐसे में व्यापारियों की चिंता और बढ़ गई है. नेपाल उद्योग वाणिज संघ के अध्यक्ष केंद्र ढकाल ने कहा कि रसुवा और तातोपानी नाका के लंबे समय से बंद रहने के कारण त्यौहारों के लिए चीन से मंगाए गए अरबों रुपये मूल्य के सामान तिब्बत में ही अटके हुए थे, जिससे व्यापारी गंभीर संकट में पड़ गए थे. कोरला नाका दूरी में अधिक होने से यह मार्ग व्यापार के लिए अपेक्षाकृत महंगा है. वर्तमान में रसुवा नाका पूरी तरह से बंद है, जबकि तातोपानी नाके से चीन की ओर से प्रतिदिन केवल पांच से दस कंटेनर नेपाल भेजे जा रहे हैं. नेपाल चीन व्यापार साँझ के अध्यक्ष त्रिभुवन तुलाधर ने बताया कि नेपाल के हजारों कंटेनर अब भी तिब्बत की ओर फंसे हुए हैं. कई व्यापारियों ने अतिरिक्त भाड़ा चुकाकर अपने कंटेनरों को तातोपानी से कोरला मार्ग की ओर मोड़ा था.

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के रजत जयंती के समारोह में प्रदेश के 28 हजार किसानों के खातों में ट्रांसफर किए फसल बीमा योजना के 63 करोड़ रुपए

# उत्तराखंड उदय पर आधारित दो डाक टिकट जारी किए व कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया

**शुभम संदेश। देहरादून**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के रजत जयंती के मुख्य समारोह में प्रदेश के 28 हजार किसानों के खाते में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना की 63 करोड़ की धनराशि स्थानांतरित की. इसके बाद प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड उदय पर आधारित दो डाक टिकट जारी किए. इसके अलावा प्रधानमंत्री ने गौरवशाली अतीत सशक्त वर्तमान और सुनहरा भविष्य शीर्षक से प्रकाशित कॉफी टेबल बुक का विमोचन और सौंग व जमरानी जल विद्युत परियोजनाओं के साथ ही करीब 8, 260 करोड की विभिन्न

योजनाओं का भी लोकार्पण व शिलान्यास किया. इस दौरान उत्तराखंड की विकास यात्रा से संबधित फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया. उत्तराखंड के गौरवपूर्ण रजत जयंती समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति प्रधानमंत्री पर भरोसे की मिसाल पेश कर गया. कार्यक्रम की शुरूआत में प्रधानमंत्री का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बाबा केदारनाथ के शीतकालीन स्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ का मॉडल भेंट किया. इसके बाद प्रधानमंत्री की उपस्थिति में उत्तराखंड नागरिक उड्डयन के सचिव सचिन कर्वे व एयरपोर्ट ऑथरिटी के अध्यक्ष विपिन कुमार ने समझौता ज्ञापन एक-दूसरे को स्थानांतरित किया. इस समझौते से उत्तराखंड के सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में स्थित नैनी सैनी हवाई पट्टी को पूर्ण रूप से एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने अधिग्रहण कर लिया है. इसके बाद नैनी सैनी हवाई पट्टी से नियमित उडानों के साथ ही यात्रा सीमाओं का भी विस्तार होगा और आदि कैलाश व ओम पर्वत लिपुलेख जैसी यात्राओं को नई गति मिलेगी, साथ ही कैलाश मानसरोवर यात्रा के संभावित प्रवेश द्वार विकसित हो सकेंगे. प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड की विकास यात्रा पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया. गौरवशाली अतीत, सशक्त वर्तमान और सुनहरा भविष्य शीर्षक पर प्रकाशित यह कॉफी टेबल बुक केवल चित्रों का संग्रह नहीं बल्कि उत्तराखंड की आत्मा, उसकी अस्मिता और आकांक्षाओं का दस्तावेज है.

कॉफी टेबल बुक में कैसे देव भूमि ने परंपरा को प्रगति से जोड़ा दर्शाया गया है. प्रधानमंत्री ने दो डाक टिकट जारी किए. यह डाक टिकट उत्तराखंड की 25 वर्षों की समृद्धि और संस्कृति की कहानी थीम पर आधारित हैं. इसमें उत्तराखंड उदय को दर्शाया गया है. इसके बाद प्रधानमंत्री ने स्पेशल कवर का भी अनावरण किया. इसमें केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण, बदरीनाथ धाम का पुनरुद्धार, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे, ऑल वेदर रोड आदि को दर्शाया गया है. रजत जयंती के मुख्य समारोह में उत्तराखंड की विकास यात्रा पर आधारित एक फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया. इस लघु फिल्म में उत्तराखंड निर्माण की गौरव गाथा के संघर्ष, राज्य के सृजन और राज्य स्थापना के 25 वर्ष की विकास यात्रा का फिल्मांकन किया गया है. फिल्म में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की राज्य स्थापना की घोषणा का भी फिल्मांकन है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास सहित कई प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ीं परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया. परियोजनाओं में अमृत योजना के अंतर्गत देहरादून जलापूर्ति कवरेज, पिथौरागढ़ में विद्युत सबस्टेशन, सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र और हल्द्वानी स्टेडियम (नैनीताल) में एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान प्रमुख हैं. इसके साथ ही प्रधानमंत्री दो महत्वपूर्ण पेयजल परियोजनाओं में शामिल सोंग बांध पेयजल परियोजना (देहरादून) और जमरानी बहुउद्देशीय बांध परियोजना (नैनीताल) का शिलान्यास किया.


स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.